

सामाजिक, परिवारिक, सांस्कृतिक

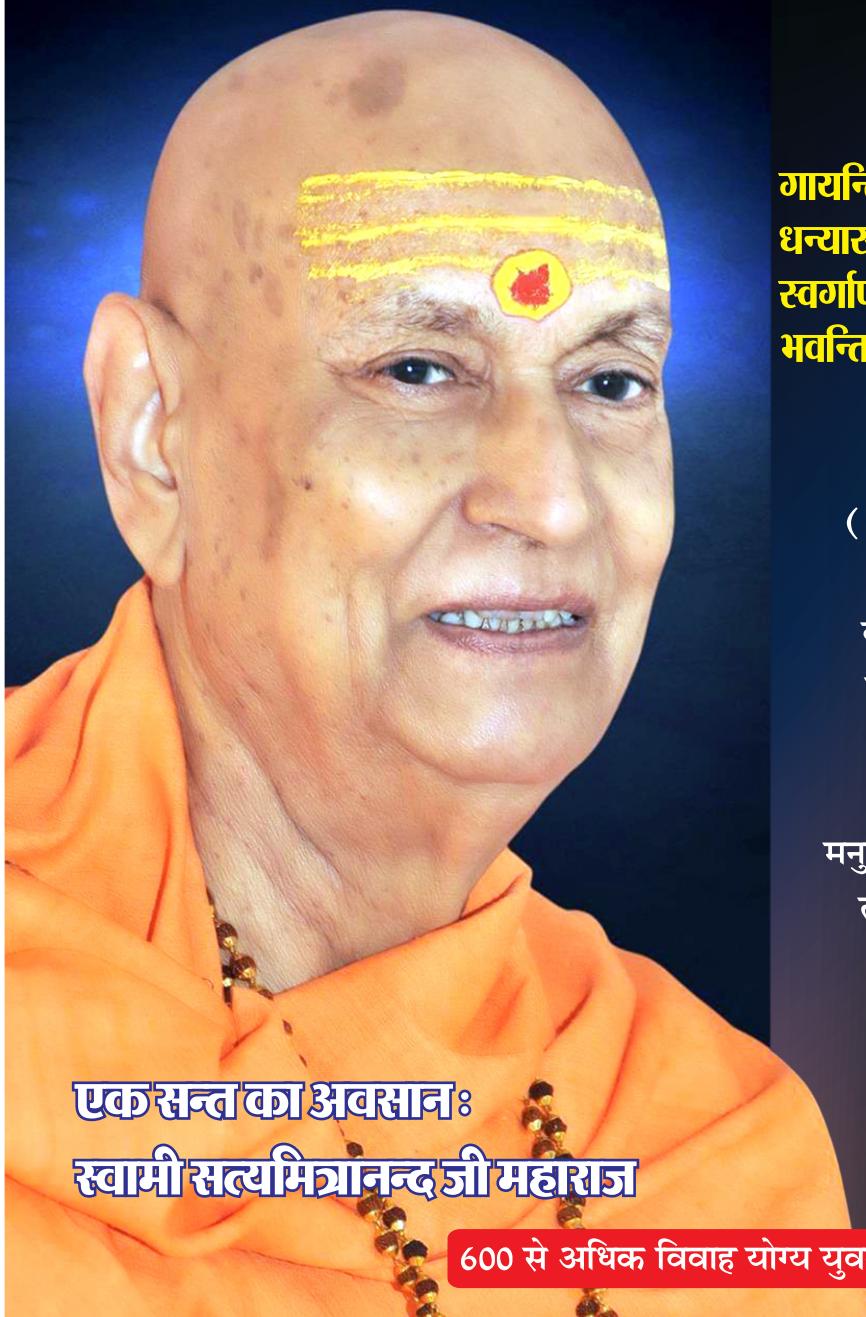
कान्यकृष्ण मंच

संस्थापक संपादकः कीर्तिशेष बालकृष्ण पाण्डेय

वर्ष : 33 अंक : 2

अक्टूबर-दिसम्बर 2019

40 रुपये



एक सन्त का अवसानः
खासी सत्यमित्रानन्दजी महाराज

600 से अधिक विवाह योग्य युवक-युवतियों का विवरण

गायन्ति देवाः किलगीतकानि ,
धन्यास्तु ते भारतभूमिभागे ।
स्वर्गपिवर्गास्पद मार्गभूते,
भवन्ति भूयः पुरुषाः सुरत्वाद् ॥

- विष्णुपुराण (2/3/24)

(देवतागण गीत गाते हैं
कि स्वर्ग और मोक्ष
को प्रदान करने वाले
मार्ग पर स्थित भारत
के लोग धन्य हैं ।
देवता भी जब पुनः
मनुष्य योनि में जन्म लेते हैं
तो यहीं जन्मते हैं ।)

SKYLINE SCHOOL

A DAY BOARDING PLAY SCHOOL

A Home away from Home

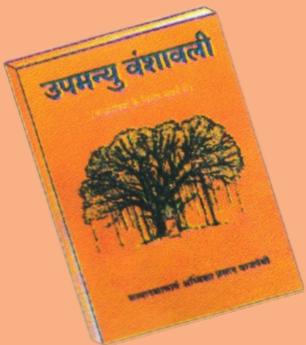


- Play Group to Nursery Grade
- English Medium
- Door to Door Pick and Drop
- Well Trained Teachers
- Swimming Pool, Play Area, Rides

NS-24, Block-G, Delta 1st Greater Noida
Phone: 0120-2321746, Mobile: 8130557885

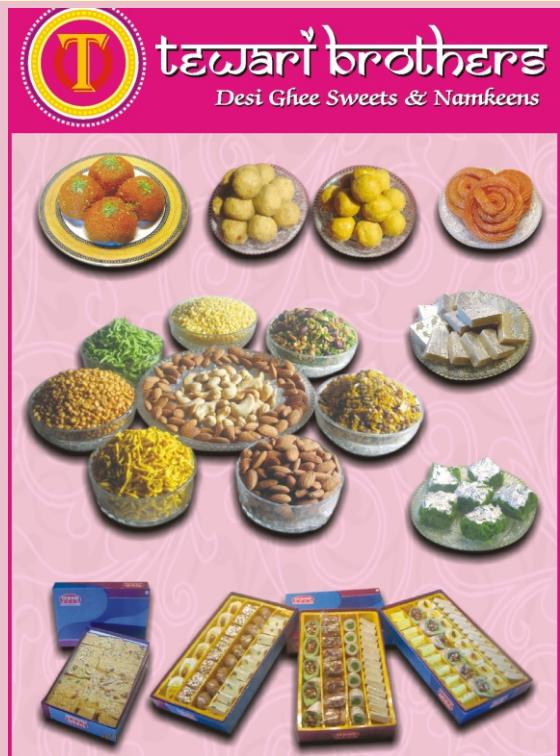
भारतमित्र **BHARATMITRA**

Premier Hindi Daily



L.S. Publication Pvt. Ltd.

32, Metcalfe Street, Kolkata-700013
Tel.: 22361572, 2119429, Mob.: 9830012330
Telefax: 033-22151533
Email: bharatmitra1@yahoo.com

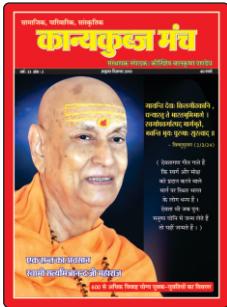


862, Chandni Chowk, Delhi-110006 73, M.M. Market, Connaught Circus,
Tel.: 23918326, 23927690, 23956846 New Delhi-110001
Fax : +91-11-23947743 Tel.: 23413313, 23411764, 23411765

Branches :

• KOLKATA • MUMBAI • DELHI • BANGALORE • HYDERABAD • KANPUR
E-mail : ravitewari6@gmail.com visit us at : www.tewaribrother.com

'आ नो भद्रा क्रत्वो यन्तु विश्वतः' ऋग्वेद 1-89-1



संस्थापक संपादक कीर्तिशेष बालकृष्ण पाण्डेय

●
प्रबंध संपादक
विष्णु कुमार पाण्डेय
3/19 सेक्टर-जे, जानकीपुरम लखनऊ-21
9450362385

●
संपादक
आशुतोष पाण्डेय
264 सेक्टर 3, फरीदाबाद 121004 हरियाणा
9312020932

●
प्रतिनिधि
रविकांत तिवारी (97-176-76003)
तिवारी ब्रदर्स, चांदनी चौक दिल्ली-6
प्रताप शुक्ल (लखनऊ) 9335912667
अजय (कानपुर) 8953182491
संदीप (कानपुर) 7054098204
मनीषा (नोएडा) 9310111069

●
विधि सलाहकार
सांकृत अजीत शुक्ल एडवोकेट
9415474584

संरक्षक..... रुपये 11000.00
विशिष्ट..... रुपये 5100.00
आजीवन..... रुपये 2100.00
पत्रिका प्रसार सहयोग (5 वर्ष हेतु)..... रुपये 500.00

पत्रिका साधारण डाक से भेजी जाती है स्पीड पोस्ट/
कोरियर से पत्रिका मंगाने हेतु तथा विदेशों के लिए
वास्तविक डाक व्यय अतिरिक्त देना होगा।
पत्रिका में प्रकाशित विचारों से प्रकाशक व संपादक की सहमति आवश्यक
नहीं। न्यायिक मामलों हेतु कानपुर न्यायालय क्षेत्र की मान्य होगा।

सामाजिक, पारिवारिक, सांस्कृतिक

कान्यकुञ्ज मंच

वर्ष 33, अंक 2, अक्टूबर-दिसम्बर 2019

इस अंक में विशेष

संपादकीय	3
अपनी बात	5
मेरी दृष्टि में	7
एक संत का अवसान	8
सभ्यता और संस्कृति	11
मेरे पितर मेरा गांव	13
मेरा जनपद हरदोई	15
लोक गीतों में समाहित जीवन	16
संत गृहस्थ ददूदा जी	18
संस्कृति के अजस्र प्रवाह	19
खजुहा की रावण पूजा	20
बंगल का सिंदूर खेला	21
महावीर बिनवड़ हनुमाना	22
लखनऊ का जमघट	23
रेखाचित्र - कृपा भाई	25
सामाजिक मंच	29
वैवाहिक विवरण	33
मृत्यु से साक्षात्कार	46
अटल विश्वास	48
एवं समाज, परिवार, युवा, महिला, वृद्ध व अन्य स्थाई स्तम्भ	

इस अंक के साथ वर्ष 33, अंक 1 भी समाहित है।

पत्रिका मंगाने हेतु तथा समस्त पत्र व्यवहार के लिए
प्रबन्ध संपादक

कान्यकुञ्ज मंच कार्यालय

20बी, किदवबई नगर, कानपुर-208011
मो. 9450362385 (समय: सायं 7-9 तक)

ईमेल: kkmanch@gmail.com
www.kanyakubjmanch.com

हमारे संक्षक

कानपुर : पं. प्रेम नारायण तिवारी, तिवारी ब्रदर्स, पं. लक्ष्मी नारायण शुक्ल, पं. प्रेम कुमार पाण्डेय, पं. शरद मिश्र, डॉ वाई एन शुक्ल, श्रीमती सरिता-अनूप द्विवेदी, पं. प्रेम नारायण मिश्र, पं. संजीव दीक्षित, पं. राम प्रकाश मिश्र, पं. जगत नारायण शुक्ल, श्रीमती मधु-सौरभ अवस्थी। **लखनऊ :** पं. अमरनाथ मिश्र, पं. सर्वेश वाजपेयी, पं. सतीश चंद्र मिश्र, पं. त्रिवेणी प्रसाद दुबे। **प्रयागराज :** पं. विजय कुमार तिवारी। **कन्नौज :** पं. गोपालजी मिश्र। **वाराणसी :** पं. देव नारायण पाण्डेय। **गाजियाबाद :** पं. वी एन अग्निहोत्री। **नोएडा :** पं. रविन्द्र शेखर शुक्ल, कैप्टन संजीव वाजपेयी, पं. प्रशांत तिवारी। **दिल्ली :** पं. रामकृष्ण त्रिवेदी, पं. प्रकाश तिवारी, पं. सतीश चंद्र मिश्र, श्रीमती शोभा मिश्रा। **मुम्बई :** पं. ब्रजेन्द्र कुमार मिश्र। **फरीदाबाद :** डॉ पारस नाथ दुबे, डॉ देव राज चौबे, पं. जगदीश चंद्र द्विवेदी। **कोलकाता :** पं. राजेन्द्र नारायण वाजपेयी, पं. काशीनाथ पाण्डेय, पं. लक्ष्मीकांत तिवारी, पं. ऋषि शंकर पाण्डेय, पं. अश्विनी कुमार अवस्थी, पं. रामकृष्ण त्रिवेदी (आईपीएस)। **पुरुलिया :** पं. महादेव मिश्र। **अहमदाबाद :** पं. ओमप्रकाश दीक्षित। **छत्तीसगढ़ :** पं. के एस शुक्ल। **तमिलनाडु:** श्रीमती लक्ष्मी प्रभा। **विदेश :** पं. वीरेंद्र कुमार तिवारी (यूके)।

इस सूची में आपका नाम भी जुड़ने की प्रतीक्षा है।

हमारे विशिष्ट

कानपुर : पं. आर एस मिश्र, पं. उमेश कुमार पाण्डेय, पं. ओम प्रकाश मिश्र, पं. कृष्णस्वरूप मिश्र (राजा), पं. मंजुल मिश्र, वैद्य राजेश कुमार पाण्डेय, पं. राजेश कुमार दीक्षित (एडवोकेट), प्रो सुरेंद्र कुमार त्रिपाठी, पं. आदित्य कुमार शुक्ल, पं. ब्रजेश अवस्थी, पं. प्रभात मिश्र, पं. कमलेश कुमार शुक्ल (मुचकुंद)। **लखनऊ :** पं. श्रीकृष्ण तिवारी, सांकृत प्रताप शुक्ल, पं. कृष्ण कुमार शुक्ल, डॉ विनोद बिहारी दीक्षित, पं. दिनेश चंद्र मिश्र, पं. प्रदीप शुक्ल, पं. पंकज तिवारी, पं. अजेय शंकर तिवारी, डॉ के के त्रिपाठी, कर्नल पं. धर्मदेव तिवारी, डॉ मृदुला मिश्रा, पं. योगेश चंद्र मिश्र, पं. सुनील कुमार शुक्ल, डॉ मंजू शुक्ला, पं. जी पी द्विवेदी, पं. कृष्ण कुमार मिश्र, पं. देवेंद्र नाथ मिश्र, पं. कमल वाजपेयी, पं. देवानन्द वाजपेयी, पं. विनीत वाजपेयी, पं. गिरीश चंद्र शुक्ल, डॉ गणेश चन्द्र मिश्र, पं. जय शंकर द्विवेदी, पं. राजेश कुमार मिश्र, पं. दीपक कुमार मिश्र। **प्रयागराज :** श्रीमती सुधा अवस्थी (एडवोकेट)। **गाजियाबाद :** पं. श्याम वाजपेयी, पं. निरंजन चन्द्र मिश्र। **बरेली :** पं. एस पी पाण्डेय। **झारसी :** पं. विष्णु शुक्ल। **नोएडा :** पं. शरद त्रिवेदी। **दिल्ली :** वैद्य अशोक कुमार मिश्र, पं. रामेश्वर दयाल दीक्षित, पं. राकेश मिश्र, पं. विक्रम तिवारी, डॉ रघुनंदन प्रसाद तिवारी, वाइस एडमिरल पं. जगतनारायण शुक्ल, पं. विनोद त्रिपाठी, पं. सलिल दीक्षित, डॉ महादेव प्रसाद पाठक, पं. रामदास तिवारी, पं. रविशंकर तिवारी, पं. अनुराग मिश्र, पं. अमरेंद्र तिवारी, पं. विनोद कुमार अग्निहोत्री, श्रीमती मधु-पवन शुक्ला। **कोलकाता :** पं. हरीश मिश्र, पं. गणेश शंकर तिवारी, पं. कुलदीप दीक्षित, पं. सुशील कुमार शुक्ल, पं. शिव किशोर मिश्र, पं. मुकुतेश्वर तिवारी, डॉ हरि शंकर पाठक। **सतना :** पं. उमेश कुमार त्रिपाठी। **भोपाल :** पं. कैलाश नाथ मिश्र। **होशंगाबाद :** डॉ विभासु दुबे। **फरीदाबाद :** पं. राजेश द्विवेदी, पं. कृष्णबिहारी दुबे, पं. अंजनी कुमार दुबे, डॉ सुरेश पचौरी। **विदेश :** पं. सिद्धार्थ मिश्र (कैलिफोर्निया)

असतो मा सद्गमय ● तमसो मा ज्योतिर्गमय ● मृत्वोर्मा अमृत गमय

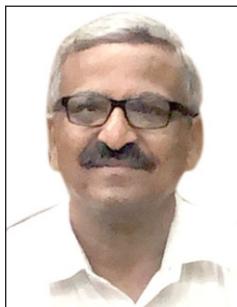
अंधकार में ज्योति की उपासना दीपावली का मूल स्रोत है

-शुभ कामनाओं सहित -

त्रिवेदी एण्ड कम्पनी

**पोस्ट बॉक्स नं. 1411, कश्मीरी गेट, दिल्ली-110006
फोन-23965712, 23973045**

ब्राह्मणों की बात करना गुनाह कैसे?



आज की सामाजिक व्यवस्था में ब्राह्मणों को कोसना, आरोपित करना, निंदा करना एक फैशन सा बन गया है। कोटा (राज.) की ब्राह्मण समाज में लोकसमा अध्यक्ष माननीय श्री ओम बिरला का यह कहना कि 'ब्राह्मणों का समाज में उच्च स्थान रहा है। यह उनकी

त्याग, तपस्या का प्रमाण है। यही वजह है कि ब्राह्मण समाज हमेशा से मार्गदर्शक की भूमिका में रहा है।' तमाम वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं ने उन पर जातिवादी होने का आरोप मढ़ना शुरू कर दिया। उनके वक्तव्य में ऐसा कुछ नहीं था जो किसी वाद-विवाद की श्रेणी में आता हो। कौन नहीं जानता 16 वीं लोकसभा को वे जिस गठिमानीय ढंग से संचालित कर रहे हैं, वह अद्वितीय है। ऐसा ही वक्तव्य तमिल ब्राह्मण गलोबल मीट में केंद्र लाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी विदम्बरेशं ने भी दिया। श्री विदम्बरेशं ने कहा कि 'ब्राह्मण द्विजनना है। पूर्वजन्म के सुकरिधाम (पूर्वजन्म के सदकर्म), सत्याचरण, सकारात्मक सोच, उत्कृष्ट घटित्रि, शाकाहार, संगीतप्रेम व अन्य मानवीय गुण जहाँ एकाकार हों, वही ब्राह्मण है।' इसमें विवादित वया है? समझ से परे है। हर जाति को अपनी गरिमा, उपलब्धियों, सामाजिक-राष्ट्रीय उत्थान में उनके योगदान की चर्चा, बखान, उसकी गुणवत्ता के पोषण-संवर्धन का अधिकार है। फिर ब्राह्मणों की बात करना गुनाह कैसे? जाति, जातीयता और जातिभेद को समझाने की आवश्यकता है। जाति या वर्गनिर्धारण समाज की व्यवस्था है। इसे मिटाया नहीं जा सकता। जातीयता जाति विशेष के गुणों की व्योतक है। अपने गुणों का निरन्तर विकास और शोधन होता रहना चाहिए। जातीयता कभी भी राष्ट्रीयता में बाधक नहीं रही है। भेद की गंभीरता विवाद में समाई रहती हुई है।

इतिहास गवाह है, ब्राह्मणों ने कभी जातिवाद को प्रश्रय नहीं दिया। 'सर्वभूत हिते रतः' के संकल्प के साथ समाज में एकरसता व समन्वय बनाये रखने में ब्राह्मणों के योगदान को नकारा नहीं जा सकता। वोट बैंक के चलते भारतीय राजनीति समाज को आखिर किस दिशा में ले जाना चाहती है? मनुसंग्रहीत में स्पष्ट

लिखा है-

'सर्व एवं ब्राह्मणत्येदं यत्किञ्चित जगती गतम्।

श्रेष्ठयम् नामि जनेनेदं सर्वं व ब्राह्मणोऽहति।'

अर्थात् राष्ट्र में जो कुछ भी सम्पदा, ऐश्वर्य या प्रभुत्व है, वस्तुतः ब्राह्मण का है। अपनी बुद्धि, तपस्या, व उदारता आदि की श्रेष्ठता के कारण तथा शानदार तेजस्वी परम्परा के कारण यह सब कुछ प्राप्त करने का अधिकारी है। अगले लोक में मनु ने कहा है-

'स्यमेव ब्राह्मणों भुक्ते, स्वं वस्ते, स्वं ददाति च।

आनृथस्याद ब्राह्मणस्य भुज्यते ही तेरे जनाः।

अर्थात् ब्राह्मण अपना खाता है, अपना पहनता है, अपना ही दूसरों को दान करता है। दूसरे लोग उसकी ही कृपा से सब उपभोग करते हैं। आज भी ब्राह्मण की प्रतिष्ठा और महत्ता उसकी बौद्धिक, आध्यात्मिक विशेषता के कारण है। व्यक्तिगत रूप से भी यदि कोई ब्राह्मण प्रतिष्ठित स्थानों तक पहुँचा है तो वहौर किसी राजनीतिक संरक्षण के। समाज का आदर्श स्वरूप प्रस्तुत करने वाले ब्राह्मण की निंदा कृतज्ञता है। कबौज के साहित्यकार डॉ जीवन शुक्ल ने कहा है-'जो आदिकाल से कल तक के भारत की धुरी रहा है। जिसने भारत की कुंडली रघने में अहम भूमिका निभाई है। यहनोंके समक्ष नत न होकर अपने प्राणोंकी बलि देकर सनातन धर्म की रक्षा की है। समाज को चिंतन, संस्कार तथा जीने की कला सिखाई है और सम्मान को अपनी सम्पत्ति मान, सत्ता-शक्ति और वैभव के उच्चत शिखरों को अपना अर्थीषाल्मक सहयोग देकर कुंठार्हित जीवनयापन किया है। वह द्वोणाचार्य होकर जिया हो या शंकराचार्य होकर, उसने समाज के बीच समन्वय स्थापित किया है। उसकी व्यक्तिवादी जीवन शैली तथा समष्टिवादी चिंतनधारा से समाज का विकास हुआ।' उसका अनादर कर एक आदर्श समाज की स्थापना कोरी कल्पना ही साबित होगी।'

आज हमारे समाज में आपसी सद्भाव का छाप होता जा रहा है। राजनीति की गोटियां सामाजिक समरसता में बाधक सिद्ध हो रही हैं। सबको गले लगाने, आत्मीयता विकसित करने, सहानुभूति प्रतीक्षित करने तथा सहयोग देने से ही मानव जीवन धन्य होता है। कुमाऊँनी कहावत है-'जो देवता स्वयं ही चित्त (पस्त) पड़ा हो, दूसरे का क्या कल्याण करेगा?'

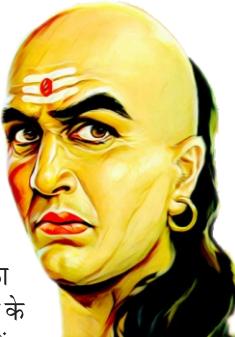
30 अक्टूबर 2019

स्मरणीय तिथियां

- 1 अक्टूबर, 2019 मंगलवार अन्तर्राष्ट्रीय वृद्ध-दिवस
- 2 अक्टूबर, 2019 बुधवार गांधी जयंती/अहिंसा-दिवस
- 6 अक्टूबर, 2019 रविवार मां दुर्गाष्टमी
- 7 अक्टूबर, 2019 सोमवार महानवमी
- 8 अक्टूबर, 2019 मंगलवार विजयादशमी
- 8 अक्टूबर, 2019 बुधवार कीर्तिशेष बालकृष्ण पाण्डेय जयंती
- 13 अक्टूबर, 2019 रविवार शरदपूर्णिमा/वाल्मीकि जयन्ती
- 17 अक्टूबर, 2019 गुरुवार करवाचौथ(चंद्रोदय 20-18)
- 21 अक्टूबर, 2019 सोमवार अहोई अष्टमी
- 25 अक्टूबर, 2019 शुक्रवार धनतेरस/धन्वंतरि जयंती
- 26 अक्टूबर, 2019 शनिवार नरक चतुर्दशी/हनुमान जयंती
- 27 अक्टूबर, 2019 रविवार दीपावली
- 28 अक्टूबर, 2019 सोमवार गोवर्धन पूजा/अन्नकूट/सोमवती अमावस्या
- 29 अक्टूबर, 2019 मंगलवार भाई दूज/यम द्वितीया
- 2 नवम्बर, 2019 शनिवार सूर्य षष्ठी/डाला छठ
- 4 नवम्बर, 2019 सोमवार गोपाष्टमी
- 5 नवम्बर, 2019 मंगलवार अक्षय नवमी/आंवला पूजन
- 8 नवम्बर, 2019 शुक्रवार देवोत्थान एकादशी
- 12 नवम्बर, 2019 मंगलवार कार्तिक पूर्णिमा/गुरुनानक जयन्ती
- 8 दिसम्बर, 2019 रविवार गीता जयंती/मोक्षदा एकादशी
- 25 दिसम्बर, 2019 बुधवार मलवीय जयन्ती/अटल जयन्ती
- 26 दिसम्बर, 2019 गुरुवार पौष अमावस्या/सूर्य ग्रहण (8.17-10.57)

चाणक्य नीति

व्यक्ति अपने आम स्वभाव के कारण एक दूसरे से मिलते हुए कई तरह की बातें करते हैं, लेकिन चाणक्यनीति की मानें तो कुछ बातें ऐसी भी होती हैं जिन्हें बताने पर व्यक्ति को बड़ी मुसीबत का सामना करना पड़ सकता है। चाणक्य के अनुसार कुछ बातें ऐसी होती हैं जिन्हें गुप रखना चाहिए। यानी किसी को भी नहीं बतानी चाहिए।



अर्थनाशं मनस्तापं गृहणीचरितानि च।

नीचवाक्यं चाऽपमानं मतिमानं प्रकाशयेत्।।

अर्थनाशं यानी अर्थिक हानि- यदि आप को किसी प्रकार की अर्थिक हानि हुई है तो इस बारे में किसी को नहीं बताना चाहिए। क्योंकि जिस व्यक्ति की अर्थिक स्थिति खराब हो जाती है लोग उसकी मदद करने से डरते हैं। इसलिए ऐसी बातों को गुप रखना चाहिए।

मनस्तापं यानी मन का दुख - मन का संताप किसी को जाहिर नहीं करना चाहिए। क्योंकि लोग आपके दुख का मजाक बना सकते हैं जिससे यह दुख और बढ़ जाएगा। ऐसा संत रहीमदास जी ने भी कहा है - रहिमन निज मन की व्यथा मन ही राखो गेय, सुन इलाइहैं लोग सब बाट न लझहैं कोयो॥

गृहणीचरितानि यानी पत्नी का चरित्र- गुप रखने योग्य तीसरी बात है गृहणी का चरित्र। कहते हैं समझदार पुरुष अपनी पत्नी के चरित्र के बारे में किसी को कुछ नहीं बताते। जो पुरुष अपनी पत्नी के साथ हुए झागड़े, सुख-दुख आदि बातों को दूसरों से बताते हैं उन्हें भयंकर मुसीबत का सामना करना पड़ सकता है।

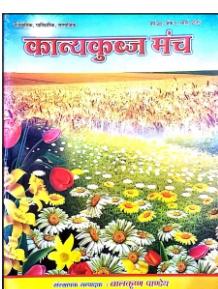
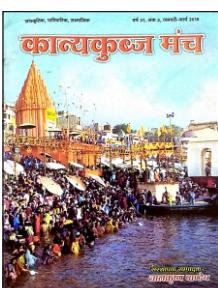
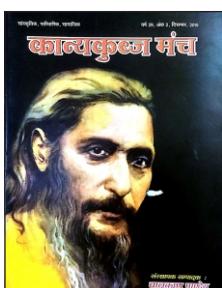
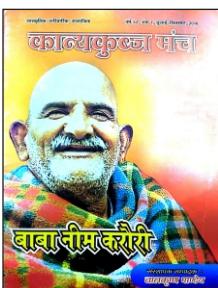
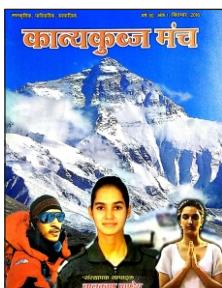
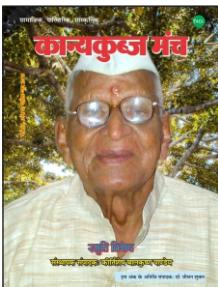
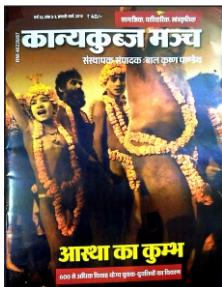
नीचवाक्यं चाऽपमानं यानी अपशब्द और अपमान- किसी को अपने साथ हुए अपमान या बोले गए अपशब्दों के बारे में नहीं बताना चाहिए। क्योंकि ऐसी बातें दूसरों को पता चलने से खुद की प्रतिष्ठा कम होती है।

उच्च कोटि के किराना, मेवा, खड़े व पिसे मसाले,
जड़ी-बूटी के थोक व फुटकर विक्रेता

लाला राम चन्द्र गुप्ता एण्ड सन्स

दुकान नं. 141-144, कैनाल पटरी, एक्सप्रेस रोड (6 नंबर कार पार्किंग के सामने) कानपुर
पर्चा लिखवाने वास्ते: 7510000300/9621265697
पर्चे की जानकारी वास्ते फोन नंबर 0512-2364444

अपनी बात



कान्यकुञ्ज मंच

- घट-परिवार के लोगों की उदासीनता या लापरवाही से हो, या बाहर के लोगों की सरेदनहीनता और अमानुषिकता से, आज हमारे समाज में बच्चों का जीवन बड़ा ही असुरक्षित है। क्या ऐसा सुरक्षित समाज बनाना हमारी जिम्मेदारी नहीं है कि हमारे बच्चे अच्छी तरह जी सकें ?
- बच्चे माता-पिता से ही नहीं सीखते, उस समाज से भी सीखते हैं, जिसमें उनका सम्पूर्ण व्यक्तित्व निर्मित होता है। समाज ही उन्हें यह बताता है कि परिवार में निर्मित जीवन-मूल्य किस हद तक समाज, राष्ट्र और मानवता के हित में हैं। लेकिन उसी समाज में वह लोगों को अनैतिक और आपराधिक रास्तों पर घलकर कामयाबी की सीढ़ियां ढढते हुए देखता है।
- बड़े और बच्चों के बीच सम्बन्ध सिर्फ खून और भावनाओं का ही नहीं होता। वह आपस की जिम्मेदारियों और समाज के प्रति जवाबदेही का सम्बन्ध भी होता है।
- बच्चे अनुशासन से ही नहीं, प्याएं और खुलेपन से जिम्मेदार बनते हैं। जो युवा सामाज्य समय में गैर-जिम्मेदार और उच्छ्रेण्यल नजर आते हैं, वे संकट के समय कहीं अधिक जिम्मेदार, कर्मठ और समझदार साबित हो सकते हैं।
- बच्चों में जो मानवीय गुण होते हैं, वर्यस्क होने की प्रक्रिया में कम होते जाते हैं, क्योंकि माता-पिता, शिक्षक और दूसरे वर्यस्क लोग उन्हें दुनियादारी सिखाकर उनकी मासूमियत को कम कर देते हैं।
- माता-पिता बच्चों को जैसा बना रहे हैं, वैसा वर्यों बना रहे हैं। उद्देश्य तो दरअसल यह होना चाहिए कि हमें बच्चों को अच्छा मनुष्य बनाकर एक अच्छा मानवीय समाज बनाना है। मगर हो यह रहा है कि हम जिस अमानवीय समाज में जीते हैं, उसी के मुताबिक अपने बच्चों को ढालते हैं।
- दो पीढ़ियों के बीच संघर्ष आदर्शों, जीवन-मूल्यों, भावनाओं, सम्बन्धों, स्थार्थों आदि को लेकर हो सकते हैं। जीवन-मूल्यों का संघर्ष भारत बनाम परिघम, नये बनाम पुराने, लड़ियादिता बनाम आधुनिकता आदि कई लोगों में सामने आता है।
- भूमंडलीकरण और उपभोक्तावाद के बढ़ते प्रभाव के कारण लोगों में व्यक्तिवाद बढ़ रहा है। लोग परिवार या समाज की धिंता करने के बजाय सिर्फ अपनी धिता करते हैं।

- विष्णु पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक

हर मनुष्य सफल होना चाहता है और सफलता के लिए जरूरी है समस्याओं से संबर्ष। समस्याओं रूपी चुनौतियों का सामना करने, उन्हें सुलझाने में जीवन का उसका अर्थ छिपा हुआ है। समस्याएं तो एक दुधारी तलवार होती हैं, वे हमारे साहस, हमारी बुद्धिमत्ता को ललकारती हैं और दूसरे शब्दों में वे हम में साहस और बुद्धिमानी का सृजन भी करती हैं। मनुष्य की तमाम प्रगति, उसकी सारी उपलब्धियों के मूल में समस्याएं ही हैं। यदि जीवन में समस्याएं नहीं हों तो शायद हमारा जीवन नीरस ही नहीं, जड़ भी हो जाए। किसी ने सटीक कहा है कि-

हर मुश्किल के पत्थर को बनाकर सीढ़ियां अपनी,
जो मंजिल पर पहुंच जाए उसे 'इंसान' कहते हैं।

शुभकामनाओं सहित



माननीय सरोज मिश्रा

हॉटल शिवाय

16/97, शिवाय टावर, दि माल, कानपुर
फोन: 0512-2332050-51

मेरी दृष्टि में



- डॉ. जीवन शुक्ल

हमारे पूर्वजों के हिसाब से तो पूरी दुनिया एक परिवार की तरह थी। तब का सत्य भी शायद यही रहा हो कि जहां तक हमारी नजर जाए वहां तक हमारे लिए दुनिया का अर्थ होता होगा। एक कहावत ये भी सुनी होगी आपने, ‘सकल भूमि गोपाल की’, ‘दुनिया एक परिवार की तरह’ का अर्थ तो मैं यही समझता हूं कि एक परिवार में विभिन्न स्वभाव तथा विचार और रुचि के लोग होते हुए भी हम उनमें भेद दृष्टि नहीं रखते। उसे एक छत के नीचे रहने वाला परिवार मानकर उनसे प्रेम करते हैं और उन्हें एक दूसरे से भिन्न नहीं मानते हैं। यही अभिन्नता का दर्शन हमारे बुजुर्गों ने पूरी मानवता को परोसा। यह हमारी मूल सोच का अंग आज भी है। हम बड़े गर्व से आज भी इस पूंजी पर ऐंठते हैं। लेकिन दोस्त सच्चाई कुछ और है।

हमरे वे पूर्वज, जिनसे हमें ‘वसुधैर कुटुम्बकम्’ का उदात्त और मानवतावादी दर्शन मिला, वे इसे जीते भी होंगे। लेकिन हम और हमारे निकट के पूर्वज शायद इस कुटुंब के दर्शन को आचरण में जीना भूल चुके हैं। यह कारण और व्यवहारीय दर्शन नहीं लगता। अब तो कुटुंब का अर्थ है, ‘हम दो-हमारे दो’। लेकिन जो लोग चार बीबी वाले फार्मले में जी रहे हैं वो तो ‘हम दो-हमारे दो’ वाले सांचे में फिट ही नहीं होते। उनके लिए कुटुंब का कोई अर्थ है तो, ‘हम और हमारी आज वाली बीबी’। बाकी तो दस्तखान के समय के खास अजीज लोग हैं।

असलियत तो ये है कि हमें इसका सही अर्थ तो उस व्यक्ति से समझ आया जो हमारे देश पर पहली बार लूट के इरादे से पूरे बख्तरबन्दी के साथ, एक सेना के साथ, एक टुकड़ची शाह के लिबास में आ रहा था। उसने एक समझदार सिपाही को यात्री के लिबास में आगे यह पता लगाने को भेजा कि पता करो कितना एका है भारत के लोगों में। वह यात्री जब भारत के अंदर घुसा तो कुछ दूर एक खेत को कुछ जानवर चर रहे थे। उसके बगल के खेत में बैठे कुछ लोग हँसी-ठहाके लगा रहे थे। उस यात्री ने उन लोगों के पास जाकर कहा, ‘देखो, ये खेत तो जानवर चरे जा रहे हैं।’ उन लोगों ने उस मुसाफिर से बस इतना

सकल भूमि गोपाल की

कहा, वो खेत हमारा नहीं है। और फिर अपनी बातों में लग गए। वह यात्री वहां से लौट गया और उसने अपने शाह से कहा, ‘हुजूर, रास्ता बिल्कुल साफ है।’

फिर क्या था? उसने जी भर लूटा, जो अड़ा वो काटा गया। औरतों की इज्जत लुटती रही। पर जो अपना राज्य, अपनी प्रजा और धन को बचाने के लिए हाथ में मुद्राओं की थाल लेकर, गर्दन झुका कर खड़ा हो गया, वो बच गया। कुटुंब का भाव जहां होता है वहां पड़ोसी पराया नहीं होता, परिवार का हिस्सा होता है। आज हम जिस समाज में जी रहे हैं वो पड़ोसी को भी अपना नहीं मानता। संसार को परिवार का अंग क्या मानेगा? इसे हमारी कमी कहो या कमजोरी कहो, इसका फायदा विदेशी हमलावरों या व्यापारी अंग्रेजों ने ही नहीं उठाया, आज के नेता भी उठ रहे हैं।

पड़ोसी को या संसार को अपने परिवार का अंग मानना तो हमने छोड़ ही दिया। ‘सकल भूमि गोपाल की’ उपनिषदीय व्याख्या का उल्टा करने लगे। इस कहावत का अर्थ है- सारी धरती परमात्मा की है। हम इसके मालिक नहीं मात्र भोक्ता हैं। हम उस न्यासी की भाँति हैं जो न्यास की सम्पत्ति का उपयोग उसके उद्देश्यों की पूर्ति के लिए एक सेवक की भाँति करता है। आज तो हम जनता के संस्थानों को अपना समझकर बेचने के अवसर तलाशते हैं। पड़ोसी का अहित अपना अहित समझो और समाज की सम्पत्ति को अपना मत समझो। □

-9415471813

रुद्धि, परम्परा और संस्कार

जब हम परिवर्तन नहीं कर पाते और युगों पूर्व के नियम को जीते हैं तो वह हमारा संस्कार नहीं हम परंपरा को जीते हैं क्योंकि संस्कार ही कालातीत होकर परंपरा बन जाते हैं। संस्कार को यथावत जीना ही परंपरा है पर कुछ संस्कार परंपरा तो बने हम उनको करते भी हैं पर यह भी नहीं जानते कि ऐसा क्यों कर रहे हैं तो वे रुद्धि बन जाते हैं। रुद्धि अपरिवर्तनशील और अज्ञात परंपरा ही है। पुराने को नये रूप में ढाल लेना संस्कार है, पुराने को उसी रूप में मानना परंपरा है और परंपरा के नाम पर बिना उसको समझे स्वीकार कर लेना रुद्धि है पर तीनों का मूल संस्कार है। एक गतिशील समाज ही संस्कारित समाज है।



एक संत का अवसानः पद्मविभूषण स्वामी सत्यमित्रानंद जी महाराज

- अरुण कुमार दीक्षित, लखनऊ

ज्ञान और आध्यात्मिक चेतना के प्रतीक, गहन तपस्वी, पथ-प्रदर्शक महामंडलेश्वर स्वामी सत्यमित्रानंद जी देह से विदेह हो गए। आत्मकल्याण से लोककल्याण की यात्रा करते हुए स्वामीजी ने 25 जून, 2019 को सुबह हरिद्वार स्थित राघव-कुटीर से देवलोकगमन किया। स्वामी जी के ब्रह्मलोकवासी हो जाने पर उनके उत्तराधिकारी शिष्य आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरी जी ने बताया कि गुरुदेव का मानना था कि भारत में मिट्ठी का एक-एक कण ईश्वरीय सत्ता से उत्पन्न हुआ है। वे भारतमाता को अपना ईष्ट मानते थे। स्वामीजी के देह से विदेह हो जाना मानवता, आध्यात्मिक चेतना, विश्व शांति और बंधुत्व के लिए अपूरणीय क्षति है।

सन्यास धारण करने से पूर्व हमारा उनसे सांसारिक नाता था। भारतीय सांस्कृतिक परम्परा में मामा-बुआ का रिश्ता घनिष्ठ होता है। वे मेरे सगे फुफेरे भाई थे। स्वाभाविक है हमारे भाई-बहनों के वे बाल-संखा थे। वे हमारे अम्बिका भइया थे। हालांकि पिछले छह दशकों से हमारे-उनके बीच गुरु-शिष्य का सम्बंध ही रह गया था। वे व्यष्टि से समष्टि के पथिक थे।

संयोग से स्वामीजी का जन्म आगरा में अपने नाना पं. सूरज प्रसाद दीक्षित के घर माता श्रीमती त्रिवेणी की कोख से 19 सितम्बर, 1932 को हुआ था। इनके पिता यानी हमारे

फूफा जी पं. शिवशंकर पाण्डेय राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन से सम्मानित शिक्षक थे। प्रारम्भिक शिक्षा गांव व आगरा से प्राप्त कर कानपुर में अपने मामा पं. शंकर प्रसाद दीक्षित के घर रह कर स्नातक की पढ़ाई डीएवी कॉलेज से की। मैं उस समय शिशुकाल में था। जैसा पता चला था एक बार 10-11 वर्ष की आयु में अम्बिका भइया नैमित्तारण्य चले गए थे। वहीं से उनकी रुचि आध्यात्म की ओर हो गयी थी। स्नातक करने के बाद मामी ने विवाह की चर्चा की तो उनका कहना था- मामी, मेरा जन्म एक घर बसाने के लिए नहीं हुआ है, सैकड़ों-हजारों घर बसाने हैं। घर-परिवार में सभी अचंभित थे। उनकी बातों को मजाक समझा गया। फिर एक रात सबकुछ त्याग कर अम्बिका भइया महान् लक्ष्य को घर से निकल गए।

सन्यास व नामकरण : आध्यात्मिक एवं वैदिक संस्कृति के गहन अध्ययन हेतु गुरु वेदव्यासानन्द जी के पास ऋषिकेश पहुंच कर सन्यास की दीक्षा ली। गुरु ने अम्बिका का नामकरण सत्यमित्रानंद कर दिया। गुरुदेव के पास उच्चशिक्षा के साथ हिन्दू धर्म के सभी पहलुओं का अध्ययन कर और स्वयं को पहचानने व वास्तविक जीवन के अर्थ को अल्प अवधि में पूर्ण किया। आगरा विश्वविद्यालय से एम ए, साहित्यरत्न व वाराणसी विद्यालय से शास्त्री की डिग्री प्राप्त की। युवा सन्यासी की विद्वता और वाणी का ओज चारों ओर

फैल चुका था। स्मरण है, स्वामी वेदव्यासानन्द जी से आशीर्वाद हेतु सपरिवार आश्रम में था। स्वामीजी ने विनोदपूर्ण लहजे में मेरी माँ से कहा- आपका भाजा मेरे से आगे निकल गया। ‘गुरु गुड़ ही रहा, चेला शक्र हो गया।’

उनके सन्यास ग्रहण के पश्चात हालांकि हमारा उनसे सांसारिक-पारिवारिक सम्बन्ध नहीं रहा, फिर भी एक आध्यात्मिक गुरु के नाते उनका स्नेह-मार्गदर्शन हम सभी को सुलभ रहा। गार्हस्थिक एवं सामाजिक जीवन का निर्वहन करते समय कुछ विसंगतियों का आना स्वाभाविक है, बावजूद इसके स्वामीजी के पथप्रदर्शन ने हमें सन्मार्ग की तरफ सदैव प्रेरित किया।

शंकराचार्य बने और पदमुक्त हुए

सन् 1959, अक्षय-तृतीया वाले दिन, जब स्वामी जी की अवस्था मात्र 27 वर्ष की थी, स्वामी करपात्री जी के निर्देशन में मप्र स्थित भानुपुरा पीठ के शंकराचार्य स्वामी सदानन्द गिरी जी महाराज ने इन्हें जगतगुरु



समाज, मानवता एवम् राष्ट्र के उन्नयन में स्वामी जी के योगदान को देखते हुए वर्ष 2015 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने उन्हें पद्मविभूषण की गरिमामय उपाधि से समादृत किया।



स्वामी जी से आशीष प्राप्त करते
अरुण - कुसुम दीक्षित

कान्यकुञ्ज मंच

शंकराचार्य पद पर प्रतिष्ठित किया। मठ में रहते हुए भारतवासी (गिरिवासी, आदिवासी, गांववासी और बनवासी) आदि की सेवा करते हुए सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार किया। लेकिन स्वामी जी के मन में तो कुछ और ही था। वर्ष 1969 में मठ की मर्यादा का पालन करते हुए गंगाजी में दण्ड का विसर्जन कर शंकराचार्य के पद से मुक्त हो लिए। एक परिव्राजक स्वामी के रूप में देश-विदेश में भारतीय संस्कृति, दर्शन व अध्यात्म के प्रचार-प्रसार में संलग्न हो गए। स्वामी सत्यमित्रानन्द का शंकराचार्य के पद मुक्त होने की घटना सन्त समाज को आश्रय में डालने वाली थी।

इस संदर्भ में स्वामी जी के एक अनुयायी का कहना था- ऐसे समय में जब पदलिप्सा की अंधी दौड़ में धर्मगुरु भी पीछे नहीं है, स्वामीजी द्वारा किया गया पद विसर्जन राजनीति और धर्मनीति की जीवनशैली को नया अंदाज दे गया।

समन्वय सेवा फाउंडेशन

हिन्दू धर्म को एक समन्वयवादी एवं समतामूलक धर्म के रूप में पुनःप्रतिष्ठापित करने के उद्देश्य से 1970-71 में हरिद्वार में ‘समन्वय आश्रम’ की स्थापना की। स्वामी विवेकानंद के ‘एकात्म मानवाद’ के सिद्धांत पर चलते हुए ‘समन्वय सेवा फाउंडेशन’ के 70 से अधिक जिलों में सेवा केंद्र हैं। 65 से अधिक देशों की यात्रा कर भारत की समन्वयवादी विचारधारा का प्रचार-प्रसार करने वाले तपोनिष्ठ स्वामी सत्यमित्रनन्दजी के देश-विदेश में बड़ी संख्या में अनुयायी हैं। समन्वय फाउंडेशन के

आश्रम सिंक भजन-प्रवचन-भोजन-भंडारे तक सीमित नहीं हैं बल्कि जाति, वर्ण, भाषा, वर्ग, प्रान्त एवं धर्मगत संकीर्णताओं से ऊपर उठकर मानव जाति को जीवनमूल्यों के प्रति आकृष्ट करने के विभिन्न उपक्रमों के संचालन का केंद्र हैं।

भारतमाता मन्दिर

देश की धार्मिक नगरी हरिद्वार में गंगाजी का तट, हर की पौड़ी, अनगिनत मंदिरों और आश्रमों के बीच आठ मंजिल भारतमाता का मंदिर अपनी विशिष्टताओं के लिए विश्व प्रसिद्ध है। इस मंदिर की स्थापना तथा निर्माण पूज्य स्वामी सत्यमित्रानन्द जी की राष्ट्र को अनुपम देन है। धर्म और राष्ट्रभक्ति के संगम कहलाने वाले 108 फुट ऊंचे मंदिर के दर्शनार्थ लाखों लोग देश-विदेश से आते हैं। भारतमाता मन्दिर का उद्घाटन 15 मई, 1983 को तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरागांधी ने किया था। गंगाजी के तट पर बने इस मंदिर में रामायणकाल से 20वीं सदी तक का इतिहास समाया हुआ है। मन्दिर के प्रथम तल पर भारतमाता की विशालकाय मूर्ति, दूसरे तल पर भारत के प्रसिद्ध नायकों को समर्पित सूर्य मंदिर, तीसरे तल पर मीरा, सावित्री, मैत्रेयी सदृश भारतीय विदुषियों और वीरांगनाओं की मूर्तियां के साथ मातृ-मन्दिर, चौथे तल पर सन्त-मन्दिर। जैन, सिख, बौद्ध



कान्यकुञ्ज मंच



विभिन्न धर्म-सम्प्रदायों के सन्त-महापुरुष, पांचवें पर एक विशाल सभागार की दीवारों पर अंकित विभिन्न धर्मों व विभिन्न प्रान्तों के भित्तिचित्र, छठी मंजिल पर शक्ति की देवी के विभिन्न रूप, सातवीं पर भगवान विष्णु के अवतार तथा आठवें तल पर शिव -परिवार विराजित है।

2015 की अक्षय तृतीया (21 अप्रैल) को स्वामी जी ने भारतमाता मन्दिर एवं समन्वय सेवा ट्रस्ट का उत्तराधिकारी अपने वरिष्ठ शिष्य और जूनागढ़ अखाड़े के पीठाधीश्वर स्वामी अखिलेशनन्द गिरी जी को बना दिया था।

कुछ संस्मरण और स्वामी जी के सम्बोधन

1. हिन्दू धर्म की परिभाषा : सीधा सादा अर्थ है कि हिंसा से जिसका चित्त दुःखी हो, वह हिन्दू है। (लंदन हिन्दू सम्मेलन, 1989)
2. बिखरी हुई हिन्दू जाति को एक सूत्र में आबद्ध कर हिन्दू धर्म में समन्वय की जरूरत है।
3. समाज में बैठकर ही समाज की बुराइयों को दूर किया जा सकता है। (कुम्भ मेला, उज्जैन)
4. गुना, मप्र में भोपाल जाते हुए घर आकर आशीर्वाद दिया। वार्ता में जीवन में कर्म की व्याख्या करते हुए समझाया- ‘कर्म को शर्म नहीं’।
5. ‘कोई भी राष्ट्र तब प्रगति कर सकता है जब वातावरण शांत हो। देश रहेगा तो हम अपनी संस्कृति का उद्धार कर सकते हैं। यदि राष्ट्र ही नहीं रहेगा तो हम सब संकट में पड़ जायेंगे। (हरिद्वार-अमृतसर सद्वानन्दन, मार्च 1987)
6. मई 1988, रामायण धारावाहिक सीरियल के लिए रामानन्द सागर का सार्वजनिक अभिनन्दन। भारतीय संस्कृति से जुड़े विषयों पर धारावाहिक बनाने का आग्रह किया।
7. मई 1993, प्रखर सांसद अटल बिहारी वाजपेयी को वृद्धाश्रम के उद्घाटन पर स्वागत करते हुए विशाल जनसमूह के बीच देश के भावी प्रधानमंत्री का आशीर्वाद दिया। □

- 9415409797

सभ्यता और संस्कृति

- आचार्य निशांतकेतु, गुरुग्राम

संस्कृति के ऐसे विकृत मोड़ से मानव-सभ्यता क्या अतीत में कभी गुजरी थी? क्या यह हमारा बीता हुआ ही कल है, जो इस वक्त हमारे आज के रास्ते में आकर खड़ा हो गया है? या यह हमारा आज है, जो हमारे अनेकाले कल के पैरों में बेड़ियाँ कसने का दुस्साहस कर रहा है?

हमारा उपस्थित वर्तमान कभी भी संस्कृति के मोड़ से नहीं गुजरता, बल्कि सभ्यता के मोड़ से गुजरता है। सभ्यता भी आधुनिकता और प्रागाधुनिकता से गुजरती हुई अनेक प्रयोग करती है। संस्कृति एक धरोहर होती है। वह खुशबू-भरी सुबह की ताजा हवा होती है, जो हमें हमेशा प्रसन्न और तरेताजा रखती है। इसलिए खतरा संस्कृति से नहीं है। खतरा उस सभ्यता से है, जहाँ से फैशन पैदा होता है, जहाँ से उपयोगितावाद और उपभोक्तावाद की पैदाइश होती है, जहाँ से तात्कालिकता का उत्तम क्षा और इटिजिगल्य की दावाग्रिलपट लेती है, जहाँ से आत्म-सम्मोहन और स्वार्थ-वशीकरण उत्पन्न होता है। और ये सभी वर्तमान से गुजरता हुआ वर्तमान का तर्क-तत्त्व है, नवनीत-दर्शन नहीं। जब-तक दूध कच्चा होता है, वह गंगाजन में मिलकर गंगत्व को धारण कर लेता है और गंदे नाले के पानी में मिलकर स्वयं गंदा हो जाता है, किंतु जब उसी दूध को गर्म करने के पश्चात् उसे दधि-रूप में रूपांतरित किया जाता है। और फिर दधिमंथन किया जाए तो उससे नवनीत-गोलक प्राप्त होता है। यह नवनीत-गोलक किसी भी अच्छी-बुरी तरलता में मिलकर भी दूषित नहीं होता, बल्कि अपनी अप्रदूषित सुरक्षित रखता है। यह संस्कृति है। हाँ, इतना अवश्य कहा जा सकता है कि हमारे वर्तमान को यदि दधिमंथन की कला नहीं मालूम है, समुद्र-मंथन के लिए कोई मंदार-पर्वत नहीं है, मनोमंथन के लिए कोई आदर्श मथानी नहीं है तो फिर थोड़ी चिंता की बात हो सकती है।

देश की आजादी के पश्चात् कोई ऐसा राष्ट्रीय लक्ष्य नहीं था, जो सबों को एकसूत्र में बाँधता। जिस राजनीति को एकसूत्रित होकर देश का सामूहिक और तात्कालिक विकास करना चाहिए था, उस राजनीति में स्वार्थ की घनीभूत भावना बढ़ गई। उसी का परिणाम है, भ्रष्टाचार, जिसके सहचर बनकर कान्यकुञ्ज मंच

अनेक उपद्रवी तत्त्व उत्पन्न हो गए।

जैसे-आतंकवाद, घोटाला, स्वार्थ, भाई-भतीजावाद, ईर्ष्या-द्वेष, क्षेत्रीयता इत्यादि। इसके बाद जातीयता और धार्मिक वैमनस्य ने भी विकृत रूप धारण कर लिया। यहीं से लक्ष्य-भ्रष्टा आरंभ हो जाती है। इसलिए मुट्ठी में बँधी



सांस्कृतिक विरासत की रेत धीरे-धीरे झारती चली गई। परंपरा के सद्गुण और उत्तमता को भी लोगों ने आधुनिकतामूलक आबद्धता में अस्वीकार करना आरंभ कर दिया। परंपरावादी एक गाली और अपमान-भरा शब्द बनकर रह गया। नूतन और पुरातन के बीच में सनातन ही सत्य होता है।

'पुराणमित्यं न साधु सर्वम्।

न चापि काव्यं न वमित्यवद्यम्।

सन्तः परीक्ष्यान्यतरद्भजन्ते।

मूढः परप्रत्ययनेय बुद्धिः।' □

—9811096352

धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष

पत्नी मनोरमां देहि मनोवृत्तानुसारिणीम्।

तारिणीं दुर्गसंसार सागरस्य-कुलोद्भवाम्॥

यहाँ पत्नी के चार विशेषण हैं। ये चारों विशेषण पुरुष के पुरुषार्थ को साधित करनेवाले हैं। पहला विशेषण है 'मनोरमा'। आकर्षण प्रतिच्छाया (कार्बन-कॉपी) में नहीं होता। वह पत्नी नारी-सौंदर्य-सम्मत हो। यह 'काम' है। दूसरा विशेषण है 'मनोवृत्तानुसारिणी'। इसका अर्थ यह नहीं है, कि वह पति की इच्छा का अनुसरण दासी की तरह करती चले। इसका अर्थ है जो अपने मन की पादर्शिता में रहे। जो कृत्रिम न हो। तभी जीवन का अर्थ स्पष्ट होगा। यह 'अर्थ' है। तीसरा विशेषण है 'तारिणीं दुर्गसंसार-सागरस्य', अर्थात् दुर्लभ्य (दुर्ग) संसार-रूपी महासमुद्र से पारंगत करा देनेवाली। यह 'मोक्ष' है। चौथा विशेषण है 'कुलोद्भवाम्'। अर्थात् जो उत्तम कुल में उत्पन्न हो। तभी वह धर्मपरायण हो सकती है। यह 'धर्म' है। □

सरिता द्विवेदी को महिला उद्यमी नवरत्न सम्मान

चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज ने सरिता द्विवेदी को महिला उद्यमी नवरत्न घोषित किया। 15 सितम्बर को नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में दिल्ली प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने उन्हें इस सम्मान से नवाजा। पी रोड, कानपुर निवासित सरिता द्विवेदी ने 17 वर्ष पूर्व अपने गार्हस्थिक उत्तरदायित्वों को निभाते हुए अपने पारिवारिक व्यवसाय में हाथ बंटाना शुरू किया और जल्द ही हैंडीक्राफ्ट तथा आर्टिफिशियल ज्वेलरी के क्षेत्र में न सिर्फ कानपुर में बल्कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और विदेशों में भी अपनी सर्जनात्मक क्षमता तथा परिश्रम से नारी सशक्तिकरण की दिशा में एक नया मुकाम हासिल कर लिया।

जनवरी, 2005 में कान्यकुब्ज मंच द्वारा पहला 'माँ वासन्ती पाण्डेय स्मृति महिला सम्मान' वरिष्ठ आईएएस स्मृतिशेष आर एन त्रिवेदी (मुख्य अतिथि), डॉ सरोजिनी त्रिपाठी एवं संस्थापक सम्पादक कीर्तिशेष बालकृष्ण पाण्डेय के द्वारा प्राप्त कर जो सिलसिला शुरू किया, वो अनवरत जारी है। सिर्फ 2019 की उपलब्धियों को ही लें तो फरवरी में प्रगति मैदान में अंतरराष्ट्रीय



व्यापार मेला में उनके स्टॉल ने दर्शनार्थियों को खासा आकर्षित किया। 'अनमोल गिफ्ट' के हैंडीक्राफ्ट और आर्टिफिशियल ज्वेलरी की डिजाइन दुर्बाई, अर्जेंटीना, कनाडा में भी काफी लोकप्रिय हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अनेकों पुरस्कार सरिता जी अपने नाम कर चुकी हैं।

कानपुर शहर की छोटी-छोटी प्रतियोगिताओं में सहभागिता से अपनी पारी शुरू करने वाली सरिता द्विवेदी को दुर्बाई में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय फैशन प्रतियोगिता में रैंप पर 'रानी लक्ष्मीबाई' का कैटवॉक करने पर, नोएडा के समारोह में 'ग्रैंड सुपर मॉम का ताज', अगस्त में 'नारी शक्ति एचीवर अवार्ड', 10 सितम्बर, गुडविल सोशल ट्रस्ट की तरफ से दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के हाथों सामाजिक कार्यों के लिए नारी-समान, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय द्वारा कानपुर में आयोजित 'उद्यम-समागम' में कानपुर जिलाधिकारी श्री विजय विश्वास पन्त व संयुक्त आयुक्त श्री सर्वेश्वर शुक्ल के हाथों प्रशस्ति पत्र से समादृत किया गया। भारतीय महिला उद्यमी परिषद की सक्रिय सदस्य सरिता द्विवेदी कान्यकुब्ज महिला उद्यमी के रूप में नारी सशक्तिकरण की दिशा में अन्य महिलाओं को भी प्रशिक्षित कर रही हैं। □



जीवन में विषाद, निराशा और अंधकार मृत्यु का स्वरूप है।

आनन्द, उत्साह, ज्योति अमृत का रूप है।

दीपावली आभ्यन्तिक उल्लास की सच्ची अभिव्यक्ति है।

शुभकामनाओं सहित-

डॉ सुरेश चन्द्र पचौरी

अध्यक्ष : ब्रह्म-चेतना, फरीदाबाद

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष : विश्व ब्राह्मण संघ

उपाध्यक्ष : कान्यकुब्ज समाज, फरीदाबाद

सम्पर्क : 9810445762



मेरे पितर - मेरा गाँव

- डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय, कानपुर

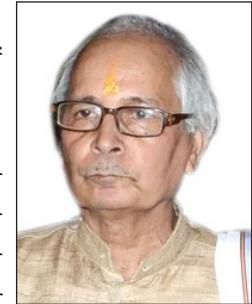
पितर केवल वंशपरंपरा नहीं होती। मेरा गांव भी मेरा पितर है वहाँ की माटी माँ है। दोनों मिलकर हमें रचते हैं सँवारते हैं। वही माटी समाज बनाती है, प्रदेश और देश बनाती है। हम गांव जाते हैं उसमें विकास नहीं खोजते, बचपन खोजते हैं। वह नहीं मिलता तो वित्तिष्ठा होती है फिर न गाँव अच्छा लगता है न देश। करोड़ों लोग प्रतिवर्ष देश के कोने कोने से विदेश से जिस मातृभूमि को खोजनेजाते हैं वह वास्तव में यही पितर गाँव है। पता है माँ नहीं रही, पिता नहीं रहे फिर भी लोग जाते हैं जो नहीं जाते उनके मन में वे गलियां वे वृक्ष वह माटी की महक जिंदा हैं। इसे युटोपिया कह सकते हैं व्यामोह कह सकते हैं पर हैं वे पितर ही। जब उन्हें याद करते हैं तो संसार का सारा ज्ञान बौना हो जाता है। वह गरीबी, अशिक्षा कृपोषण जिसमें पले थेजाने क्यों नया अहसास नया सौंदर्यबोध देता है। मुझे तब गांव की वे माटी की मूरतें याद आती हैं जो पीढ़ियों पहले गुजर गयीं। वे महापुरुष नहीं थे। उनमें छल था पर ध्यार के साथ। वे स्वार्थी थे पर किसी को हानि पहुंचा कर नहीं। वे बढ़े वडे मातरम् नहीं जानते थे पर अपनी जमीन के लिए सिर फोड़ने को तैयार। गांव उनका विश्व था बारात जाना पर्यटन था। भोज भात विलास था। वे किसी का खलिहान जलाते तो साल भर। उसका परिवार चलाते। छोटे छोटे सपनों वाले वे पितर अब भी पीपल, बरगद, महुआ, आम नीम के रूप में जिंदा हैं उनकी मूरतें बनाने वाली माटी बिक गयी हैं। पर मुझे अब भी लगता है कि तमाम विकास के दावों स्वच्छता अभियानों के बावजूद बैलों के बीच रहने वाले, धूल माटी सने गोबर लिपे आँगन वाले वे पितर हमसे कहीं अधिक संतुष्ट और स्वच्छ थे क्योंकि उनकी मैल ऊपर रहती मन के भीतर नहीं। वे बुरे थे ढोंगी नहीं। वे जाति थे पर जाति विरोधी नहीं। वे महापुरुष नहीं थे पर पूरे मनुष्य थे। उस युग का बुरा से बुरा मनुष्य उनसे अच्छा है जो सब कुछ हैं पर मनुष्य नहीं।

शिक्षक और शिष्य

शिक्षक और शिष्य पुष्प और सुवास की भाँति हैं। एक बार निकले तो लौट कर नहीं आ पाते पर जहाँ भी रहते हैं पहचान पुष्प के नाम से ही होती है। मेरे गुरुजन अब भौतिक रूप में नहीं रहे पर जब तक मैं हूँ वे हैं।

मैंने अपने शिक्षकों से संस्कार लिया उनका अहंकार नहीं। जो उनसे मिला उसे शिक्षक के रूप में बाँटा। न शिष्य बना न बनाया। शिष्य बनने बनाने के गुरुडम से बच गया। मुझे विश्वास है कान्यकुञ्ज मंच

कि संस्कार की परंपरा जिंदा होगी। मेरे विद्यार्थी शिक्षा के दलाल नहीं होंगे। यह विश्वास ही गुरुपरंपरा है। सम्मान से बड़ा विश्वास होता है। शिष्य नहीं उसकी सुरभि शिक्षक की उपलब्धि है। एक शिक्षक के नाते इतना अनुभव है कि शिष्य के यश को सुनकर मिलने वाला आहाद उसके द्वारा मिले सम्मान से अधिक होता है। शिक्षक दिवसपर उन्हे शुभकामनाएं और ईश्वर से प्रार्थना कि शिष्य की दक्षिणा प्रदक्षिणा का अवसर न आये।



लोक - शब्द

निर्जीव वस्तुओं का लिंग भेद करने में गाँव की अपनी शैली है। आकार उनमें लिंग भेद करता है। दौरी बनी तो बड़ा रूप दौरा हो गया फिर वही दौरी रंग रूप पा भउंकी बनी तो दउरा भउंका हो गया फिर यह इंसान के रूप में बदल भौकहवा हो गया। सन से बनी रस्सी के आकार और कार्य भेद से डोरी, रस्सी, रस्सा, रसरी, नार इतने प्रयोग किसने किये? वास्तव में परखनली शिशु की भाँति उत्पन्न पारिभाषिक शब्दों को छोड़ दें तो हर शब्द का लोकजीवन होता है। तमाम यब्द अपनी वंश परंपरा से मिले नाम और अर्थ भी बदल लेते हैं। लोक शब्दों का स्थान, पोषक है। लोक भाषाओं में तमाम शब्द नित्य बन रहे हैं। नयी से नयी खोज लोक तक पहुंच नया नाम पा जाती है। विदेशी शब्दों को हिंदी की प्रकृति में ढालने में लोक माहिर है। सूक्ष्म अर्थभेद इतना कि एक शब्द में सभी रस मिल जायें। साहित्य लोक से शब्दग्रहण कर उन्हें शिष्ट बनाता था और अन्य भाषा के उद्दंड शब्दों को लोक के अनुरूप। फारसी और अंग्रेजी के कितने शब्दों को लोक ने हिंदी की प्रकृति में ढाल दिया। शुद्धतावादी टावेल कह हिंगिलशी बने रहें लोक तौलिया ही कहेगा। साहित्य में अश्क ने तौलिए एकांकी लिखा। यह साहित्य और लोक साहचर्य है। लोक को दस्त और दस्ती का अंतर ज्ञात है। लोक से दूरी के कारण आज लोक से आदान-प्रदान समाप्त हो रहा है। तमाम शब्द आवारा धूम रहे हैं उन्हें साहित्य के पगड़े की जरूरत है कैंची और गोंद से बने शब्दों की नहीं पर इसके लिए लोक से जुड़ना होगा लोकशब्दों की व्युत्पत्ति सामर्थ्य पहचाना होगा।

-9452694078

यात्रा है अनन्त फिर भी

- डॉ. वरुण कुमार तिवारी
हम किसी जन्म में
कृष्ण के पास थे
पतंजलि के पास थे
आचार्य शंकर के पास थे
हर जन्म में
हमने की धर्म की साधना
मगर हम धार्मिक
करुणावान न हो सके
‘सर्वे भवन्तु सुखिनः’
हम रोज दुहराते रहे
और अपने क्षुद्र स्वार्थ के खातिर
दूसरों की गर्दन पर
उंगलियों के दबाव बढ़ाते रहे
हम कामी, क्रोधी, हत्यारे हो गए।
अब हम हैं हताश
किधर करें नजरें

क्या मोक्ष-निर्माण
समाधि - शांति जैसी
कोई चीज ही नहीं?
लोग इतने-इतने जन्मों से क्यों नहीं पा
सके धर्म
किस जगह है त्रुटि?
वास्तव में
हमने धर्म नहीं
धर्म की वासना की थी
वासना के कारण ही
निष्फल हो गयी
सारी साधना।
धर्म की साधना है
अनन्त की प्रतीक्षा
कोई नहीं जानता कब खिलेगा
वह आनंद का फूल
निशीथ वेला में

धरती की छाती पर
गिरते हैं ओस कण चुपचाप
उसी तरह घटित होती है
समाधि चुपचाप।
तो हम चलें
अनन्त की यात्रा पर
लेकिन नजर नहीं हो
समाधि पर
यह निर्लज्ज यात्रा है
‘चरैवेति - चरैवेति’
चलते रहें केवल
अक्समात निकलेगा
सूरज समाधि का
अक्समात खिलेगा
कमल निर्वाण का
अक्समात खुलेगा
द्वार मुक्ति का। □
- 8860478066



स्त्री और पुरुष

- राकेश मिश्र, नई दिल्ली

स्त्री...
सदा कामना करती है..
ऐसे पुरुष की..
जो उस पर प्रेमासिक आधिपत्य
स्थापित कर सके...।
अपनी योग्यता से,
अपने आचरण से..
अपने कर्मों से..
वह बीस पड़े स्त्री पर...,
ताकि..
वह गर्व कर सके उसपर।
इसलिए

वह डरती है..
विद्योत्तमा होने से..
डरती है
किसी
मूढ़ के कल्पित आगमन से...
अपने जीवन में।
उसे
डर लगता है
पुरुष के
छद्म अधिनायकवाद से..
जो नहीं पचा पाते हैं
नारी की श्रेष्ठता..।
गिर जाती हैं..
स्नेहिल सम्बन्धों की दीवारें
भरभरा कर,
जब पुरुष का हीनता का भाव
दीमक बन कर

जीर्ण कर डालता है उसे।
यद्यपि वह पूजता है,
दुर्गा, काली
सी स्त्रीवाचक शक्तियों को..
वह गिड़गिड़ता है..
लक्ष्मी की प्रतिमा के सामने
अपने घर में बस जाने के लिए...
किन्तु दुर्भाग्य.. !
नहीं समझता है कि
स्त्री की श्रेष्ठता को स्वीकारना
भी एक पुरुषत्व है...। □



- 8076415804

101वीं जयंती (21 अक्टूबर): पुण्य-स्मृति

‘साहित्य भूषण’, ‘भारत-भारती’ आदि सर्वोच्च सम्मान प्राप्त भगवंतनगर, मल्लावां, हरदोई, मांझगावं मिश्र परिवार के डॉ. लक्ष्मीशंकर मिश्र ‘निशंक’ कान्यकुञ्ज डिग्री कॉलेज, लखनऊ में प्राध्यापक तथा छात्रावास अधीक्षक रहे। हिन्दी सर्वैया साहित्य पर डॉक्टरेट ‘निशंक जी’ की ब्रज, अवधी, कन्नौजी तथा खड़ी बोली में अनगिनत रचनायें हिन्दी साहित्य की धरोहर हैं। ‘सनेही मंडल’ के प्रमुख कवि के रूप में आप प्रतिष्ठित थे। प्रबंधकाव्य, खण्ड काव्य, मुक्तक, आत्मकथा, निबंध आदि पर उनकी दर्जनों पुस्तकें प्रकाशित हैं। इसके अतिरिक्त अपने ग्राम जनपद, परिवार, रीतिरिवाजों आदि पर भी उनकी सशक्त लेखनी अछूती नहीं रही। ‘निशंक जी’ की रचनाओं में उद्भोधन के स्वर है, राष्ट्रीय चेतना है,

- स्मृतिशेष लक्ष्मीशंकर मिश्र ‘निशंक’

इतिहास बोध है और हैं आधुनिक समय के द्वन्द्व। कान्यकुञ्ज मंच के साहित्यकार अंक का प्रकाशनोद्घाटन 2 जनवरी 89 को शिवाला कानपुर में गिरिजाशंकर त्रिवेदी संपादक नवनीत (मुर्खई) की अध्यक्षता में, 1 जुलाई 2001



खुरेंदबाग, लखनऊ स्थित श्री नारायण चतुर्वेदी सभागार में महिला अंक लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता की थी। निशंक जी की स्मृति में उनकी एक कविता। □

हरदोई जनपद वैसे माना जाता ‘पिछड़ा’ था, किन्तु कल्प-चोरी-डाका में उसका नाम बड़ा था। बात-बात में झगड़ा, हत्या, ठसक-फैजदारी थी, और प्रशासन पर थी हावी रही जमीदारी थी। कहते हैं यह ‘हरिद्रोही’ थी हिरण्यकश्यप की नगरी, प्रकटे यहां नृसिंह, यहां प्रहलाद-पताका फहरी। तिरसठ औं छत्तिस अंकों सा यहाँ स्वभाव रहा है, द्वित्य प्रयोग बढ़े तो ‘रे’ का नहीं प्रभाव रहा है। सच माने तो जनपद भर का बड़ा खरा पानी है, जोश परशुरामी है, हर हँकता लत्तरानी है। गन्ना-बहुल क्षेत्र है, फिर भी भाषा मधुर है, अवधी क्रियापदों में कन्नौजी का योग प्रचुर है। फिर भी घनी रहा प्रतिभा का, हुये सरस कपि, मानी, सॉडी-बिलग्राम-मल्लावां, रहा प्रसिद्ध पिहानी। बिलग्राम तहसील, ख्याति है उसकी काव्य-सृजन में, खिले जहाँ ‘रसलीन’ - ‘मुबारक’ हिन्दी के उपवन में। सुकवि प्रसूता रही यहाँ की बड़ी उर्वरा माटी, विकसित होती रही निरन्तर कविता की परिपाठी। मल्लावां के ‘ललित’ त्रिवेदी रचित ‘रामयश-दर्शण’, ललित ‘काव्य नाटक’ है रसिकों का करता मनरंजन। ‘हफीजुल्ला खाँ’ ने सॉडी, को हिन्दी में चमकाया, ‘षड्क्रतु-संग्रह’ और हजारा ने भी मान बढ़ाया।

नरपति सिंह रहे ‘रूइया’ के क्रान्तिकार जनपद के, सन सत्तावन में जूझे थे, चूमें चरण विपद के। चाचा जे.पी. मिश्र ने, अँगरे जों को ललकारा, बयालीस में जेल गये, दे स्वतन्त्रता का नारा। चाची भी थीं साथ, क्षेत्र में जगी क्रान्ति की ज्वाला, जनपद में उस महिला ने था राष्ट्रधर्म-व्रत पाला। पिछड़े जनपद ने की थी जाने कितनी कुर्बानी, हर विपित्त में साथ निभा रखा स्वदेश का पानी। शिक्षा में भगवन्त नगर ने सचमुच नाम कमाया, था जस्टिस गोकरन नाथ ने जीवन में यश पाया। जज, बैरिस्टर, कर्नल, जनरल, रहे योग्य प्राध्यापक, मुखर विधायक, नायक, शिक्षा-संस्था के संस्थापक। जनपद छोटा था, पर उसका अपना एक चलन था, बृद्धों में अनुभव था, बच्चों में भी भोलापन था। हर विद्यालय में इस्काउटिंग की होती थी शिक्षा, साथ-साथ दैनिक-जीवन की दी जाती थी दीक्षा। खेलकूद अनिवार्य विषय था, साथ पठन-पाठन के, स्वर्ण-पृष्ठ खुलते जाते थे, नित्य नये जीवन के। घोर दासता में सीखा था, संयम-नियम-संतुलन, स्नेह-कोष मिलता था, श्रद्धा से कर गुरुपद-वन्दन। जगी आत्म-विश्वास ‘ज्योति, अब तक उसका उजियाला, संशय-तम मिट गया, प्रगति-पथ कौन रोकने वाला।

लोक गीतों में समाहित जीवन

(‘कान्यकुञ्ज मंच’ पत्रिका द्वारा लखनऊ के बी.एम. शाह प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह में प्रतिष्ठ लोकगीतिका मालिनी अवस्थी ने चुनिन्दा लोकगीतों की संगीतमयी प्रस्तुति के साथ ‘लोकगीतों में समाहित जीवन’ भर प्रकाश डाला। पद्मश्री मालिनी की प्रस्तुति के कुछ अंश पाठकों के समक्षः संपादक)

प्रसिद्ध उमरी गायिका पद्मविभूषण स्मृतिशेष गिरिजादेवी का शिष्टत्व प्राप्त लोकप्रतिष्ठ श्रीमती मालिनी अवस्थी ने ‘लोकगीतों में समाहित जीवन’ विषयक चर्चा में कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है। हमारा सादा-सरल जीवन प्रकृति पर अस्त्रित है, इसलिये हमारे यहाँ ऋतुगीतों की भरमार है। बादल, वर्षा मेघ, फाग, सावन, झूला, बारहमासा, चैती, कजरी के माध्यम से प्रकृति, वर्षा व फसल के समय के श्रमगीत हमारी धरोहर हैं। चैत में रामनवमी के कारण अधिकांश चैती भगवान राम को समर्पित है।

हमारा समाज समातामूलक है। सभी को साथ लेकर चलने की व्यवस्था रही है। सभी वर्गों का अपना महत्व है। देवीगीतों से अपने गायन का श्री गणेश करते हुये समता की बात को कुछ इस प्रकार व्यक्त किया -

“मैं कौने बहाने आऊं, मैया तोरे दर्शन को।

हांथन माँ पहिरे लाल-हरी चुड़िया,

मनिहारिन बहाने आऊं मैया तोरे दर्शन को...

हांथन माँ खलिया फूलन की जी

मलिनिया बहाने आऊं मैया तोरे दर्शन को...

पुत्र जन्म के समय का प्रसिद्ध सोहर है -

“मचल रही आज महलन माँ दाई,

अकड़ रही आज महलन माँ दाई।

थालभर मोती कौशल्या ने मंगायें

दाई ने दिये ठुकराय, मचल रही आज महलन माँ दाई,

दाइयों का बड़ा महत्व था। श्रमिक वर्ग को माँगने का,

झगड़ने का अधिकार प्राप्त था। राम जन्म के समय दाई राजा दशरथ से भी अकड़ दिखाने में कोई भय-संकोच नहीं कर रही। सभी रानियाँ रत-आभूषण लिये खड़ी हैं। यहाँ तक कि राजा दशरथ भी हाथ जोड़ मनुहार कर रहे हैं। लेकिन दाई है कि मानने वाली नहीं। आखिर राजा दशरथ हार कर कह देते हैं

जो तुम दाई कछुहो न लैहो, लई जाओ राम उठाई।

मचल रही आज महलन माँ दाई...

दाईयों की माँ तो कुछ और ही है। वो तो प्रभु राम के सिर्फ कान्यकुञ्ज मंच



दर्शन को तड़प रही है-

राम जी के नारा तबै हम छिनबे, दर्शन दे रघुराई।

मचल रही आज महलन माँ दाई।

मुंडन संस्कार में ‘झगड़े नाऊ मुंडन की बेरा’। लोकगीत हरेक के महत्व को दर्शाते हैं। ये गीत हमारी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के मजबूत स्तम्भ हैं। इनको भूलते ही हमें अपनी जड़ों से दूर हो जाने का डर है। सोहर, जन्म, छठी, बरहों, नामकरण, अन्नप्राशन, जनेऊ, विवाह आदि के गीतों में परिवार को एक सूत्र में बाँधे रहने का सदेश है। विवाह और बन्ना के रसमय गीतों द्वारा मालिनी जी ने उपस्थित लोगों को तालियाँ बजाने पर बाध्य कर दिया-

“राम पहिरे फूलन को सेहरा,

राजा जनक ने प्रण ठानी है, राजा दशरथ के चार पुत्र है

तोड़ दियो धनुष मिटाय दियो झगड़ा,

राम पहिरे फूलन...

छेड़छाड़, हंसी मजाक का पुट देखिये -

“कोई हंसना मत जी बारात जाती है, कोई हंसना.....

बन्ने की मामी ढूढ़ रही हैं कहाँ गये हैं मामा जी,

छत के नीचे खड़े-खड़े, वो बाँध रहे पजामा,

कोई हंसना मत जी.....

परिवारिक संबंधों में दामाद व नन्दोई विशेष भूमिका में रहते हैं -

“सरौता कहाँ भूल आये प्यारे नन्दोइया।

नन्द हमारी टिकिया खावे, बताशा नन्दोइया।

मैं अकेली उनको ताकूँ, दोना चाटें सङ्घायाँ।

सरौता कहाँ भूल आये.....

**नन्द हमारी लड्डू खाये, पेड़े नन्दोईया
मैं बेचारी बर्फी खाऊं, थाली चाटे सईयां...**

आत्मीयता, मीठापन, रिश्तों की गर्माहट समेटे लोकगीत उल्लास, उमंग के साथ जीवन में, संबंधों में नह ऊर्जा का संचार करते हैं। नेग-न्यौछावर द्वारा अपना अधिकार, अपना हिस्सा लेने की परिपाटी रही है। हंसी-ठिठोली, रुठना, मान-मनौवल, संगीत कड़वी बात को भी मीठा कर देता है। एक बानगी देखिये।

'चाभी लै गयेरे बलमवा कैसे सफरी '

सामु आवे चरवा धरावें, मांगे अपना नेग....

**छत की ओट से जच्चा बोली पिया गये परदेस,
चाभी लै गयेरे बलमवा...**

जेठनी आवें पिपर पिसावें मांगे अपना नेग....

**छत की ओट से जच्चा बोली पिया गये परदेस,
चाभी लै गयेरे बलमवा... -**

नन्द-भाभी की तकरार देखिये -

'लाल के बधाये मैं जड़ाऊँ बेंदा लेऊँगी....

नन्दी ने खबर पाई, नाचत-कूदत आय गई

लाल की बधाई भौजी, पूरी मेरी आस भई

अब तो बेंदा लेऊँगी, मैं अब तो बेसर लेऊँगी...

भाभी का जवाब देखिये -

आँचल की ओट भाभी लाल को छिपाये लीन्हों

मेरे तो लल्ली भई, बेंदा नहीं देऊँगी, लाल के बधाये.....

इसके साथ ही श्रृंगार, विरह, नारी-वेदना, सामाजिक.... रीतियों-कुरीतियों आदि पहलुओं के लोकगीतों की रसमय धार बहते हुये मालिनी जी ने श्रोताओं की खूब वाहवाही लूटी।

"पायल मोरी बाजे दझ्या रे दझ्या....."

"नाजुक नरम कलाई रे पनिया कैसे जाऊँ...."

अपने ससुर की मैं बहुतै दुलारी,

रेशम रसरी मंगवाई रे.....

सावन गीतों में -

नन्हीं - नन्हीं बुंदियाँ सावन का मेरा झूलना

एक झूला झूला मैंने अम्मा जी की गोद में

हां अम्मा जी की गोद में, हाथ में गुड़िया रे

सावन का मेरा झूलना

एक झूला डाला मैंने बाबुल जी के राज में,

हां बाबुल जी के राज में, हाथ में मेहंदी रे

सावन का मेरा झूलना...



एक और बानगी देखिये

**नन्हीं - नन्हीं बुंदियाँ परे लागीं अंगना,
जरावै जियरा हमार रे....**

पिया संग पिहिहा पुकारे पिहू-पिहू.....

और अंत में राणीय चेतना के साथ -

**'सुंदर-सुदूर भूमि भारत के देशवा रे,
मौरे प्राण बसे हिम खोह रे बटोहिया**

एक द्वार धेरे रामा, हिम कोतवलवा से

तीन द्वारे सिंधु घहरावे रे बटोहिया

पवन सुगंध-मंद अपर गगनवां से

कामिनी बिरह राग गावे रे बटोहिया

जाऊ-जाऊ भैया रे बटोही हिन्द देख आऊँ

जहां ऋषि चारों वेद गावे रे बटोहिया.. □

सच्ची शिक्षा उस मनुष्य ने पाई है जिसके शरीर को ऐसी तालीम दी गई है कि वह उसके बस में रह सकता है, सौंपा हुआ कार्य सहर्ष और सरलता से करता है। सच्ची शिक्षा उस व्यक्ति ने पाई है जिसकी बुद्धि शुद्ध है, शांत है और न्यायदर्शी है। सच्ची शिक्षा उसे मिली है जिसका मन प्राकृतिक नियमों (के ज्ञान) से ओतप्रोत है और जिसकी इंद्रियां उसके वश में हैं, जिसकी अंतर्वृत्ति शुद्ध है।

- सौजन्य से -

पं. ओम शंकर मिश्र
आश्रय मेन्शन, 3021-22,
आवास विकास कॉलोनी-3
पनकी, कानपुर

सन्त गृहस्थ दद्धाजी

- महेश नारायण तिवारी, लखनऊ

आध्यात्मिक जगत के शीर्ष अध्येता स्वामी करपात्री जी के कृपापात्र पं. देवप्रभाकर शास्त्री 'दद्धाजी' की आध्यात्मिक चेतना और ऊर्जा के प्रकाश से मध्यभारत ही नहीं, अन्य प्रदेशों व पश्चिम जर्मनी, कनाडा, मॉरीशस, सिंगापुर जैसे देशों के धर्मानुरागी लाभान्वित ही रहे हैं। मानव का कल्याण ही राष्ट्र का कल्याण है और राष्ट्र कल्याण से ही विश्व शांति सम्भव है के सुदुरेश्य से स्थान-स्थान जाकर मानव धर्म का प्रचार करने वाले दद्धाजी के शिष्य-मण्डल में 7 लाख से अधिक अनुयायी हैं। श्रीमद्भगवत् की कथा हो या रामचरित मानस- मधुर वाणी, रोचक भाषा शैली में आपके प्रवचनों को सुनने की ललक देखी जा सकती है। आज यूट्यूब पर भी दद्धाजी के प्रवचनों की विस्तृत श्रृंखला है। गृहस्थ सन्त के रूप में दद्धाजी में अलौकिक प्रतिभा है। विलक्षण

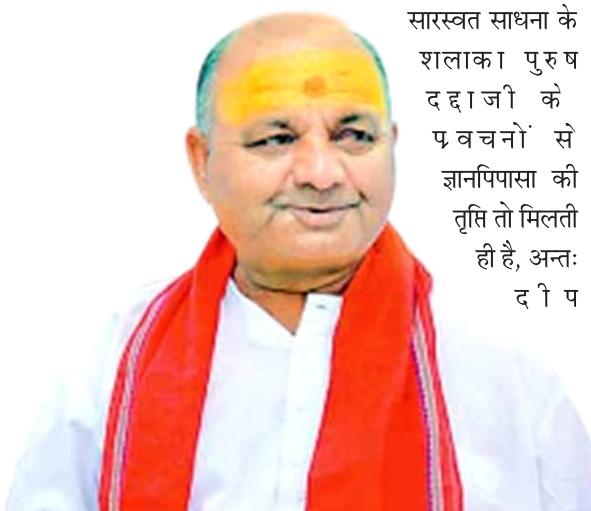
जिजीविषा और सारस्वत साधना के शलाका। पुरुष दद्धाजी के प्रवचनों से ज्ञानपिपासा की तृप्ति तो मिलती ही है, अन्तः दी प

प्रज्ज्वलित हो उठता है।

मध्य प्रदेश, कटनी जिलान्तर्गत ग्राम कूड़ा-मर्दानगढ़ निवासी पं. गिरधारी दत्त त्रिपाठी व बड़ी जिजी श्रीमती ललिता देवी के पुत्र देव प्रभाकर की अध्यात्म के प्रति रुचि, तेजस्विता, विलक्षण बुद्धि का भान शिशु काल से ही परिलक्षित होने लगा था। शिशु

अवस्था में ही पितृ वियोग सहन पड़ा। असाध्य परिस्थितियों में जीवन संघर्ष का सूत्र अपनाते हुए स्वयम खेत-खलिहानों में जाकर दानस्वरूप अनाज संग्रहण कर परिवार पोषण का दायित्व उठाते रहे। आगे पढ़ाई जारी रखने का प्रबंध न होता देख दान से प्राप्त राशि लेकर धार्मिक नगरी बनारस चले आये। 'जहां चाह-वहां राह'। विद्वतजनों का सहयोग मिलता रहा और देवप्रभाकर जी ने न्यायदर्शन का खासा ज्ञान प्राप्त कर लिया। 1964 में दद्धाजी को मुम्बई मानस सम्मेलन में 'मानस-मर्मज्ञ' की उपाधि से विभूषित किया गया। कीर्तिशेष रामकिंकर उपाध्याय के मिर्जापुर संस्कृत विद्यालय में 4 वर्षों तक अध्यापन किया। पश्चात सन्त शिरोमणि करपात्री जी के संकल्प का उत्तरदायित्व निभाते हुए पार्थिव शिवलिंगों निर्माण और रुद्राभिषेक के महती कार्य में स्वयं को समर्पित कर दिया। दद्धाजी के निर्देश पर देश भर में करोड़ों की संख्या में पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण कार्य हो चुका है।

मप्र जिला कटनी के ग्राम कूड़ा मर्दानगढ़ में कृषि भूमि पर स्वयं ही खेती करवाते हैं। सच्चे धरती पुत्र देवप्रभाकर जी के व्यक्तित्व में भगवान कृष्ण के कर्मयोग, भक्तियोग व ज्ञानयोग की त्रिवेणी परिलक्षित होती है। □



With best compliments from

TEDCO Exports Private Limited

A global trade development company engaged in exports and imports of commodities, equipments and technology

M-72, Connaught Circus, New Delhi 110001, Phone 23-416001/ 41517367 (EPABX)
Telefax: 011-23416002, E-mail: tedcogroup_del@airtelbroadband.in

संस्कृति के अजस्र प्रवाह का समय

- नीरजा माधव, वाराणसी

अपने आपको प्रकाश की अनंत धारा से जोड़े रखने के लिए आत्मिक शक्तियों के जागरण के लिए हर सांझ मिट्टी का एक दीप हर मन की आवश्यकता है। यह बताने के लिए भी कि अनंत प्रकाश की प्रतीक्षा में हम भी जाग रहे हैं। यह लौ ही जब पूर्णता को प्राप्त होती है तो परम प्रकाश बन जाती है। तुलसी चौरे के नीचे मिट्टी के दीये में टिमटिमाती लौ किस प्रकार अनंत प्रकाश की धारा बन जाती है। इस अनंत प्रकाश को देखने वाली आँखों को नींद से जगाने के लिए भी आता है यह दीप मास। आश्विन और कार्तिक मास जागरण का विशेष काल है। आश्विन मास के कृष्ण पक्ष पर हम अपने पितरों को कुश, जल और तिल समर्तित कर अपना आह्वान करते हैं, उन्हें प्रसन्न कर सुख, समृद्धि, आरोग्यता और कृपा की कामना करते हैं।

इसी आश्विन मास की शुक्ल प्रतिपदा से त्रिगुणात्मिका प्रकृति रूप मां लक्ष्मी, सरस्वती और काली को प्रसन्न करने का अनुष्ठान प्रारंभ करते हैं। शक्ति जागृत होती है और पूरी धरती शस्य श्यामला हो उठती है। धान की सोंधी बालियों में श्री और रिद्धि-सिद्धि का सौंदर्य कृषि प्रधान देश के हर आंगन, देहरी, द्वार पर बिखर जाता है। चिड़ियों का झुंड चहचहाने लगता है। बच्चों की किलकारियां और मेले ठेले का आनंद सबकी रगों को पुलक से भर देता है। शरद पूर्णिमा पर कोजागरी उत्सव के बहाने स्वयं लक्ष्मी निकल पड़ती है अपने भक्तों के आनंद में शामिल होने। एक मां जो देखने पृथ्वी पर आती है कि कौन जाग रहा है? को जाग री! अर्थात् जो जागेगा, सचेत रहेगा, वही वास्तविक आनंद का उपभोग कर पाएगा। यह जागना केवल आँखों का खुला रखना नहीं है, अपितु अंतर्मन के निकुंज को इस योग्य बनाना है कि सोलह कलाधारी लीला पुरुष श्रीकृष्ण के महारास की निशा का अनहद निनाद सुनाई पड़ सके। उनकी मुरली की टेर में परब्रह्म का वह प्रथम नाद हमारे भी कान सुन सकें। कोजागरी के साथ ही प्रारंभ हो जाता है दीपदान का सिलसिला। श्री, सरस्वती और महाकाली से ऊर्जा प्राप्त करने का क्रम और इस प्रकार पूरा कार्तिक मास दीपोत्सव का मास बन जाता है, अंधकार से प्रकाश की ओर जाने का आह्वान बन जाता है। शायद इसीलिए कार्तिक को बरसों से पुण्यदायी मास कहा जाता है।

राम की विजय के साथ उनके आगमन और राज्याभिषेक पर हजारों दीयों को प्रज्जवलित करने का सिलसिला, गोवर्धन पूजा से लेकर अन्नकूट और अक्षय नवमी को आंवले के वृक्ष के नीचे खीर के साथ अमृतपान करने और देवों की दीपावली कान्यकुञ्ज मंच

से पूर्व ब्रह्मांड के पालनकर्ता श्री विष्णु के योगनिद्रा से उठने की महिमामंडित एकादशी के साथ ही तुलसी विवाह की परंपरा को फिर से जीने का क्रम। शक्ति के जागरण का ही काल नहीं है यह, अपितु शक्ति की अधिष्ठान हरिहर रूपी परब्रह्म के भी योगनिद्रा से जागरण का काल है यह। इस पूरे क्रम में गंगा और



अन्य पवित्र नदियों की धारा हमारी संगिनी बनी रहती है, जीवन-धारा बनी रहती है। नदियों की धारा में हर सांझ एक दीप जलाने का क्रम भंग नहीं होता, तुलसी चौरे पर कच्ची मिट्टी के दीये में शिलमिलाती लौ का प्रवाह नहीं थमता। दीप से आलोकित प्रत्येक सांवली सांझ अपने आगे आने वाली सांझ की हथेली पर एक नन्हा दीप रखती है और आह्वान करती है अधेरे को चुनौती देने, आक्रामक कीट-पतंगों जैसी दुष्प्रवृत्तियों के नाश का और इस प्रकार पूरे वर्ष के लिए सुख-शांति का मधु एकत्र करने का। निश्चय ही इस जुड़ाव में अनेक बाधक शक्तियां भी आती हैं। कार्तिक के अमावस्य की रात में महाकाल का आह्वान इसीलिए किया जाता है कि वे हमारे मार्ग में आने वाली इस राक्षसी प्रवृत्तियों का दमन कर प्रकाश में जुड़ने का मार्ग प्रशस्त करें। कभी रावण राक्षस था, महिषासुर जैसे दैत्यकुल थे जिनका संहार करने के लिए श्री विष्णु को रामावतार, कृष्णावतार या दुर्गारूप धारण करना पड़ा।

महाकाली, चण्डिका, मुंडमाला, आदि शक्तियों के रूप में आद्यशक्ति को इन राक्षसों के वध के लिए स्वयं अस्त्र-शस्त्र उठाने पड़े। आज उनकी शक्लें बस बदल गई हैं। आतंकी वेश में, भ्रष्टाचारी और दुराचारी वेश में, हम उन्हें प्रतिदिन देख रहे हैं। कोई अदृश्य शक्ति मानव वेशधर अपनी भुजाओं में महाकाली का तेज भी उन आतंकी तत्वों का नाश करने में लगी है। रक्तबीज की तरह पनप रहे इन आतंकी राक्षसों का समूल नाश होना समय के गर्भ में है पर हमें सजग हो शक्ति का आह्वान करना है, सीमा पर डेटे अपने राम जैसे सैनिक भाइयों का मनोबल ऊंचा करना है। उनके लिए हमें शक्ति की आराधना करनी है, देवी जागरण करना है और दैत्य विनाशी महाकाली को प्रसन्न करना है। भारतीय संस्कृति का एक अजस्र प्रवाह, उससे फूटतीं अनंत परंपराएं। हम इस दीप शृंखला की एक नन्हीं लौ भी बने सकें तो धन्य हो जीवन। □

-9792411451

खजुहा की लक्ष्मण शक्ति और रावण पूजा

-चक्रधर शुक्ल, कानपुर



खजुहा की रामलीला पर लिखते हुये जीवन शुक्ल की ये पक्किया याद आती है -
जीवन जहाँ जन्मा है
वहाँ रावण भले ही मरता हो पर पूजा जाता है।
ज्ञान का पूजन
वासना का हनन
जहाँ भी होता है

हे राम !

तुम्हारी लीला वहीं सार्थक है।

खजुहा की 400 वर्ष से अधिक प्राचीन रामलीला में लाखों स्त्री पुरुष मुग्ध होकर अद्भूत लुभावनी लीलाओं का दृश्यावलोकन करते हैं। दशहरा वाले दिन रावण का मंत्रोच्चारण, आरती के साथ पूजन किया जाता है। देश के अन्य स्थानों में होने वाली रामलीला से अलग खजुहा की रामलीला का मंचन दशहरा से प्रारंभ होकर करके चतुर्थी तक होता है। इस राम लीला के स्वरूप मूर्तियाँ एक माह पूर्व से बनना प्रारम्भ हो जाता है जिसमें मुख्य रावण का शरीर 70 फुट ऊँचा, करीब बीस फुट मोटा तथा चौड़ा होता है। इसी आकार प्रकार के मेघनाथ तथा कुम्भकरण आदि भी हैं। इनमें प्रत्येक मूर्ति को लगभग 200 व्यक्ति ढकेलते हैं। इस प्रकार चलते फिरते दैत्याकार त्रिशिरा खरदूषण, मन्दोदरी तथा रामदल के हनुमान सुग्रीव, अंगद, केशरी, नल, जामवन्त, विभीषण सभी पहियेदार पुतले होते हैं। प्रथम तीन के अलावा बाकी उक्त मूर्तियाँ 15 फुट ऊँची बनती हैं तथा इन्हें भी काफी आदमी मिलकर चलाते हैं। यह रामायणमय नगरी के पृथक दो स्थानों में अनुष्ठित होता है जो चित्रकूट पंचवटी, सुग्रीव टीला, लंका, सरयू गोदावरी, अशोक वाटिका, सेतुबन्धु गमेश्वर और हनुमान गढ़ी इत्यादि नामों से हमेशा पुकारा जाता है। उक्त रावण का सिर लगभग 14 मन का होता है। जिसे अनवरत रात्रिकाल लगभग 8 घण्टे में बड़ी मनौतियाँ मान मान्यताओं एवं पूजन आरती के बाद ही लगभग 200 आदमियों से भारी रस्सों द्वारा चढ़ाया जाता है अन्यथा गिरकर चूर हो जाने का खतरा रहता है। सूचना प्रसारण मन्त्रालय द्वारा यहाँ की

लीलाओं को फिल्माया जा चुका है।

लक्ष्मण शक्ति इस मेले का एक विचित्र सत्य आकर्षक दृश्य है। जब मेघनाथ द्वारा लक्ष्मण शक्ति लगती है तब मेघनाथ के ऊपर बैठे एक व्यक्ति जो पुस्तैनी व्यक्ति द्वारा प्रभावित तीर से लक्ष्मण को मूर्छित कर देते हैं। लक्ष्मण सिर्फ जेनेऊ धारण किये व्यक्ति ही बनता है और मेघनाथ एवं लक्ष्मण दोनों व्यक्ति दिन भर ब्रत रहते हैं। बड़ी शुद्धता का ख्याल रखा जाता है क्योंकि इससे लक्ष्मण की जिन्दगी खतरे में रहती है। वास्तव में लक्ष्मण शक्ति लीला यहाँ की वास्तविक गरिमापूर्ण लीला है। लक्ष्मण प्रसन्न मुद्रा में मन्त्र द्वारा प्रभावित तीर से मूर्छित होकर एकाएक मलिन होकर ऊपर से गिर जाते हैं उस समय तुरन्त हनुमान उन्हें अपने हाथों पर ले लेते हैं और राम चन्द्र जी के पास छोड़ कर तुरन्त संजीवनी बूटी खोजने चले जाते हैं। गांव की झाड़ियों के बीच एक विशेष पौधे की पत्तियों का रस लक्ष्मण पात्र के मुँह में डालने के बाद ही मूर्छावस्था से मुक्ति मिलती है। भूतपूर्व ग्राम प्रधान एवं राम लीला कमेटी के अध्यक्ष श्री राम औतार तोमर ने बताया कि एक बार संजीवनी लाने में अनियमितता हो जाने के कारण लक्ष्मण जी को होश में लाने में तीन घण्टे लग गये और कमेटी के सभी लोग लक्ष्मण के होश में न आ पाने के कारण काफी परेशान हो गये।

उन्होंने बताया कि इस कार्य में किसी भी व्यक्ति को चप्पल पहनकर अशुद्धतापूर्वक किसी को स्पर्श नहीं करना चाहिए। यह सारी लीला एक बहुत बड़े प्राकृतिक स्टेडियम पद्धति पर निर्मित है। लाखों लोग एक साथ मेले का आनंद लेते हैं क्योंकि मिट्टी ढलाने के तरीके से बैठने की जगह बनी है एवं 40 फुट ऊँचे टीले पर उक्त रावण दल बड़े प्रयास के साथ चढ़ाया जाता है। अतः पूरी राम लीला का दर्शन प्रत्येक व्यक्ति बड़े आसानी से कर सकता है।

-9455511337



बंगाल का उत्सव सिन्दूर खेला

- दीपाली दीक्षित, लखनऊ

संचार क्रांति और औद्योगिक विकास के साथ छठ पर्व, गणगौर, गरबा आदि आंचलिक पर्व-उत्सवों की तरह बंगाल का 'सिन्दूर-खेला' भी देश के अन्य भागों में भी पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाने लगा है। शारदीय नवरात्रि के बाद विजयादशमी को माँ दुर्गा की विदाई के समय महिलाएं आस्था-विश्वास के साथ माँ दुर्गा की प्रतिमा को पान के पत्तों में सिन्दूर अर्पण करती हैं और फिर प्रसाद व आशीर्वाद के रूप में उसी सिन्दूर को अपनी मांग में भरकर अन्य स्त्रियों के मस्तक-चेहरों पर लगाती है। नज़ारा पूरी तरह होली के हुड़दांग-तमाशे जैसा बन जाता है। धार्मिक आस्था है कि नवरात्रि के पहले दिन माँ दुर्गा अपने मायके आती हैं और नौ दिन मायके रहने के बाद अपनी ससुराल वापिस जाती हैं। उस विदाई के क्षणों में 'सिन्दूर-खेला' का आयोजन पूरे जोश, उत्साह व उमंग के साथ होता है। मान्यता है कि सिन्दूर माँ दुर्गा का आशीर्वाद है। विदा के समय माँ दुर्गा विवाहित महिलाओं को अपना दायित्व सौंप कर जाती हैं कि जिस प्रकार मैं सभी प्राणियों की रक्षा करती हूं उसी प्रकार तुम अपने परिवार व कुल की रक्षा करना व उसका कल्याण करना। सिन्दूर खेला में सिर्फ विवाहित महिलाएं ही होती हैं। हालांकि अब इसमें अविवाहित युवतियां भी हिस्सा लेने लगी हैं। लेकिन विधवाओं आदि का इस आयोजन में पर्हेज है।

सिन्दूर सौभाग्य व सुहाग का प्रतीक माना गया है। हिन्दू धर्म में विवाहित स्त्रियां देवी-पूजन के समय गौरी के मस्तक पर सिन्दूर अर्पण कर फिर प्रसाद व आशीर्वाद स्वरूप उसी सिन्दूर से मांग भरकर अपने अचल सौभाग्य की कामना करती हैं। धर्मग्रंथों में स्त्रियों के जिन सोलह श्रृंगारों का वर्णन है, सिन्दूर उनमें से प्रमुख है। मांग में सिन्दूर सुहागिन व विवाहिता होने की पहचान के रूप में देखा जाता है।

महाभारत की कथा है- पांडव जब द्रौपदी को जुए में हार गए तो द्रौपदी कुपित होकर कहती है- 'जी चाहता है कि अब यह सिन्दूर पोछ दूँ। मेरे ये पांचों पति यदि मेरी लाज नहीं बचा सकते तो इनके लिए सिन्दूर धारण करने का क्या महत्व है। 'ललितसहस्रनाम' और 'सौंदर्य-लहरी' में भी सुहाग के लिए सिन्दूर धारण करने का उल्लेख है। महाबीर हनुमान के भी सिन्दूर लगाने की प्रथा को कुछ लोग माँ सीता के सिन्दूर ग्रहण से लेकर जोड़ते हैं। सिन्दूर के निर्माण में प्रयुक्त पारा को इसके औषधीय गुणों के रूप में देखा जाता है। जो स्त्रियों की मानसिक चिन्ता और तनाव का शमन करता है और उनमें यौनिक उद्वीपन बढ़ाता है। इसलिए इसके प्रयोग को विवाहित स्त्रियों के लिए सीमित किया गया है। हालांकि सिन्दूर का निर्माण रक्त चंदन, केशर, हल्दी, चूना, केले के तने के रस आदि पदार्थों से भी होता है।

स्त्रियों द्वारा सिन्दूर का प्रयोग रामायणकाल से मिलता है। बलूचिस्तान के मेहराङढ़ में हुई पुरातात्त्विक खुदाई में ऐसी देवी की प्रतिमाएं मिली हैं, जिसमें सिन्दूर का प्रयोग किया गया है।

बंगाल का 'सिन्दूर खेला' उत्सव साल दर साल अधिक जोश के साथ बढ़ता जा रहा है। अब तो दुर्गा प्रतिमा विसर्जन हो या गणेश विसर्जन, पुरुषों में भी होली की तरह सिन्दूर खेलने का शौक बढ़ता जा रहा है। माँ दुर्गा स्त्री की स्वतंत्र व स्वायत्त सत्ता का प्रतीक हैं। वे विवाहिता या कुमारी जैसी अवस्थाओं से परे हैं। उनका कोई पति या स्वामी नहीं है। लेकिन उनका श्रृंगार सिन्दूर से होता है। विवाहित स्त्री को भी शक्ति स्वरूप माना गया है। □



SHANKAR LAL RISHI KUMAR

85, Moti Bazar, Chandni Chowk, Delhi-6

Phone : 011-23287415



R.D. Tiwari
Mob. : 9871413500

Shawl Merchants

RAJ EMPORIUM

81/7, Moti Bazar, Chandni Chowk, Delhi-6
All kinds of Shawl, Kashmiri Dushala & Dhussas
are available here at reasonable price

- अश्विनी अवस्थी, कोलकाता

युद्धभूमि में भगवान् श्रीराम विभीषण के संशय का समाधान करते हुए कहते हैं - मित्र विभीषण ! रावण जिस रथ पर बैठकर, अस्त्र-शस्त्र से सुसज्जित होकर आया है, ऐसे रथ से विजय-श्री प्राप्त नहीं होती है। वस्तुतः विजय प्राप्त करने के लिए तो धर्मरथ पर आस्तूर होना पड़ता है। जिसमें शौर्य-धैर्य के दो पहिये, सत्य-शील की पताका, बल-विवेक-दम-परहित के अश्व उस रथ को खींचते हैं। क्षमा-कृपा-समता की लगाम से अश्वों को निर्यति किया जाता है। ऐसे रथ पर आसीन होकर जो व्यक्ति जीवन संग्राम में उत्तरता है, उसके लिए संसार में कुछ भी अजेय नहीं रह जाता।

धर्म-रथ के समस्त लक्षण हनुमान जी के चरित्र में विद्यमान हैं। शौर्य-धैर्य, सत्य-शील, बल-विवेक, इन्द्रिय दमन, परोपकार, क्षमा, कृपा-समता, ईश-भजन, वैराग्य-विज्ञान सभी सद्गुण हनुमान जी में विद्यमान हैं। हनुमानजी मूर्तिमान-साक्षात् धर्मरथ हैं। भगवान् श्रीराम इसी धर्मरथ का आश्रय लेकर लंका का अधिकांश युद्ध लड़ते हैं। महर्षि बालमीकि भी इस सत्य को व्यक्त करते हैं-

**यास्यामि बलमध्येहाहं बलौथमभिर्घर्षयन
अधिरूप्य हनुमन्त मै रावतमिवेश्वरः।**

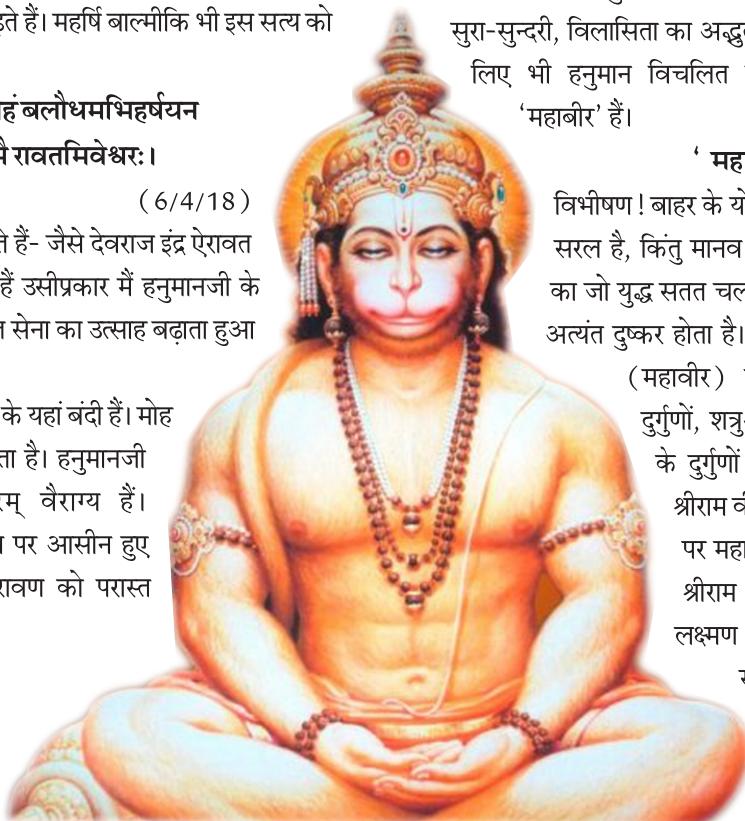
(6/4/18)

श्रीराम कहते हैं- जैसे देवराज इंद्र ऐरावत हाथी पर आस्तूर होते हैं उसीप्रकार मैं हनुमानजी के कंधे पर चढ़कर समस्त सेना का उत्साह बढ़ाता हुआ अग्रसर रहूँगा।

सीता 'मोह' के यहां बंदी हैं। मोह का नाश वैराग्य से होता है। हनुमानजी वैराग्य ही नहीं परम् वैराग्य हैं। वैराग्यरूपी इस धर्मरथ पर आसीन हुए बिना मोह-लोभ के रावण को परास्त नहीं किया जा सकता।

रथी

और सारथी सदुण्ड सम्पन्न हों, उसमें धर्मरथ के लक्षण भी



महाबीर बिनवड़ हनुमाना

विद्यमान हों, पर रथ का कलेवर (ढांचा) सुदृढ़ न हो तो ऐसा रथ गतिशील नहीं हो सकता। महाराज दशरथ के पास भी धर्मरथ था, परन्तु एक 'कील' की कमी ने अवध की काया पलट कर रख दी। हनुमानजी के रूप में यह धर्मरथ अत्यंत सुदृढ़ है क्योंकि हनुमानजी शारीरिक रूप से भी सुदृढ़ हैं, तभी उन्हें 'महाबीर' कहा जाता है। शारीरिक वीरता में यदि वे 'अतुलित बलधाम' हैं तो आंतरिक वीरता में 'अतुलित संयमधाम' हैं। मानस की दृष्टि में वीरता की परिभाषा करते हुए श्रीराम भाई लक्ष्मण से कहते हैं- तात तीनि अति प्रबल खल, काम, क्रोध अरु लोभ। मुनि बिग्यान धाम मन, करहिं निमिष मंह छोभ। लोभ के इच्छा दम्भ बल, काम के इच्छा नारि। क्रोध के परुष बचन बल, मुनिवर कहहिं बिचारि।

रावण काम से परास्त है, जबकि हनुमान कामजित है। ब्रह्मचारी हनुमान के जीवन में कभी काम की वृत्ति का उदय हुआ ही नहीं। उनके काम विजय की कसौटी थी- रात्रि में लंकादर्शन। 'नर नाग सुर गंदर्ब कन्या रूप मुनि मन मोहिं'। सुरा-सुन्दरी, विलासिता का अद्भुत संयोजन। एक क्षण के लिए भी हनुमान विचलित नहीं हुए। इसीलिए वे 'महाबीर' हैं।

'महा अजय संसार रिप' -

विभीषण ! बाहर के योद्धा को संसार में जीतना सरल है, किंतु मानव के अंतःकरण में दुर्गुणों का जो युद्ध सतत चलता रहता है, उसे जीतना अत्यंत दुष्कर होता है। मेरी दृष्टि में सच्चा वीर (महाबीर) वह है जो सांसारिक दुर्गुणों, शत्रुओं के साथ साथ भीतर के दुर्गुणों को भी परास्त कर दे।

श्रीराम वीर हैं, लक्ष्मण भी वीर हैं। पर महाबीर कहने पर हमें न तो श्रीराम की याद आती है, न लक्ष्मण की। याद आते हैं तो स्वतः हनुमानजी।

महाबीर बिनवड़ हनुमाना। □
-9433028950

पतंगबाजी का पर्व लखनऊ का 'जमघट'

-अर्चित पाण्डेय, गुरुग्राम

दीपावली के दूसरे दिन यानि परेवा को लखनऊ शहर में मनाया जाने वाला 'जमघट' त्योहार सामाजिक एवं साम्प्रदायिक सौहार्द के लिए अद्वितीय और बेमिसाल है। जमघट अपने आप में एक ऐसा इकलौता आयोजन है, जिसकी जड़ें दूर दूर तक किसी धर्म-सम्प्रदाय से जुड़ी नहीं हैं। इसे हर उम्र, जाति, धर्म, समुदाय के लोग अपने घरों की छतों और खुले मैदानों में पतंग उड़ाते हुए मनाते हैं। सुबह सूर्योदय से पहले ही रंग-बिरंगी, डिज़ाइनर पतंगों से लखनऊ का आसमान आच्छादित हो जाता है। यह सिलसिला शाम अंधेरा होने तक चलता रहता है। नए विकसित मोहल्लों को छोड़ भी दें, तो पुराने लखनऊ विशेषकर ठाकुरगंज, बालागंज, नेपियर रोड, हुसैनगंज, अमीनाबाद में पतंगबाजी का यह शैक्षणिक खासा लोकप्रिय है। जुनून ऐसा कि उत्साही लोग चाय-जलपान, भोजन भी छतों पर ही करते हैं।

लखनऊ के जमघट की परंपरा लगभग 300 वर्षों पुरानी है। दीपावली के अगले दिन परेवा (गोवर्धन पूजा) स्कूल, कार्यालय, बाजार में छुट्टी रहती है। दिवाली का त्योहार मनाने के बाद लोग छतों, मैदानों में निकल जाते पतंग उड़ाने। इस परंपरा को गति दी मुगल शासकों ने। सन 1722 में नवाबी वंश की स्थापना के साथ ही मनोरंजन के इस साधन को राजकीय प्रोत्साहन मिलना शुरू हो गया। 1775 में अवध प्रान्त के चौथे शासक नवाब असिफुद्दौला ने अवध की राजधानी फैजाबाद से स्थान्तरित कर लखनऊ को बनाया, पतंगबाजी की जमघट

परम्परा परवान चढ़ गई। नवाब असिफुद्दौला को पतंगबाजी का विशेष शैक्षणिक था। कहते हैं उनके पतंग की पुच्छल में उस सस्ते जमाने में पांच रुपये की पुच्छल होती थी। पतंग कटने के बाद जो उसे लूटकर लाता था, नवाब के कारिदे पांच रुपये देकर उससे पुच्छल वापिस ले लेते थे। ऐसा भी

कहा जाता है कि उस जमाने में पतंग के साथ मोती-जवाहरात भी जड़े जाते थे। पुच्छल में सोने के झुमके लटकाने की भी परम्परा रही है। जिसको वह झुमका मिलता था, आस-पड़ोस, मुहल्ले में उसे दावत देनी पड़ती थी।

यूं तो पतंगबाजी का त्योहार देश के विभिन्न हिस्सों में मकर-संक्रांति, रक्षाबंधन, तीज, 15 अगस्त या अन्य अवसरों पर मनाने की परंपरा है। लेकिन लखनऊ के जमघट की बात ही निराली है। यहां शर्तों और बढ़ी के साथ पेंच लगाने की परंपरा है। पतंगबाजी की सांस्कृतिक विशेषता यह है कि इसे एक वर्गविहीन खेल कहा जाय, तो अतिशयेक्षित नहीं होगी। क्योंकि इसमें एक पेंच लड़ाने वाले ने दूसरे पेंच लड़ाने वाले को देखा भी हो, जरूरी नहीं। वह छोटा-बड़ा, अमीर-गरीब, शिक्षित-अशिक्षित, लड़का-लड़की कोई भी हो सकता है। और खेल का आनन्द ले सकता है। न हारने वाले को गम और न जितने वाले को झूठा गर्व। □



Mob. : 9911690006 (Vikas)
: 9968662818 (Office)
9911690008 (Vishal)

R.K. & Sons
Suman Textiles

1010, Prem Gali, Subhash Road, Gandhi Nagar, Delhi-31
Phone: 011-22078603



Rakesh Mishra
9810262818

- डॉ. सुरेशचन्द्र पचौरी

रामकथा वाचक प्रेमभूषण जी महाराज का कहना है कि बचपन और बुद्धापा अपने हाथ में नहीं होते। बचपन में होश नहीं होता और वृद्धावस्था में कुछ करने का जोश नहीं होता। बचपन को होश में लाया जाय, उसे सही-गलत का भेद बताया जाय। बचपन को जितना होश में लाओगे, युवावस्था को उतना ही सुन्दर बना पाओगे। बचपन गया तो जवानी भी जाएगी और बुद्धापा बिगड़ जाएगा। हम जैसे चाहें वैसे रहें और बच्चा सुसंस्कारित, सभ्य हो यह असम्भव है। बच्चे नहीं बिगड़ रहे हैं, हम-आप बिगड़ रहे हैं। मां-बाप बिगड़ते हैं तो बच्चे बिगड़ते ही हैं। हम अपनी मस्ती को संभालें। संस्कार कार्यशाला की जीवंत स्थली परिवार है।

संस्कारों की शिक्षा डांट से नहीं, प्यार से आती है। बचपन को थोड़ा लाड़, थोड़ा दुलार, थोड़ा डपट से सुधार जा सकता है। डांट से आप नहीं सुधर सकते तो बच्चे कैसे सुधरेंगे। संस्कारों की शिक्षा डांट से नहीं प्यार से आती है। बच्चों को संस्कारित करने से पहले माता-पिता को संस्कारित होना चाहिए। बच्चों के भविष्य के साथ आपका भविष्य भी जुड़ा है। आपका भविष्य आपका बुद्धापा है। बच्चे संवर गए तो समझिए आपका बुद्धापा भी संवर गया।

बुद्धापे की दो अवस्थाएं हैं- जरागमन और जराजीर्ण। जब ह्वास की गति धीमी और ऋगमत हो तथा ऐसे ह्वास की क्षतिपूर्ति की जा सके, उसे 'जरागमन' अथवा 'वार्धक्य' की अवस्था कहते हैं। यह अवस्था प्रायः 50 से 65 के बीच की होती है। इसके बाद 'जराजीर्ण' की अवस्था आती है, जिसमें व्यक्ति भुलकड़, लापरवाह, सामाजिक सरोकारों से विमुख एवं एकाग्रता की कमी से ग्रसित हो जाता है। राजस्थानी भाषा में एक सूक्ति है, जिसमें जीवन को सौ वर्षों के आधार पर बांटकर प्रत्येक भाग की विशेषता बताई गई है-

'दसे डाबड़े, बीसे बावलो, तीसे तीखो।

चालीसे फीको, पचासो पाको।

साठे थाको, सत्तर रलियो, अस्सी गलियो।

नब्बे नागो, सौवे भागो।।

एक उम्र के बाद शारीरिक शक्ति क्षीण होने लगती है। पाचन, निष्कमण एवं रक्त-संचार की प्रणालियां अनियमित होने लगती हैं। मानसिक असंतुलन भी एक आम व्याधि है। निर्णय-

बुद्धापा न बिगड़े

शक्ति और इच्छाओं पर नियंत्रण की क्षमता शिथिल हो जाती है। दूसरों पर आश्रित हो जाना (विशेषकर बीमारी के दौरान) वृद्धों को और भी ज्यादा समस्याग्रस्त बना देता है। अकेलापान बोझ लगने लगता है। संयुक्त परिवारों के बिखरने की



वजह से वृद्धों को अपनी देखभाल स्वयं ही करनी पड़ती है। शहरों में सीमित आवासीय व्यवस्था होने के कारण उत्पन्न कष्टों से रुबरू होना कोई नई बात नहीं। आत्मविश्वास की कमी, परिवारिक असहयोग, असुरक्षा आदि के कारण होने वाली घबराहट से कई गम्भीर समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं। अनिश्चितता व हताशा में वृद्धों की जर्जर एवं दयनीय स्थिति को रेखांकित करती एक कवि की पंक्तियां हैं-

'नाशाद रहे नाकाम रहे, तकदीर ही अपनी फूट गई।
जिस शाखा पे हमने हाथ धरा, वह शाख वहीं से टूट गई।
कैसे हसूं हंसाने वाले, अपने अब अपने न रहे।
सुख देने वाले वे मेरे, सोने के सपने न रहे।
रहे न वो अरमान हिये के, हुलसित आज हुलास नहीं।
अश्रु-विभव को छोड़ हाय, कुछ भी तो मेरे पास नहीं।'

इस मुगालते में मत रहिए कि हमने अपने बुद्धापे का बंदोबस्त पहले ही कर रखा है। कोई भविष्य निधि, कोई जमा-पूँजी, कोई चल-अचल संपत्ति बुद्धापे का सहारा नहीं हो सकती। आपके बुद्धापे का सहारा जवानी में आपके आचरणों और आपकी सन्तानों पर निर्भर है। अधिकांशतः लोग अपने बच्चों का कैरियर बनाने के चक्र में उन्हें बाजार की एक कीमती मशीन या औजार बनाने में ही सारी शक्ति-ऊर्जा खपा देते हैं। उनके चरित्र-निर्माण, संस्कारित जीवन, शुद्ध आचरणों से लगभग बेपरवाह हो जाते हैं। बहुधा ऐसे लोगों को बुद्धापे में अंदर ही अंदर घुटते-रोते देखा जा सकता है। यदि आप चाहते हैं कि आपका बुद्धापा न बिगड़े तो अभी से बच्चों को सिर्फ पैसा कमाने वाली शिक्षा के साथ एक भले नागरिक, कुल-परिवार की मर्यादाओं का पालन करने वाली शिक्षा भी दें। निश्चित मानिए आपका बुद्धापा बिगड़ेगा नहीं। प्रारब्धवश कोई कष्ट बड़ा भी है तो आसानी से कट जाएगा। □

- 9810445762

- बालकृष्ण पाण्डेय (कीर्तिशेष)

दोहरा गठा सांवला शरीर, चेहरे पर तेज, कर्मठता की प्रतिमूर्ति कृपा भाई वसन्ती पूर्व की शान थे। चौपाल और चबूतरे पर उनके कहकहे, उनकी सूक्षियां, उनकी गम्भीर अनुभव से सनी बोली, रईसी की बूँ, स्वाभिमान की ठसक अब कहाँ नसीब है ?

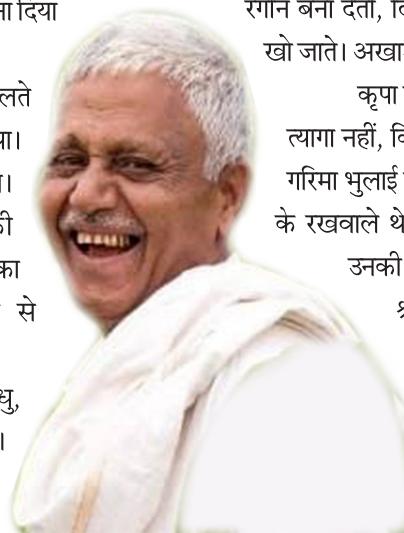
वे बहुश्रुत थे, मानस के मर्मज्ञ थे, हर मौसम के लिए, हर समस्या के लिए मानस की चौपाइयां उन्हें सहारा देतीं। वे उसे गुनगुनाये बिना न रहते। अकेले मानस ने उन्हें सभा - चातुर्य, भाषा - मर्मज्ञ, पण्डित और कुशल नेता बना दिया

था।

उन्हें चराना आसान नहीं था। चलते पुर्जों की बधिया उघाड़ने का उन्हें कमाल था। नहले पे दहला जमाना खूब जानते थे। प्राइमरी पढ़े कृपा की बुद्धि, उनकी प्रतिउत्पन्नमतित्व का, उनकी चातुरी का लोहा सभी मानते थे। उनकी दिल्ली से मङ्गियारी वाले मात खा जाते थे।

वे सफल गृहस्थ, सहदय बंधु, विश्वसनीय नेता और सही मार्गदर्शक थे। बाबा जयकरन के झंडे को, उनकी नामवरी को कायम रखने में उन्होंने कुछ उठा न रखा। भाई विलाल और कृपा की जोड़ी पर पुरवा निहाल था, निश्चिंत था और सुर्खरू था। विलाल भाई अपने पर अकृपा करते हुए असमय ही चले गए। घर के सरदार, सक्षम भाई के अभाव ने कृपा को अधमरा कर दिया। पर जीवन संग्राम का थका यह मुसाफिर धूल झाड़कर उठा, पूरे जोश से उभरा और मरते दम तक अपने को उजागर रखा।

कसी लुंगी, दोहरी बण्डी, कंधे पर चार खाने का अंगोछा, लाठी दाबे कृपा भाई के व्यक्तित्व में स्वाभाविक ओज, गर्व की लालिमा, रईसी, दबंग समाया था। उस मनस्वी ने अभावों और कष्टों के बीच भी मुस्कराते हुए, शान के साथ, जीने का व्रत निभाया था। वे उस सांचे में ढले थे जिसे तोड़ना सहज नहीं। उनमें आस्था का वह रंग जमा था जिसे मिटाना आसान नहीं।



नीम की छाँह तले, चबूतरे की मचिया पर अंगोछे का सहारा लेकर बैठने वाले कृपा भाई अपने को किसी राजा से कम हैसियत का नहीं मानते थे। क्या नहीं था ? ऊंचा चबूतरा, खम्भेदार बैठक, चरनी पर मस्ताने बैल, पहाड़ सरीखी भैसें, दुधारू गाय, रंभाते लेरुआ, काम करते मजदूर, आंखों के आगे हरा-भरा सिमार, घर में कुशल वफादार गृहिणी, यारे लुभावने गोल मटोल किलकारते बच्चे, साधु स्वभाव के रामजी पिता, काम में लगी मां, परिवार में वरदहस्त रखने वाले सन्त चाचा और क्या चाहिए ? मान-प्यार में कोई कमी थी नहीं। होली उन्हें रंगीन बना देती, दिल खोलकर फगुआ गाते और रंग-अबीर में खो जाते। अखाड़े की माटी पोतने का भी शौक था उन्हें।

कृपा बात को तोलकर कहते। नीति छोड़ी नहीं, धर्म त्यागा नहीं, किसी का बुरा चेता नहीं, बड़प्पन गवांया नहीं, गरिमा भुलाई नहीं। वे अपने लक्ष्य के प्रति सजग थे, मर्यादा के रखवाले थे, बात के पक्के थे और थे काम में चौकस।

उनकी निगाह में सफलता का एकमात्र मार्ग कठोर श्रम और थी धर्म में ढूँढ़ आस्था।

बिना शरबत पिये उनके द्वारा से निकल जाना आसान नहीं था। वह सांझ अभागी मानी जाती थी जिसमें कोई मैहमान न रुका हो। सुरती-सुपारी के व्यवहार में कोई विराम नहीं पड़ा।

विवेक चूडामणि, उत्तरकांड का ज्ञानमार्ग वहाँ जम चुका था। तपस्वी महाराज की भक्ति भी घुटने टेक चुकी थी। गर्मी की दुपहरिया, जाड़े की लंबी रातें, स्वार्थ और परमार्थ, पाप और पुण्य, जीव और आत्मा, संसार और मोक्ष की चर्चाओं में बीत जाती। चौपाल में रामायण, महाभारत और आल्हा अपनी बारी से रंग जमाये रहते। कृपा भाई का तन्मयता से रामायण पाठ श्रोताओं को आत्मविस्मृत कर देता। उनकी मेधाशक्ति विलक्षण थी। उनकी बोली में गम्भीरता साथ ही विनोदप्रियता और हास्यपुट, हर बात में कुछ कहने और देने की प्रेरक शक्ति।

परसरा के तिलक, कथा - मटमंगरा में कृपा भाई पहुँच गए, मानो पूरी वसन्ती पहुँच गयी। ग्रामीण अर्थशास्त्र के वे पण्डित थे। शऊर सिखाने की कला से भिज्ज थे। युवकों को

बढ़ावा देने का नशा था। वे अच्छे श्रोता थे, बातों में रस लेने वाले रसज्ज थे, उनमें नीर-क्षीर का विवेक था, गहराइ पर पहुँचने का माहा था। उनकी परख सच्ची थी, उड़ती चिड़िया को पहचानने में माहिर थे। बाप, भाई, चाचा, पड़ोसी सभी उनकी राय की कद्र करते। उनका लिहाज रखते और उहें अपना अगुआ मानते। उनका विश्वास था कि परिवार का प्रबंध एक बुद्धिशील राजा के प्रबंध की भाँति चलता है, एक प्रजातंत्रात्मक प्रधानमंत्री के प्रबंध की भाँति नहीं।

कृपा भाई ने देश की आजादी पर मर मिट्टने वालों का हौसला बढ़ाने में कंजूसी नहीं की। उन्होंने 'सिर जाये तो जाये पर हिन्द आजादी पाये' गीत कभी टेरा था। उन्होंने आजादी का प्रभात देखा, दूसरे महायुद्ध की गिरावट को भी महसूस किया। जो झेला, जो भोगा है, उसका दर्द वे ही जानते हैं।

भाई विलाल के जाते ही उनकी निर्द्वन्द्वता, उनकी

मस्ती, उनकी निश्चिन्तता पर पाला पड़ गया। वे अपने भाई के गम को भुला नहीं सके। उनका दिल बैठ गया, वे उदासीन रहने लगे, अपने से भी और संसार से भी। 'मरने के बाद क्या होता है' की जिज्ञासा में कृपा ने क्या नहीं पढ़ा, क्या नहीं गुना, क्या नहीं सुना, क्या नहीं समझा? रिक्ता भर न सकी, जीवट जुटा नहीं सके, साहस आंख-मिचौनी करता रहा। तारा पर बरगद के नीचे हनुमानजी की मठिया में गिड़गिड़ाने वाले, आत्मविभोर होने वाले कृपा सुध बुध खोये पड़े रहते।

वसन्ती के हीरा-मोती भाई विलाल और कृपा में जीवट था, साहस था पर बुढ़ापा झेलने का मनोबल न था। बीमारी ने चुपके से प्रवेश किया और मौका पा जम बैठी। कृपा ने दुनिया का सहारा छोड़ा, भगवान को पकड़ा। एकमात्र भगवत्कृपा पर हमारे कृपा भाई निर्भर हो गए। क्रम चलता रहा, दिन सरकते गए..। □

समाज

सामाजिकता से व्यक्तिवाद की ओर

- राजेश दीक्षित, एडोकेट

- व्यक्ति पर जब सामाजिक नैतिकता का बाहर से दबाव पड़ता है तो वह अपने आचरण को सामाजिक रीतियों के अनुसार ढालते हुए समाज की व्यवस्था को सुदूर पनाता है। किन्तु सामाजिक व्यवस्था के छिन्न-भिन्न हो जाने पर सामाजिक नैतिकता का दबाव कम हो जाता है।
- आज के युग में जब चारों ओर विघटन उपस्थित है सामाजिक बंधन ढीले पड़ गये हैं, वैयक्तिक नैतिकता का महत्व बहुत बढ़ गया है।
- नैतिकता मानव समाज में सामंजस्य, सहयोग और अनुदान को संभव बनाने वाली आचार पद्धति है।
- गत्यात्मकता होना सजीवता का लक्षण है, परिवर्तन प्रकृति का मूल कारण है, इस युग में उद्योगीकरण तथा यातायात के साधनों के विकास के कारण तीव्र गति से परिवर्तन हुआ है।
- व्यक्तित्व बदलता है तो समाज परिवेश बदलता है। कुटुम्ब के प्रति पुरानी मान्यतायें धीरे-धीरे विलीन होती जा रही हैं। हर आदमी स्वार्थ पराक्रम नहीं तो आत्म केन्द्रित ज्यादा होता जा रहा है।
- वस्तुतः मूल्य जीवन-धारा के प्रवाह के टूटने और बनते रहने वाले किनारे हैं जिन्हें धारा स्वयं बनाती हुई चलती है और स्वप्रवाह की स्वेच्छा से उनका विघटन कर उनका नव

निर्माण भी करती है। अति नैतिकतागड़ी इन किनारों पर घाट और घाटों पर अपनी छतरियाँ तान कर बैठ जाते हैं तो उनके लिये घाट ही एक मात्र पवित्रता के सूचक हो जाते हैं।

- हमारे सामने व्यक्ति से लेकर समाज तक की ओर देश से लेकर दुनिया तक की अनेक प्रकार की विकट समस्यायें उपस्थित हैं लेकिन न तो उनके कोई समाधान नजर आ रहे हैं और न ही ऐसे सृजनशील व्यक्ति दिखाई पड़ रहे हैं जिनसे यह आशा की जा सके कि वे उन समस्याओं के कोई समाधान सुझायें।
- एक मनुष्य का दूसरे मनुष्य से जुड़ना खत्म सा हो गया है पृथक्करण की पराकाष्ठा हो गई है। इससे विकास तो होता है, आर्थिक संवृद्धि भी, लेकिन मनुष्य अकेला और अलग-थलग पड़ गया है दूसरों से जुड़ने और सहयोग प्राप्त होने वाला उसका सुख समाप्त हो जाता है।
- परंपरा और आधुनिकता के बीच के द्वन्द्वका का निपटारा भी अभी तक नहीं हुआ है अभी तो हमारे समाज की अवस्था परंपरा और आधुनिकता के बीच लटके त्रिशंकु जैसी है।



जीना है तो जीना सीखो

- अक्षत पाण्डेय, इंदौर
- प्रतिदिन सिर्फ दस मिनट अपने जीवन के बारे में एकाग्रचित्त होकर विचार करने से तुम्हारे जीवन के स्तर पर बहुत अच्छा प्रभाव पड़ेगा।
- यदि तुम जीवन परिपूर्ण ढंग से जीना चाहते हो तो अपने वाउचरों की ऐसी देखभाल करो जैसे अपनी सबसे कीमती वस्तुओं की करते हो। फिर देखना विचार तुम्हारे जीवन को कितना प्रभावित करते हैं।
- एक चिंतापूर्ण विचार भ्रूण की तरह है। यह आरम्भ में छोटा होता है लेकिन बढ़ता ही जाता है और शीघ्र ही अपना अस्तित्व बना लेता है।
- किसी दूसरे व्यक्ति से बड़ा होना कोई बड़ी बात नहीं। बड़ी बात यह है कि तुम पहले से कितना श्रेष्ठ हो गए हो।
- जिनका जीवन दिशाहीन या स्वप्नहीन है, उनके जीवन में थकान प्रभुत्व जमाती है।
- प्रत्येक घटना का कोई मतलब होता है और प्रत्येक असफलता शिक्षाप्रद होती है।
- ‘विवक-फिक्सेज’ से काम नहीं चलता। सतत प्रयास करने से ही व्यक्तित्व परिवर्तन सम्भव है।
- मन पर स्वामित्व पाने के लिए एकाग्रता जरूरी है।
- मस्तिष्क एक आश्वर्यजनक नौकर है, लेकिन एक खतरनाक स्वामी। यदि तुम नकारात्मक सोच वाले व्यक्ति हो तो ऐसा इसलिए है कि तुमने अपने मस्तिष्क की देखभाल नहीं की और न ही इसको अच्छा सोचने का प्रशिक्षण दिया।
- अपने मस्तिष्क, शरीर और आत्मा के गुप्त शक्ति-भण्डार खोलने के लिए अपनी कल्पना शक्ति का विस्तार करना होगा। आज की रात से अतीत को भूल जाओ। यह स्वप्न देखने का साहस करो कि तुम्हारी क्षमता तुम्हारी वर्तमान परिस्थिति से कहीं अधिक है। सर्वोत्तम की अपेक्षा करो।
- सबसे नीची घाटी में जाये बिना पहाड़ की चोटी पर पहुँचने का सुख नहीं जाना जा सकता।
- किसी की भी तकदीर उसके निर्णयों पर निर्भर करती है।
- भाग्य तैयारी से अवसर का मेल है और कुछ नहीं।



- कभी अपने अतीत पर पश्चाताप न करो। बल्कि इसको गले लगाओ क्योंकि यह तुम्हारा शिक्षक है।
- हम मौसम, यातायात या अपने आसपास के लोगों के मिजाज को नियंत्रित करने में समर्थ नहीं हैं। लेकिन हम निश्चयपूर्वक इनके प्रति अपने व्यवहार को नियंत्रित कर सकते हैं। □

- 9891867606

दरक्ते जीवन मूल्य

- हमारा समाज संक्रमण के जिस दौर से गुजर रहा है, उसमें हम परम्परा और आधुनिकता के बीच चुनाव के द्वंद्व में फँसे हैं। एक ओर पश्चिमी जीवनशैली का सम्प्रोहन है तो दूसरी ओर सांस्कृतिक अस्मिता का आग्रह है। अनिश्चय और अनिर्णय कई बार हमसे ऐसे आधारहीन, अवसरवादी, हास्यास्पद और सिद्धांतहीन समझाते करवाते हैं कि लगता है जैसे हमारा विवेक खो गया है। आधुनिकीकरण और छद्म धार्मिकता की सांठ-गांठ के चलते अनियंत्रित भोग के लिए पैसे कमाने को ही हमने जीवन का सर्वोच्च मूल्य मान लिया है।
- आज औद्योगिक देशों में अप्रत्याशित भौतिक प्रगति के बावजूद मनुष्य विक्षिप्त जीवन जी रहा है। विकासशील देश अपनी संस्कृति की ताकत को समझे बिना इस पश्चिमी होड़ में लगे हुए हैं। विकासशील देशों के सामने चुनौती यह है कि अपनी संस्कृति के सही अंशों को बनाए रखते हुए अर्थिक प्रगति की ओर अग्रसर हों।
- आज देश में जहां देखिये वहा अनुशासन के लिए नहीं बल्कि स्वच्छन्दता के लिए आवाज बुलंद की जा रही है, अभिव्यक्ति की आजादी मार्गी जा रही है, वो भी स्वच्छन्द अभिव्यक्ति की आजादी, जो मन को भावे वहीं कहने की आजादी...। ऐसे लोगों को इसकी चिंता नहीं की उनके स्वच्छन्द बोल से समाज और देश पर क्या असर पड़ेगा..। समाज में बिखराव होगा आपस में वैमनस्य बढ़ेगा सामाजिक तानेबाने में दरार पड़ेगी, इस बात की तानिक भी चिंता नहीं है। उहें तो अपनी उच्छ सोच से अपना उल्लङ्घनीय करना है, अपनी राजनीतिक दल का समर्थन मिल जाय तो बात ही कुछ अलग हो जाती है और कुछ ऐसे राजनीतिक दल जिनकी राजनीति वर्तमान समय में लगभग लुप्तप्राय हो गयी है वो उसमें प्राण फूंकने के लिए ऐसे स्वच्छन्द विचार वाले लोगों का भरपूर उपयोग कर रहे हैं जो उनके राजनीतिक जीवन तथा पार्टी के लिए संजीवनी का काम करेंगे। □

पुरुष की कठपुतली स्त्री : कल भी थी आज भी हैं

- सरिता द्विवेदी, कानपुर

- आज दुनिया में 'स्त्री सशक्तिकरण' के नाम पर जो 'श्रम का सशक्तिकरण' व्यापक पैमाने पर किया जा रहा है, उससे स्त्रियों का शोषण और दमन बढ़ रहा है।
- दुनिया में कुल जितना काम होता है, उसका दो-तिहाई स्त्रियां करती हैं, लेकिन अपने काम के बदले उन्हें कुल आमदनी का सिर्फ दस प्रतिशत मिलता है।
- माना जाता था कि आधुनिक पूंजीवादी और सामाजिक उत्पादन प्रणालियों के आने तथा उससे सम्बंधित नई प्रगतिशील विचारधाराओं को अपनाने से पितृसत्ता समाप्त हो जाएगी। स्त्रीवाद की मुख्य चिन्ता आज भी पितृसत्ता ही है।
- आजादी के बहतर साल बाद भी परिवार और समाज में स्त्री पर पुरुष का नियंत्रण, दमन और उत्पीड़न कायम है। खुले में नहीं, तो छद्म रूप में ही।
- स्त्रियों को क्या चाहिए यह भी पुरुष ही तय करते हैं। उन्नीसवीं शताब्दी के पुरुषों को शिक्षित स्त्रियां इसलिए चाहिए थीं कि उस समय एक नया वर्ग बन रहा था, जिसके लिए एक नए ढंग की स्त्री की जरूरत थी। यह अंग्रेजी शिक्षा पाया हुआ अभिजन वर्ग था। इस वर्ग के पुरुष ऐसी स्त्री चाहते थे, जो घर में बच्चों को नए ढंग से पाले और बाहर 'सोसाइटी' में या 'सोशल लाइफ' में पति के साथ निकल सके। वे अंग्रेजी उपन्यास पढ़ते थे और उनकी 'हीरोइनों' को अपने आसपास देखना चाहते थे। वे बुद्धिजीवी थे और उन्हें ऐसी स्त्री की जबरदस्त चाह थी, जो उनकी बौद्धिक सहगामिनी हो। इसके लिए उन्हें स्त्री को शिक्षित करना जरूरी लगा। वे गार्गी, मैत्रेयी आदि के उदाहरण सामने रखकर स्त्री शिक्षा पर जोर दे रहे थे। लेकिन गार्गी की कहानी बताते हुए वे यह नहीं बता रहे थे कि उस जमाने में भी स्त्री पढ़ लिखकर भी कोई प्रश्न उठाती थी तो उसे चुप कर दिया जाता था।
- महात्मा बुद्ध ने अपने संघ में स्त्रियों का प्रवेश निषेध कर रखा था। यहां तक कि जिस धाय माँ ने उन्हें बचपन से पाला था, उसे भी मना कर दिया था। अपने शिष्य आनन्द के दबाव के बाद ही उन्हें स्त्रियों को संघ में आने की अनुमति दी।
- निजी सम्पत्ति का सबसे पहला स्वरूप तो स्त्री ही है।
- स्त्री चूंकि सन्तान को जन्म देती है, इसलिए वह स्वयं एक संसाधन बन जाती है। पुरुष स्त्री का स्वामी तो बनता ही है, उसके द्वारा उत्पन्न सन्तान का भी स्वामी बनता है।
- आज भी वह अपनी सड़ी-गली मानसिकता से अपने को मुक्त

नहीं कर पाती है। वह अब भी पुरुष की छत्रछाया में अपनी अस्मिता को खोकर जीना चाहती है। शोषण की भयानक जंजीरों से अपने-आप की रक्षा करने की ताकत उसमें नहीं है।

- 'नारी' शब्द का अर्थ है- जिसका कोई शत्रु नहीं। नारी-मुक्ति का मतलब पुरुष से मुक्ति का नहीं, शोषण से मुक्ति है। समाज की हर एक इकाई उसका शोषण करने को तत्पर है। यहां तक कि नारी भी नारी का शोषण कर रही है।
- शिक्षित और सम्प्रांत परिवारों में भी 'बच्ची' के जन्म की जिम्मेदारी स्त्री पर ही थोपी जाती है। □ -9839788219



- परिवार से इतर व्यक्ति का अस्तित्व नहीं है। लोगों से परिवार बनता है, परिवार से समाज और समाज से देश।
- संयुक्त परिवार में बृद्धों को सम्बल प्रदान होता रहा है और उनके अनुभव तथा ज्ञान से युवा एवं बाल पीढ़ी लाभान्वित होती रही है।
- संयुक्त पूंजी, संयुक्त निवास, संयुक्त उत्तरदायित्व तथा बृद्धों का प्रभुत्व रहने के कारण परिवार में आदर एवं अनुशासन का माहौल हमेशा बना रहता है, लेकिन बदलते समय में तीव्र औद्योगिककरण, शहरीकरण, आधुनिकीकरण एवं उदारीकरण के कारण संयुक्त परिवार की परंपरा चरमराने लग गयी है।
- एकल परिवारों की जीवनशैली ने दादा-दादी और नाना-नानी की गोद में खेलने एवं लोरी सुनने वाले बच्चों का बचपन छीनकर उन्हें मोबाइल का आदी बना दिया है।
- स्वकेन्द्रित विचार, व्यक्तिगत स्वार्थसिद्धि, लोभी मानसिकता, आपसी मनमुटाव और सामंजस्य की कमी के कारण संयुक्त परिवार की संस्कृति छिन्न भिन्न हुई है।
- पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव बढ़ने के कारण भी आधुनिक पीढ़ी का अपने बुजुर्गों एवं अभिभावकों के प्रति आदर कम होने लगा है। बृद्धावस्था में अधिकतर बीमार रहने वाले माता-पिता अब उन्हें बोझ लगने लगे हैं। वे अपने संस्कारों और मूल्यों से कटकर एकाकी जीवन को ही अपनी असली खुशी एवं आदर्श मान बैठे हैं। □

ज्ञानवान के सामने सत्ता झुकती है : डॉ शुकल



कानपुर। ब्राह्मण का जन्म प्रज्ञा से हुआ है। समाज और मानवता का चिंतन तथा समस्याओं का समाधान खोजना उसका कर्तव्य है। ये कहना है कान्यकुब्ज मंच पत्रिका के संस्थापक सम्पादक कीर्तिशेष बालकृष्ण पाण्डेय स्मृति अंक के लोकार्पण समारोह में कन्नौज से पधारे कवि, साहित्यकार डॉ जीवन शुक्ल का। सुदामा का जिक्र करते हुए डॉ शुक्ल ने कहा कि सुदामा निर्धन थे, दरिद्र नहीं। सुदामा तेजस्वी ब्राह्मण थे। संतुष्टि वहाँ होती है, जहाँ धन की आकांक्षा नहीं रहती। ऐसे ज्ञानवान और तेजस्वी ब्राह्मण के सम्मान में कृष्ण को नगे पांव भागना पड़ा। इतिहास साक्षी है ज्ञानवान के सामने सत्ता भी झुकती है।

समारोह के आरम्भ में पत्रिका के सम्पादक आशुतोष पाण्डेय ने कहा कि मनुष्य देहमात्र नहीं होता। एक व्यक्ति की पहचान होते हैं उसके किये हुए कर्म। इंसान जिससे ज्यादा अपने कारनामों से जीता है। धर्मशास्त्रों में कहा गया है कि स्वर्गवासी होने वालों की स्मृति में सच्ची श्रद्धांजलि उनके अभीष्ट कार्यों और लक्ष्यों की पूर्ति है। स्मृति अंक में लेखकों ने पांडेयजी के कर्मों का स्मरण किया है।

विशेषांक का लोकार्पण साध्वी साक्षी चेता, डॉ जीवन शुक्ल, डॉ लक्ष्मीकान्त पाण्डेय, एवं डॉ आई एन वाजपेयी के हाथों हुआ। समाज, संस्कृति और परिवार को केंद्र मानकर पत्रिका पिछले 32 वर्षों से लगातार प्रकाशित हो रही है। इसमें बालकृष्ण पाण्डेय के 95 साल की साधना और तप है।

मुख्य अतिथि साध्वी साक्षी चेता के अनुसार आज समाज में जो टूटन, विघटन की स्थिति देखी जा रही है वह मैकाले की शिक्षा पद्धति से शिक्षित समाज की बजह से है। जिस शिक्षा में नैतिकता न हो, मानवता के भाव न हो, सहानुभव, सहकारिता के

कान्यकुब्ज मंच

भाव न हों वह शिक्षा किस काम की।

इस अवसर पर आयोजित ब्राह्मण संगठनों की प्रासंगिकता विषयक गोष्ठी के मुख्य वक्ता डॉ लक्ष्मीकान्त पाण्डेय ने कहा कि यदि समाज के उत्थान का श्रेय ब्राह्मणों को है तो समाज के पतन का नैतिक उत्तरदायित्व भी ब्राह्मणों को लेना होगा। श्री पाण्डेय ने कहा कोई भी संघ आचरण से बनता है। संगठन जोड़ने के लिए होता है। हमारी संस्कृति जिस एक वर्ण पर टिकी थी। चारों वर्णों का दायित्व ब्राह्मणों पर था। समाज के पतनोन्मुख होने का नैतिक दायित्व ब्राह्मणों को लेना होगा। जब तक आप उत्थान की ओर नहीं चलेंगे समाज का उत्थान नहीं होगा। डॉ आई एन वाजपेयी ने कहा कि ब्राह्मण समाज में तब तक सम्मान पाता था जब तक वह समाज को कुछ देता रहा। जब से आपने देना छोड़ दिया समाज में आपका आदर घटता गया। शास्त्रों का उल्लेख करते हुए डॉ वाजपेयी ने कहा कि कहीं भी ब्राह्मणों के लिए सुख की बात नहीं कही गयी है। सूरज तपता है तभी प्राणी मात्र को जीवन और ऊर्जा देता है। कोई भी संगठन युवाओं की सक्रियता के बगैर उन्नति नहीं कर सकता। कान्यकुब्ज मंच के संस्थापक सम्पादक कीर्तिशेष पाण्डेय जी का कर्म उन्हें ब्रह्मऋषि के तुल्य बनाता है। इसके साथ डॉ विजयप्रकाश त्रिपाठी, अरुण मिश्र, अजीत शुक्ल, शैलेश अवस्थी, कृष्णकुमार वाजपेयी, नरेंद्र शर्मा, ओमशंकर मिश्र, प्रमोद नारायण मिश्र, राजेश दीक्षित आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस मैके पर सिविल सेवा में सफल युवा शिवांश अवस्थी को ब्राह्मण कुल गैरव सम्मान दिया गया। पत्रिका के प्रबंध सम्पादक विष्णु पाण्डेय ने अतिथियों को पुष्पहार पहना कर सम्मानित किया। प्रमोद नारायण मिश्र का अनुशासित व समयबद्ध मंच संचालन सराहनीय था। □

रायपुर में हुआ विध्वा-विधुर-तलाकशुदा का परिचय सम्मेलन

- सतीश मिश्र (रायपुर)

प्रादेशिक कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज रायपुर छत्तीसगढ़ के द्वारा आयोजित रायपुर में 10 व 11 अगस्त को दो दिवसीय विधुर-विध्वा परिचय सम्मेलन अपने उद्देश्यों के साथ सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम सभी ब्राह्मणों के लिए आयोजित था जिसमें लगभग 280 प्रतिभागियों ने आकर अपने लिए जीवन-साथी की खोज की, इस कार्यक्रम की प्रमाणिकता और हो गयी जब 7 से 8 जोड़ों के संबंध कार्यक्रम स्थल पर ही तय हो गए।

मानव-सेवा से जुड़े इस कार्यक्रम में भारत वर्ष के हर प्रांत से पदाधिकारी उपस्थित हुए और एक दिवसीय 'ब्राह्मण संगोष्ठी' का आयोजन किया गया। ब्राह्मण समाज में एक नया अध्याय जोड़ते हुए समाज के 'विधुर-विध्वा' जनों के जीवन में एक नई खुशी की ज्योति जलाने का संकल्प लिया है जो सौदेव इस पर अग्रसर, निरंतर कार्य करते रहेंगे। आयोजन को सफल बनाने में श्री वीरेंद्र पांडेय जी (पूर्व-विधायक) श्री शरद शुक्ला जी (तत्कालीन अध्यक्ष) श्री आलोक तिवारी (महा सचिव) श्री सुरेश मिश्र (कोषाध्यक्ष) श्री



सतीश मिश्र (अध्यक्ष युवामंडल) श्री रितेश अवस्थी (सचिव युवामंडल) व समाज की सशक्त कार्यकारी टीम बधाई की पात्र है। इस कार्यक्रम के साक्ष्य बने- श्री राजेश चंद्र द्विवेदी (जयपुर), श्री अजय आ. शुक्ला (मुम्बई), श्री योगेंद्र मणि त्रिपाठी (उत्ताव), श्रीमती अनिता मिश्र (जयपुर), श्री शिव सहाय मिश्र (कानपुर), श्री मोहन पांडेय (अकोला), श्री वीरेंद्र मिश्र (अमरावती), श्री प्रमोद मिश्र (अहमदाबाद), श्री संतोष मिश्र (जबलपुर), श्री अशोक अवस्थी (भोपाल), श्री जे.पी. अग्निहोत्री (जयपुर), श्रीमती डॉ सीमा मिश्र (हैदराबाद)। कार्यक्रम को म.प्र. व छत्तीसगढ़ के सभी संगठनों ने अपना सहयोग देकर सफल बनाया। □

सुंगंधित था। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अजय शुक्ल (मुम्बई), कार्यकारी अध्यक्ष शिवसहाय मिश्र, राष्ट्रीय महामंत्री महेश मिश्र की सशक्त टीम के निर्देशन में बटुकों को आशीर्वाद देने सांसद सत्यदेव पचौरी, विधायक महेश दीक्षित, महापौर प्रतिभा पाण्डेय, कॉमेडी कलाकार अन्नू अवस्थी सहित अन्य जिला-प्रदेशों के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। □

सामूहिक यज्ञोपवीत के 27 वर्ष



6 मई, 2019। अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा के 27 वें सामूहिक यज्ञोपवीत व विवाह कार्यक्रम में 118 बटुकों का उपनयन संस्कार वैदिक पद्धति तथा लोकोपकार के साथ सम्पन्न हुआ। कानपुर किंदवई नगर के राधामाधव मन्दिर मैदान पूरी तरह भगवामय था, जहां 118 बटुक और उनके परिवार यज्ञोपवीत कर्मकांड, यज्ञ-हवन, जनेऊ धारण, भीखी, जनेऊ गीतों से वातावरण

अखिल ब्राह्मण महासभा, कोटा

8 सितम्बर। अखिल ब्राह्मण महासभा, कोटा (राजस्थान) के एक समारोह में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा, 'समाज में ब्राह्मणों का उच्च स्थान रहा है। यह स्थान उनकी त्याग, तपस्या का प्रणाम है। यही वजह है कि ब्राह्मण समाज हमेशा से मार्गदर्शक की भूमिका में रहा है।'



2020 : कश्मीर पर्यटन वर्ष

26 अगस्त, 2019। नई दिल्ली के अशोका होटल में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष श्री गोविंद कुलकर्णी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जम्मू-कश्मीर से धारा 370 को निष्क्रिय किये जाने के केंद्र सरकार के निर्णय का समर्थन किया गया। अखंड भारत भूमि की संकल्पना के साथ प्रस्ताव पारित हुआ कि वर्ष 2020 को कश्मीर पर्यटन वर्ष के रूप में मनाया जाय। देश के हर नागरिक विशेषकर ब्राह्मणों से अपील की गई कि चूंकि पर्यटन उद्योग जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख के राजस्व का एक बड़ा स्रोत है। अतः हर परिवार अगले वर्ष कम से कम एक बार अपनी छुट्टियां मनाने इन राज्यों में जरूर जाय। ताकि जम्मूकश्मीर व लद्दाख के नागरिक स्वयं को देश की मुख्यधारा से जुड़ा अनुभव कर सकें। बैठक में आगामी 4 दिसम्बर को नई दिल्ली के मावलंकर हाल में वर्तमान ब्राह्मण सांसदों के सम्मान-समारोह की रूपरेखा पर भी चर्चा हुई। इस संदर्भ में आशुतोष पाण्डेय, शोभा उपाध्याय, सुभाष तिवारी, डॉ सुनीता रावत, सुब्रह्मण्यम शर्मा,



जितेन्द्र शर्मा, शैलेश तिवारी, नीलेश भारद्वाज, राहुल विश्वास जोशी, शंकर कुमार शर्मा, शंकरन मिश्र, नीलेश भारद्वाज, आकाश जोशी आदि के प्रतिनिधि मंडल ने राजस्थान के राज्यपाल माननीय कलराज मिश्र से हिमाचल सदन में तथा दिल्ली भाजपा अध्यक्ष सांसद श्री मनोज तिवारी से उनके आवास पर भेट की। □

लोकगायक लक्ष्मीशंकर शुक्ल को संगीत-अकादमी पुरस्कार

‘आया सावन फुले फूल, झूला रहीं राधिका झूल
पींगे लगा रहे हैं ग्वाले और सांवरिया रे..’

गाँवे कजरी और मल्हार
कौनो बारह कौनो सोलह की उमरिया रे...’

तथा ‘बरतिया लेके आयो रे बम बम भोला...’

जैसे गीतों ने 70-80 के दशक में एचएमवी रिकॉर्ड्स में अच्छी धमक जमा रखी थी। हारमोनियम की धून और तबले की थाप में लक्ष्मीशंकर जी की मोहक कंठध्वनि में श्रोता मंत्रमुग्ध हो अपनी सुधुबुध खो जाते। किसी समय दूरदर्शन और आकाशवाणी में आपकी आवाज का जलवा था। प्रयागनारायण शिवाला, कानपुर के हर साल होने वाले ‘मानस संगम’ समारोह में शुक्लजी के लोकगायन की लोग प्रतीक्षा करते हैं। देर से ही सही, उप्र शासन के संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार के लिए आपका मनोनयन शुक्ल जी की प्रतिभा का मूल्यांकन है। खजुहा निवासी सांकृत गोत्रीय स्मृतिशेष पै. विजयशंकर शुक्ल के आत्मज लक्ष्मीशंकर शुक्ल एम ए, संगीत-विशारद हैं। गांधी संगीत विद्यालय से प्रारम्भिक शिक्षा



प्राप्त कर इन्होंने पै. कृष्णबिहारी तिवारी के सानिध्य में संगीत की बारीकियों को जाना-समझा। सहस्रवास घराने के उस्ताद मुस्ताक हुसैन के शागिर्द अफजल निजामी से शास्त्रीय संगीत के साथ-साथ गजल, ठुमरी, कजरी व भजन गायन का प्रशिक्षण लिया। उप्र श्रमविभाग में संगीतज्ञ के पद से अवकाशप्राप्त शुक्ल जी परिवार सहित कानपुर के केशवपुरम में निवसित हैं। □

सिरदर्द व दिमागी कमज़ोरी में लाभकारी

भूत मार्क चार तेल

भूत निवास, गांधी नगर, कानपुर

परशुराम जयन्ती पर ब्रह्म-समागम

7 मई, 2019। कानपुर के ब्रजेंद्रस्वरूप पार्क स्थित परशुराम बाटिका के विशाल प्रांगण में भगवान परशुराम के प्राक्त्योत्पत्ति के अवसर पर देश के विभिन्न प्रान्तों व विदेशों से आये हजारों की संख्या में ब्राह्मण-समागम का अद्भुत दृश्य था। अध्यक्ष पं. नरेन्द्र शर्मा, महामंत्री व संयोजक पं. शेखनारायण त्रिवेदी 'पपू', कोषाध्यक्ष पं. राजेन्द्र शुक्ल के सतप्रायासों से भगवान परशुराम सर्वकल्याण सेवा समिति के तत्वावधान में संरक्षक-संस्थापक पं. एम पी शुक्ल ने भगवान परशुराम के विग्रह का अभिषेक तथा श्रृंगार किया। आचार्य ओंकार

शास्त्री, पं. प्रमोद तिवारी, पं. नरेन्द्र शास्त्री व पं. अवधेश द्विवेदी ने स्वस्तिवाचन किया। विभिन्न मण्डलाधीशों, मठाधीशों व दंडी स्वामियों से सुसज्जित मंच, मुकुलबन्धु के सौजन्य से सुमधुर संगीतमय भजन, गुरुकुल-संस्कृत विद्यालयों के ब्रह्मचारी विद्यार्थियों की अनुशासित कतार, स्वास्थ्य-परीक्षा केंद्र, विवाह योग्य युवाओं का परिचय, अभिमत्रित जनेऊ बॉक्सेज का निःशुल्क वितरण, चाय-ठंडे पानी की व्यवस्था, पूरे दिन भोजन का भड़ारा, दोपहर महायज्ञ का आयोजन आदि ने समारोह को स्मरणीय बना दिया।

साथं 3 बजे मोडिकल कैम्प का उद्घाटन किया डॉ अखिलेश शर्मा (दिल्ली) व डॉ कमलाकर



ब्राह्मण समाज ऑफ इंडिया

ब्राह्मण समाज ऑफ इंडिया ने केंद्र सरकार द्वारा जम्मू एंड कश्मीर से धारा 370 को निष्क्रिय किये जाने का समर्थन व स्वागत किया है। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित कार्यकारिणी समिति की बैठक में ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ विश्वपति त्रिवेदी ने कहा कि मोदी सरकार ने 70 वर्ष पहले की राजनीतिक भूल को सुधारने का साहसिक काम किया है। स्वतंत्रता पश्चात देश के विभाजन के समय लाखों की संख्या में जो हिन्दू जम्मू कश्मीर आकर विस्थापित हो गए थे, इन्हें वर्षों तक उनको किसी भी नागरिक अधिकारों या वोट डालने के अधिकारों से वंचित रखना लोकतंत्र के साथ भद्दा मजाक था। पाकिस्तान से विस्थापित हुए लोग न तो भूमि-सम्पत्ति खरीद सकते थे और न ही उन्हें नौकरी मिलती थी। वाल्मीकि समाज के भाइयों को सिर्फ सफाई के कामों में ही तरजीह दी जाती थी। अनुसूचित व पिछड़ा



शर्मा (हैदराबाद) ने। एडवोकेट अनूप द्विवेदी व पूर्व सांसद श्यामबिहारी मिश्र ने वस्त्र तथा चांदी का सिक्का भेंटकर सभी संतों को सम्मानित किया। क्षेत्र विशेष के प्रतिष्ठित ब्राह्मण बंधुओं का सार्वजनिक अभिनंदन और समारोह के अंत में रात्रि 10 बजे महाआरती ने कार्यक्रम को अविस्मरणीय बना दिया। व्यवस्थापक श्री पपू त्रिवेदी के मंच संचालन तथा निर्देशन में उनकी सशक्त कार्यकर्ताओं की टीम श्री कृष्णकुमार वाजपेयी, श्री महेंद्र शुक्ल, राजीव त्रिपाठी, डॉ उमेश पालीवाल, आदिल्य त्रिपाठी, अजय शर्मा, सुखदेव शुक्ल, मनोज शुक्ल, जयशंकर त्रिवेदी, श्रीमती श्रद्धा गौड़, पुष्कर वाजपेयी आदि ने समारोह को सफल बनाने, आगन्तुओं के आदर-सत्कार में कोई कोर-कसर नहीं रखी।

वर्ग को आरक्षण का लाभ भी नहीं मिलता था। परिणामस्वरूप अलगाववादी शक्तियां दिन पर दिन ताकतवर होती गई जिसका फायदा पड़ोसी मुल्क उठाता रहा। □

तमिल ब्राह्मण ग्लोबल मीट

19 जुलाई, 2019। कोच्चि शहर में आयोजित तमिल ब्राह्मण ग्लोबल मीट का उद्घाटन करते हुए केरल हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस वी चितम्बरेश ने कहा कि ब्राह्मण द्विजन्मना है। पूर्वजन्म के सुकरिधाम (पूर्वजन्म के सत्कर्म), सत्त्वाचरण, सकारात्मक सोच, उत्कृष्ट चरित्र, शाकाहार, संगीतप्रेम व अन्य मानवीय गुण जब एक में मिल जाएं, वही ब्राह्मण है। उन्होंने कहा कि गुरुकुल सरीखी बेदों की पाठशालाएं अब न नगण्य हैं। उसे बढ़ावा दिया जाना चाहिए। समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संजोकर रखने की जरूरत है। □





वैवाहिक विवरण

युवा वर्ग



Sr. No.	Name	Gotra	Naadi	DOB	HEIGHT	EDUCATION	PROF.	SERV	LOCN.	PARENT NAME	HOMETOWN	MOBILE NO.
1	Aadhar	Kashyap		28.11.84	5'6"	B.Tech	Working	Dubai	Rajesh Tiwari	Lucknow	9415577890	
2	Abhijeet	Upmanyu		34 Yrs.	5'9"	M.B.A(IIM)	MNC	Mumbai	Y.K.Bajpai	Kanpur	9616423242	
3	Abhijeet	Bhardwaj	Divorcee	14.08.79	5'10"	B.Com, MBA	Working	New Delhi	Vijay Trivedi	Lucknow	9026844909	
4	Abhinav	Upmanyu		15.11.85	5'5"	M.Sc.Bio Tech	Ph.D.	Lucknow	R.P.Shukla	Hardoi	9415562556	
5	Abhinav	Bhardwaj		13.08.90	5'6"	B Tech	Business	Gurgaon	R S Shukla	Kanpur	8755558181	
6	Abhinav	Kashyap	Aadi	15.08.81	5'9"	B.Com,M.B.A.	Working	Lucknow	J N Mishra	Lucknow	9453005857	
7	Abhinav	Katyam	Madhy	13.03.88	6"	B.Tech	TCL	Pune	A.K.Dwivedi	Lucknow	9936452439	
8	Abhishek	Kashyap	Aadi	07.04.89	5'5"	MA, Comp	State Govt	Tikamgarh	R R Pateriya	Tikamgarh	7987307518	
9	Abhishek	Bhardwaj	Madhy	10.10.86	5'7	BCA MBA	Manager	Ireland	A. K Pandey	Lucknow	9450018055	
10	Abhishek	Upmanyu	Madhy	18.11.90	5'8"	B Tech	MNC	Banglore	Girish Bajpai	Kanpur	9313340042	
11	Abhishek	Upmanyu	Antya	24.02.83	5'9"	BBA, MBA	Working	Pune	Ruchi Tiwari	Kanpur	7275783984	
12	Abhishek	Upmanyu		22.08.89	5'6"	BE, MBA	Accenture	Mumbai	S Pathak	Sagar	8517071128	
13	Abhishek	Upmanyu		16.02.93		B Tech MBA	Business		Mr Awasthi	Kolkata	9830082587	
14	Abishek	Gautam		17.07.84	5'6"	B.Pharma	Business	Sagar	R.K.Chaubay	Sagar	9302933999	
15	Abodh	Kashyap	Antya	16.05.88	5'10"	B.Tech.,	Educomp	Jalandhar	A.K.Dixit	Sitapur	9506110810	
16	Aditya	Bhardwaj	Aadi	26.09.86	5'11"	B.Sc, MBA	MNC	Ghaziabad	S.C.Sharma	Kanpur	8896610810	
17	Aditya			24.07.93	5'9"	LLB	Advocate	Delhi	A Tiwari	New Delhi	9711158848	
18	Aishvarya	Kashyap	Antya	06.11.88	5'5"	MA,BED.	Working	Delhi	Rajesh Tripathi	Kanpur	9415569546	
19	Ajay	shadilya	Madhya	01.01.83	5'5"	Diploma	Self Employ	Aurangabad	V Mishra	Aurangabad	8482824522	
20	Akanksh	Upmanyu	Antya	29.09.90	5'5"	MBBS,MS(Ortho)	Doctor	Hyderabad	R. Dubey	Hyderabad	9676331222	
21	Akash	Upmanyu	Aadi	11.07.90	5'11"	B.Tech	MNC		N Bajpai	Kanpur	7376299046	
22	Akhil	Upmanyu	Madhy	28.06.93	5'8"	M.TECH(MNIT)	Cisco	Chennai	M.K Bajpai	Gwalior	9926518418	
23	Akhilesh	Bharadwaj	Madhya	20.06.90	5'8"	B.COM	Service	Ludhiana	J SHUKLA	Kanpur	9779977894	
24	Akhilesh	Bhardwaj	Manglik	17.12.87	6'	B.TECH	TCS	Kolkata	Pawan Shukla	Kolkata	9836067192	
25	Akshat	Kashyap	Madhya	21.06.84	5'10"	B Tech PGDM	SBI Bank		S Tiwari	Mirzapur	9889613890	
26	Akshay	Katyam	Aadi	18.11.88	5'8"	BBA, CCNA	MNC	Gurugram	U.N.Mishra	Lucknow	9897452185	
27	Aman			24.02.95	6	BBA	TCS		K.P.Tiwari	Indore	7415035802	
28	Aman	Bharadwaj	Antya	08.10.91	6"	BE	Manager	Ambicapur	G Trivedi	Kanpur	8085783341	
29	Amar	Upmanyu	Antya	25.12.85	5'5"	M.Tech.	MNC	Pune	R.C.Awasthi	Delhi	8527395603	
30	Ambuj	Shandilya	Madhy	21.07.88	5'8"	B.Tech.	S.W Engg	Hyderabad	Ashu Shukla	Kanpur	9305423006	
31	Ambuj	Upmanyu	Madhya	25.05.90	5'7"	BA	Airtel Manager	Sitapur	N Bajpai	Sitapur	9721836631	
32	Amit	Upmanyu	Antya	07.09.91	5'9"	BBA,LL.B	Manager	Noida	B.P Dwivedi	Kanpur	8604700313	
33	Amit	Kashyap	Madhya	03.02.88	5'7"	B.E	Quality	Udaipur	G Tiwari	Udaipur	9414238854	
34	Amit	Katyam	Antya	22.12.81	5'9"	MBA	S.C. Bank	Mumbai	R.N.Mishra	Basti	9451087111	
35	Amit	Shandilya		15.08.84	5'8"	MCA,BED.	Teacher	Orai	A.K.Mishra	Orai	9889225623	
36	Amit	Bhardwaj	Antya	33 YRS	5'8"	BCom	Sr Mngr		Shukla	Kanpur	9918905541	
37	Amit	Kashyap		29.03.84	5'	B.Tech	CCI	H P	Uma Dixit	Lucknow	9455508989	
38	Anand	Garg		15.05.85	6'2"	B E	Service	Gujrat	Pratibha Shukla	Kanpur	9329955405	
39	Anirudh	Kashyap	Antya	30.04.87	5'4"	M.SC	Working	Himachal	B Tiwari	Himachal	8800422667	
40	Ankan	Shandilya	Antya	16.09.92	6'1"	B.Tech	Infosys	Mysore	R.K. Dixit	Kanpur	7376692193	
41	Ankesh	Bhardwaj	Madhy	29.07.85	5'8"	B.Tech.,MBA	MNC	Banglore	A.K.Pandey	Bhopal	9425682050	
42	Ankit	Shandilya	Antya	22.08.85	6'2"	B.Tech MBA	Bank Manager	Kanpur	A Mishra	Kanpur	9936483912	
43	Ankit	Upmanyu	Aadi	01.17.90	6'	MBA	Biz.	Jaipur	A P.Agnihotri	Jaipur	9829068476	
44	Ankit	Bhardwaj		11.03.87	6'	B Tech	Service	Banglore	R Trivedi	Kanpur	9450125732	
45	Ankit	Bhardwaj		14.05.85	5'7"	M Com, MBA	Working	Noida	K K Pandey	Kanpur	9336998383	

Sr. No.	Name	Gotra	Naadi	DOB	HEIGHT	EDUCATION	PROF.	SERV	LOCN.	PARENT NAME	HOMETOWN	MOBILE NO.
46	Ankit	Kashyap		20.12.90	5'8"	M Pharma MBA	Working	Vadoda	C P Tiwari	Lucknow	9450840265	
47	Ankur	Kashyap	Madhya	29.06.88	6'1"	B.Tech	Soft Engg	Pune	R S tiwari	Bilaspur	7000649784	
48	Ankur	Upmanyu		10.01.85	5'11"	M.Com	Voltas	Gurugram	Vipin Agnihotri	Delhi	9310396585	
49	Ankur	Bhardwaj	Divorcee	19.06.83	5'11"	B.Tech.,	Working	Mumbai	B.C.Pandey	Allahabad	9335152604	
50	Ankur	Bhardwaj		22.08.85	5'8"	MBBS	Doctor	Lucknow	Vinod Mishra	Lucknow	9005716002	
51	Antariksh	Katyam	Aadi	23.11.89	5.7'	B-Tech,	MNC	Gurugram	K.K. Mishra	Kanpur	9415431600	
52	Anu	Kashyap		13.06.89	5'9"	MBBS	Metro Hospital	Delhi	S.G Dixit	Farukhabad	7974621202	
53	Anubhav	Bhardwaj		28.01.89	5'7"	B Sc	MNC	Mumbai	D K Mishra	Kanpur	9807730051	
54	Anugrah	Bhardwaj	Aadi	03.08.90	5'10"	B.Tec	Soft Engg	Lucknow	J K Dixit	Farukhabad	9415564604	
55	Anuj	Upamanyu	Antya	8.15.74	5'5"	BA	Service	Mumbai	AK Dwivedi	Jalaun UP	9322141455	
56	Anupam	Kashyap	Antya	15.07.88	5'4"	M.Com,MBA	Moodiys	Gurgaon	N.S Tripathi	Lucknow	8299654731	
57	Anuraag	Upmanyu		14.11.82	5'5"	B.Tech	Engg.	Maldives	S.N.Dwivedi	Unnao	9450056609	
58	Anuraag	Bhardwaj		27.05.87	5'9"	B.Tech	SAIL	West Bengal	Anil Pandey	Sitapur	9839717959	
59	Anuraag	Shandilya	Aadi	05.10.89	5'8"	B. COM, MBA	HR Officer	IOCL	D.D.Dixit	Lucknow	9956623791	
60	Arihant	Bhardwaj		01.08.88	6'2"	MBA	MNC	Hyderabad	A Shukla	Hyderabad	9704916421	
61	Arpan	Kashyap		01.05.88	5'10"	Diploma	Railways	Ahemdabad	S.C.Tiwari	Kanpur	7499614741	
62	Arpit	Upmanyu	Madhya	15.11.87	6ft	B. Tech	Branch Manager	New Delhi	Rawasthi	Rewa	9399628312	
63	Arpit	Upmanyu	Aadi	13.08.93	5'8"	B E	Working	Ratlam	M Awasthi	Indore	9806403394	
64	Arpit	Katyam		13.09.90	5'11"	B.Tech, MBA	CISCO	Bengaluru	Piyush Mishra	Lucknow	9389912687	
65	Arun	Upmanyu		03.08.90	5'9"	B.Tech, MBA	Service	Mumbai	R.C. Bajpai	Bhopal	7694004183	
66	Arvind	Upmanyu	Antya	25.08.88	5'4"	BA	Self Employ	Lucknow	S.N Dwivedi	Haidergarh	9455871884	
67	Ashish	Upmanyu	Aadi	01.06.86	5'8"	BE	TCS	USA	R.S Dubey	Muzaffarpur	9430933254	
68	Ashish	Upmanyu		09.09.88	5'9"	B.A.	Biz.	Lucknow	R.N.Trivdi	Lucknow	9454242424	
69	Ashish	Upmanyu	Aadi	07.11.81	5'7"	B Tech, MBA	MNC	Lucknow	A K Awasthi	Lucknow	9936400675	
70	Ashish	Upmanyu	Antya	03.08.86	5'6"	B.Tech	MNC	Gurugram	R.P. Dwivedi	Jhansi	9452598145	
71	Ashish	Katyam		24.06.88	5'8"	BA. B Ed	Reliance	Kanpur	S K Mishra	Hardoi	9369265810	
72	Ashish	Bhardwaj	Madhy	21.11.87	5'7"	B Tech	MNC	Pune	S K Shukla	Kanpur	9450336902	
73	Ashish	Katyam	Madhy	27.07.85	5'10"	MBA	IBM	Banglore	A Mishra	Kanpur	9450635424	
74	Ashish	Bhardwaj	Antya	25.09.89	5'7"	BE,MTech	Service	Kuwait City	Y.S Shukla	Unnao	8369492792	
75	Ashish	Bharadwaj	Aadi	17.11.89	5'9"	B.Tech	Working	Singrauli	U Shukla	Gaya	8544310205	
76	Ashish	Bharadwaj	Aadi	06.01.92	5'3"	BE	Service	Vapi	Rajesh Shukla	Mumbai	9265048500	
77	Ashish	Bhardwaj		33 Yrs.	5'6"	High school	Business	Kanpur	S K Shukla	Kanpur	7752944773	
78	Ashok	Upmanyu	Madhya	24.08.78	5'3"	Graduate	LIC	Lucknow	K Awasthi	Lucknow	8318401171	
79	Ashu	Sandilya		24.12.88	5'2"	MCA	Working	Patna	S K Dixit	Delhi	9811235591	
80	Ashutosh	Upmanyu		27.04.86	5'8"	B.Tech.,	MNC	Banglore	R. Awasthi	Jabalpur	9826701133	
81	Ashutosh	Upmanyu		14.02.87	5'6"	LLB	Business	Kanpur	R Agnihotri	Kanpur	9307888778	
82	Ashutosh	Upmanyu	Madhy	01.10.88	5'8"	BSC	Merchant Navy		G N Bajpai	Kanpur	9453815215	
83	Ashvinee	Kashyap	Antya	29.08.88	5'11"	MBS	PSU Bank	Kanpur	Mrs R. Tripathi	Kanpur	8574457732	
84	Ashwani	Bhardwaj		31.07.83	5'6"	BA	Biz.	Kanpur	S Shukla	Kanpur	9657666327	
85	Atman	Katyam		17.12.88	6'3"	B Tech	Biz govt.	Kanpur	R Mishra	Kanpur	9839705003	
86	Atul	Shandilya		24.03.82	5'10"	M.Com	Biz.		S.N.Mishra		8960400859	
87	ATUL	Katyam	Madhy	11.02.90	5'8"	INTER	Railways	Indore	Mr. Mishra	Indore	9907313168	
88	Avinaash	Upmanyu	Aadi	12.08.85	5'7"	MCA	S.W Engg	Malaysiya	Mrs Awasthi	Sitapur	8564872926	
89	Bhawtosh	Kashyap	Aadi	20.08.86	5.10'	BCA,	Working	Kanpur	S.K. Tiwari	Kanpur	9839720537	
90	Bhasker	Katyam	Aadi	11.01.87	5'10"	M.com LLB	Practice Court	Kanpur	G D Mishra	Kanpur	9452496423	
91	Brahmendra	Kashyap	Madhy	19.02.80	5'7"	BCom	Photographer	Jabalpur	B. Tiwari	Jabalpur	9907286364	
92	Chandan	Upmanyu		25.12.86	5'9"	B.A	Biz.	Lucknow	J.P.Awasthi	Lucknow	9936530032	
93	Chandra Prakash	Kashyap	Antya	31.01.84	5.6'	M.Com	Biz.	Kanpur	B.S. Tripathi	Kanpur	9044512978	
94	Chandrak	Upmanyu	Antya	11.04.84	5'8	M Com	PVT JOB	Kanpur	S K Dewedi	Unnao	8880803721	
95	Chandrasekhar	Bhardwaj	Madhya	09.01.87	5'6	MAC, BAD	Teacher	Jhabua	Azad Sharma	Jhabua	9714709819	

आप भी अपने पुत्र/ पुत्री की जानकारी इस स्तम्भ के माध्यम से देना चाहते हैं, तो हमें निर्दिष्ट प्रारूप के साथ ई-मेल/ क्वाट्सअप करें या पत्र लिखें। ई-मेल kkmanch@gmail.com/ 9310111069

Sr. No.	Name	Gotra	Naadi	DOB	HEIGHT	EDUCATION	PROF.	SERV/LOCN.	PARENT NAME	HOMETOWN	MOBILE NO.
96	Ashutosh	Upmanyu	Madhy	01.10.88	5'8"	BSC	Merchant Navy		G N Bajpai	Kanpur	9453815215
97	Ashvinee	Kashyap	Antya	29.08.88	5'11"	MBS	PSU Bank	Kanpur	Mrs R. Tripathi	Kanpur	8574457732
98	Ashwani	Bhardwaj		31.07.83	5'6"	BA	Biz.	Kanpur	S Shukla	Kanpur	9657666327
99	Atman	Katyan		17.12.88	5'3"	B Tech	Biz govt.	Kanpur	R Mishra	Kanpur	9839705003
100	Atul	Shandilya		24.03.82	5'10"	M.Com	Biz.		S.N.Mishra		8960400859
101	ATUL	Katyan	Madhy	11.02.90	5'8"	INTER	Railways	Indore	Mr. Mishra	Indore	9907313168
102	Avinaash	Upmanyu	Aadi	12.08.85	5'7"	MCA	S.W Engg	Malaysia	Mrs Awasthi	Sitapur	8564872926
103	Bhawtosh	Kashyap	Aadi	20.08.86	5.10'	BCA,	Working	Kanpur	S.K. Tiwari	Kanpur	9839720537
104	Brahmendra	Kashyap	Madhy	19.02.80	5'7"	BCom	Photographer	Jabalpur	B. Tiwari	Jabalpur	9907286364
105	Chandan	Upmanyu		25.12.86	5'9"	B.A	Biz.	Lucknow	J.P.Awasthi	Lucknow	9936530032
106	Chandra Prakash	Kashyap	Antya	31.01.84	5.6'	M.Com	Biz.	Kanpur	B.S. Tripathi	Kanpur	9044512978
107	Chandrak	Upmanyu	Antya	11.04.84	5'8	M Com	PVT JOB	Kanpur	S K Dewedi	Unnao	8880803721
108	Chandrasekhar	Bhardwaj	Madhya	09.01.87	5'6	MAC, BAD	Teacher	Jhabua	Azad Sharma	Jhabua	9714709819
109	Chirag	Gautam	Antya	16.07.79	5'7"	B.com	Working	Mumbai	K.K Trivedi	Kojara	8652898818
110	Deepak	Shandilya		31.10.84	5'7"	Comp Engg	Working	Kanpur	R.N.Tiwari	Kanpur	9651045478
111	Deepak	Bhardwaj		16.09.85	5'11"	IIT M.Tech	Bank Manager	Mumbai	Manju Trivedi	Kanpur	9415727581
112	Deepankar	Upmanyu	Antya	03.06.88	5'8"	B Tech	Softt. Engg.	Pune	D Dwivedi	Kanpur	9415479269
113	Devesh	Bhardwaj		27.07.81	5'9"	B.Sc, MBA	Officer PSU	Gandhinagar	S.C. Shukla	Gandhinagar	9737877705
114	Divyanshu	Katyan	Madhy	13.12.87	5'9"	MBA	Astt Mngr	Delhi	A.K. Mishra	Lucknow	9838792102
115	Dr Dharmes	Kashyap	Aadi	13.11.83	5'9	B.D.S	Practice	Dubai	Mrs P Tewari	Lucknow	9554477880
116	Dr. Rashi	Bhardwaj	Madhya	09.10.90	5'5"	MBBS			S Pandey	Varanasi	6386088385
117	Durgant	Shandilya	Madhy	12.09.87	5'10"	B.Tech.,MBA	Branch Manager	Lucknow	P.N.Mishra	Lucknow	9532292493
118	Gajendra	Kashyap		31.08.89	5'8"	B.com	Business	Jabalpur	K P Tiwari	Jabalpur	9907286364
119	Ganesh	Upmanyu		33 YRS.	5'8"	IIT,ISB	Service	Gurugram	O.P.Awasthi	Kanpur	9935317848
120	Gaurav	Bhardwaj	Antya	19.12.91	5'8"	BE	Soft.	Banglore	D Shukla	Raipur	9425205383
121	Gaurav	Sankrit		25.11.89	5'6"	B.TECH	TCS	Gurugram	S.K Shukla	Lucknow	7376535369
122	Gaurav	Upmanyu	Madhy	27.04.88	5'10"	B.TECH, MBA	Reg. Mngr.	Lucknow	S.C Bajpai	Lucknow	9452735770
123	Gaurav	Shandilya		24.02.87	5'6"	MA	PNB	Kanpur	R.S Mishra	Kanpur	9918475086
124	Gaurav	Katyan		24.10.90	5'7"	BE	Project Engg	Pune	S.K Mishra	Lucknow	8840284768
125	Gaurav	Bhardwaj	Madhy	23.10.88	6"	B TECH	DELL	Noida	D.K Pandey	Kanpur	7599101722
126	Gaurav	Shandilya	Aadi	02.12.87	5'11"	B Tech(NIT), PGDM	ICICI Bank	NCR	O.S.Mishra	Kanpur	9935616625
127	Gaurav	Shandilya	Aadi	16.01.84	6"	B.Tech	TATA Power	Orissa	S.Mishra	Lucknow	9415794058
128	Gaurav	Kashyap	Antya	12.06.85	5'5"	B.TECH, MBA	Business	Orai	S.R Dwivedi	Jalaun	8382947554
129	Gaurav	Sandilya	Aadi	11.02.91	5'6"	B.Tech	Soft.Engineer	Delhi	S.D Mishra	Hardoi	9811733294
130	Gopal	Bharadwaj	Aadi	04.06.89	5'10"	B.Pharma, MBA	Manager	Hyderabad	S Shukla	Hyderabad	9912820063
131	Gopal	Kashyap	Antya	29.08.93	5'7"	Graduate	Indian Navy	Mumbai	M.N Tripathi	Kanpur	7499687888
132	Hari Mohan	Kashyap	Madhy	12.08.86	5'8"	B.COM, MBA	Service	Hyderabad	P.N Dwivedi	Kanpur	9335432602
133	Hariom	Bhardwaj	Madhya	07.03.88	188cm	B Tech NIT	MNC	Delhi	R Shukla	Bhopal	9849158318
134	Haritabh	Sankrit		30.09.86	5'7"	M B A	Self Employed	Kanpur	Ajay Shukla	Kanpur	9415050280
135	Harsh	Bhardwaj		29.01.88	5'11"	B.Tech	MNC	Banglore	Jayant Shukla	Kanpur	9919333014
136	HarshVardhan	Upmanyu		16.01.88	5'8"	B.Tech.,MS	Working	USA	P.K.Dwivedi	Delhi	9871898222
137	Harshal	Kashyap	Aadi	19.12.88	5'9"	BA MSHW	Biz.	Maharashtra	R.S Tiwari	Risod	9921260143
138	Harshit	Bhardwaj	Aadi	10.10.90	5'8"	B Tech	Jindal Power	Nasik	A V Shukla	Kanpur	7376994244
139	Hemant	Bhardwaj	Aadi	30 yrs	5'5"	LLB	Advocate	Lucknow	S N Pandey	Lucknow	9044421708
140	Himanshu	Katyan	Antya	08.11.86	5'8"	B.Tech, MBA	MERCEDEZ	Bengaluru	P.K. Mishra	Varanasi	9451938889
141	Himanshu	Kashyap	Madhy	21.06.88	5'8"	B.Tech	S/W Engg	Noida	S.K. Tripathi	Jhansi	9415266366
142	Himanshu	Shandilya		22.09.88	5'7"	B.Tech	TCS	Pune	A.N. Dixit	Gorakhpur	8588071087
143	Himanshu	Bhardwaj	Aadi	06.02.88	5'5"	BBA,MBA	Axis Bank	Mumbai	S.C.Shukla	Lucknow	9839014905
144	Himanshu	Katyan		05.06.90	5'7"	B.Tech	Civil Engg.	Sultanpur	R.N Mishra	Kanpur	9415727238
145	Ishan	Upmanyu	Antya	16.6.89	5'7"	B.Sc	Army Capt.	J&K	Mahesh Dixit	Bhopal	7587598015

यह तो वह जानकारी है, जो हम अपने परिचितों व रिश्तेदारों को देते रहे हैं। आज हम समाज को भी दे रहे हैं। आप स्वयं भी समझें-बूझें। पत्रिका को ही जिम्मेदार न बनायें। 'कान्यकुञ्ज मंच' कानपुर

Sr. No.	Name	Gotra	Naadi	DOB	HEIGHT	EDUCATION	PROF.	SERV	LOCN.	PARENT NAME	HOMETOWN	MOBILE NO.
96	Chirag	Gautam	Antya	16.07.79	5'7"	B.com	Working	Mumbai	K.K.Trivedi	Kojara	8652898818	
97	Deepak	Shandilya		31.10.84	5'7"	Comp Engg	Working	Kanpur	R.N.Tiwari	Kanpur	9651045478	
98	Deepak	Bhardwaj		16.09.85	5'11"	IIT M.Tech	Bank Manager	Mumbai	Manju Trivedi	Kanpur	9415727581	
99	Deepankar	Upmanyu	Antya	03.06.88	5'8"	B Tech	Sofft. Engg.	Pune	D Dwivedi	Kanpur	9415479269	
100	Devesh	Bhardwaj		27.07.81	5'9"	B.Sc, MBA	Officer PSU	Gandhinagar	S.C.Shukla	Gandhinagar	9737877705	
101	Divyanshu	Katyan	Madhy	13.12.87	5'9"	MBA	Asst Mngr	Delhi	A.K.Mishra	Lucknow	9838792102	
102	Dr Dharmes	Kashyap	Aadi	13.11.83	5'9	B.D.S	Practice	Dubai	Mrs P.Tewari	Lucknow	9554477880	
103	Gajendra	Kashyap		31.08.89	5'8"	B.com	Business	Jabalpur	K P.Tiwari	Jabalpur	9907286364	
104	Gajendra	Upmanyu	Aadi	03.05.91	6'6"	B COM	Business	Jabalpur	K P.Tiwari	Jabalpur	9907286364	
105	Ganesh	Upmanyu		33 YRS.	5'8"	IIT,ISB	Service	Gurugram	O.P.Awasthi	Kanpur	9935317848	
106	Gaurav	Bhardwaj	Antya	19.12.91	5'8"	BE	Soft.	Banglore	D.Shukla	Raipur	9425205383	
107	Gaurav	Sankrit		25.11.89	5'6"	B.TECH	TCS	Gurugram	S.K.Shukla	Lucknow	7376535369	
108	Gaurav	Upmanyu	Madhy	27.04.88	5'10"	B.TECH, MBA	Reg. Mngr.	Lucknow	S.C.Bajpai	Lucknow	9452735770	
109	Gaurav	Shandilya		24.02.87	5'6"	MA	PNB	Kanpur	R.S.Mishra	Kanpur	9918475086	
110	Gaurav	Katyan		24.10.90	5'7"	BE	Project Engg	Pune	S.K.Mishra	Lucknow	8840284768	
111	Gaurav	Bhardwaj	Madhy	23.10.88	6"	B TECH	DELL	Noida	D.K.Pandey	Kanpur	7599101722	
112	Gaurav	Shandilya	Aadi	02.12.87	5'11"	B Tech(NIT), PGDM	ICICI Bank	NCR	O.S.Mishra	Kanpur	9935616625	
113	Gaurav	Shandilya	Aadi	16.01.84	6"	B.Tech	TATA Power	Orissa	S.Mishra	Lucknow	9415794058	
114	Gaurav	Kashyap	Antya	12.06.85	5'5"	B.TECH, MBA	Business	Orai	S.R.Dwivedi	Jalaun	8382947554	
115	Gaurav	Sandilya	Aadi	11.02.91	5'6"	B.Tech	Soft.Engineer	Delhi	S.D.Mishra	Hardoi	9811733294	
116	Gopal	Bharadwaj	Aadi	04.06.89	5'10"	B.Pharma, MBA	Manager	Hyderabad	S.Shukla	Hyderabad	9912820063	
117	Gopal	Kashyap	Antya	29.08.93	5'7"	Graduate	Indian Navy	Mumbai	M.N.Tripathi	Kanpur	7499687888	
118	Hari Mohan	Kashyap	Madhy	12.08.86	5'8"	B.COM, MBA	Service	Hyderabad	P.N.Dwivedi	Kanpur	9335432602	
119	Hariom	Bhardwaj	Madhya	07.03.88	188cm	B Tech NIT	MNC	Delhi	R.Shukla	Bhopal	9849158318	
120	Haritabh	Sankrit		30.09.86	5'7"	M B A	Self Employed	Kanpur	Ajay Shukla	Kanpur	9415050280	
121	Harsh	Bhardwaj		29.01.88	5'11"	B.Tech	MNC	Banglore	Jayant Shukla	Kanpur	9919333014	
122	Harsh Vardhan	Upmanyu		16.01.88	5'8"	B.Tech.,MS	Working	USA	P.K.Dwivedi	Delhi	9871898222	
123	Harshal	Kashyap	Aadi	19.12.88	5'9"	BA MSHW	Biz.	Maharastra	R.S.Tiwari	Risod	9921260143	
124	Harshit	Bhardwaj	Aadi	10.10.90	5'8"	B Tech	Jindal Power	Nasik	A V.Shukla	Kanpur	7376994244	
125	Hemant	Bhardwaj	Aadi	30 yrs	5'5"	LLB	Advocate	Lucknow	S N Pandey	Lucknow	9044421708	
126	Himanshu	Katyan	Antya	08.11.86	5'8"	B.Tech, MBA	MERCEDEZ	Bengaluru	P.K.Mishra	Varanasi	9451938889	
127	Himanshu	Kashyap	Madhy	21.06.88	5'8"	B.Tech	S/W Engg	Noida	S.K.Tripathi	Jhansi	9415266366	
128	Himanshu	Shandilya		22.09.88	5'7"	B.Tech	TCS	Pune	A.N.Dixit	Gorakhpur	8588071087	
129	Himanshu	Bhardwaj	Aadi	06.02.88	5'5"	BBA,MBA	Axis Bank	Mumbai	S.C.Shukla	Lucknow	9839014905	
130	Himanshu	Katyan		05.06.90	5'7"	B.Tech	Civil Engg.	Sultanpur	R.N.Mishra	Kanpur	9415727238	
131	Himanshu	katyan		05.06.90	5'7"	B sc B Tech	Civil Engg.	Ranchi	R N Mishra	Kanpur	9415727238	
132	Ishan	Upmanyu	Antya	16.6.89	5'7"	B.Sc	Army Capt.	J&K	Mahesh Dixit	Bhopal	7587598015	
133	Jayant	Upmanyu		10.09.87	5'7"	B.Tech.,MBA	MNC	Gurugram	P.K.Agnihotri	Kanpur	9936150917	
134	Jayprakash	shadilya	Madhya	22.08.84	5'7"	com. hard .eng.	Engineer	aurangabad	Vijay Mishra	Aurangabad	8482824522	
135	Kanhaiya	Upmanyu	Aadi	19.11.90	5'6"	B. Com,	Working	Andheri	K.Dubey	Jhansi	8007256328	
136	Kartik	Upmanyu		02.01.90	6"	M Tech	Engineer	Gurgaon	K Awasthi	Gujrat	9824233659	
137	Kartik	Upmanyu		02.01.90	6"	BE M tech	Working	Gurgaon	G Awasthi	Ghaziabad	9924292224	
138	Kartikeya	Katyayan	Madhy	25.11.88	6'	B.Com LL.B	Practicing	Noida	Suman Mishra	Delhi	9818678011	
139	Krishn Kumaar	Bhardwaj	Aadi	08.05.81	6'	MSc	Bhushan Steels	Orissa	R.Tiwari	Sagar	9993602972	
140	Kshitij	Upmanyu	Madhy	05.06.88	5'10"	B.Tech	MNC	Noida	V.K.Agnihotri	Gahziabad	8130743430	
141	Kshitij	Kashyap		24.03.91	5'10"	BE (BITS)	Working	Mumbai	P.Tripathi	Unnao	9804242502	
142	Kunaal	Shandilya	Antya	03.06.85	5'8"	B.Tech.,	S.W Engg	Mumbai	R.K.Mishra	Lucknow	9918383464	
143	Kunal	Bhardwaj	Aadi	22.01.84	6'1"	MBA	Working	Lucknow	Kunal Shukla	Lakhimpur	8808089152	
144	Kush	Sankrit	Antya	02.09.88	5'9"	B.Tech	Bharti Airtel	Mumbai	S.P.Shukla	Kanpur	9889553612	
145	Maanas	Kashyap	Madhy	30.10.84	5'11"	B.Com,MBA	MANAGER	New Delhi	R.N.Trathi	Lucknow	9453437464	

आप भी अपने पुत्र/ पुत्री की जानकारी इस स्तम्भ के माध्यम से देना चाहते हैं, तो हमें निर्दिष्ट प्रारूप के साथ ई-मेल/ क्वाट्सअप करें या पत्र लिखें। ई-मेल kkmanch@gmail.com/ 9310111069

Sr. No.	Name	Gotra	Naadi	DOB	HEIGHT	EDUCATION	PROF.	SERV	LOCN.	PARENT NAME	HOMETOWN	MOBILE NO.
146	Mahesh	Sankrit	Antya	14.12.89	5'9"	MBA	Bank	Jagdalpur	R K Pandey	Reewa	9109711683	
147	Maj. Ram	Upmanyu		27.03.89	5'8"	B.Tech	Indian Army		R.K. Dubey	Jabalpur	9424357435	
148	Malay	Kashyap	Aadi	19.09.90	5'8"	B.TECH	Bajaj	Lakhimpur	P.N Tiwari	Kanpur	9452364432	
149	Manish	Kashyap	Madhy	27.09.78	5'6"	M.Com, MBA, LLB	Advocate	Bhopal	G.M.Tripathi	Kanpur	9753416001	
150	Manu	Katyam	Aadi	06.07.84	5'8"	MCA MS	Working	Cikago	A.K.Mishra	Bareilly	9410431399	
151	Manu	Upmanyu	Antya	24.06.87	6'	B.Tech.,	P.O.Bank		R K Awasthi	Lucknow	9936213811	
152	Mayank	Bhardwaj	Aadi	22.12.83	5'10"	B.Tech.,	R Jio	Kanpur	P.Shukla	Kanpur	9807147903	
153	Mayank	Bhardwaj	Madhy	28.12.88	6"	B.Tech	Working	Bengaluru	P.R. Shukla	Jhansi	7869822090	
154	Mayank	Katyam	Aadi	17.10.85	5'8"	B.Des(NIFT)	Lifestyle	Bengaluru	S.K. Mishra	Kanpur	9415438164	
155	Mohit	Bhardwaj		09.10.89	5'6"	B.COM, BED	Business	Kanpur	O.P Shukla	Kanpur	9839104819	
156	Mohit	Bhardwaj	Aadi	19.08.92	5'9"	B Tech	L & T	Varodra	A Shukla	Agra	9528324823	
157	Mridul	Kashyap		15.08.88	5'6"	B.Tech	Ericsson	Delhi	A.K.Tripathi	Jhansi	9453622253	
158	Mukul	Upmanyu	Madhy	08.06.88	5'8"	BSc, MCA	Govt. Job	Lucknow	U.C. Bajpai	Lucknow	9889719019	
159	Mukul	Bhardwaj	Antya	02.10.92	5'7"	M.TECH	Assistant professor	Raipur	Ravikant Trivedi	Raipur	9425201545	
160	Narendra	Katyam		06.11.78	5'6"	B.A.	OWN Biz.	Kanpur	P.K.Mishra	Kanpur	7355717632	
161	Narendra	Shandilya	Madhy	07.12.86	5'11"	B.A., PGDCA	Self Employed	Indore	S.D Dixit	Indore	9424012517	
162	Nikhar	Kashyap		22.05.91	5'11"	B SC MBA	Senior Analyst	Gurugram	N Tripathi	Kanpur	8299726705	
163	Nikit	Kashyap		10.10.86	5'7"	BDS	Pursuing MDS	Jabalpur	R.K.Dixit	Jabalpur	9424471221	
164	Nishit	Katyam	Antya	03.09.88	5'8"	B.Tech.,	TCS	Lucknow	Vinodmishra	Lucknow	9415904841	
165	Nitin	Shandilya		23.04.87	5'9"	B.Com, MBA	Service	Amrawati	P Mishra	Amrawati	8600998355	
166	Nitin	Shandilya	Madhy	23.01.87	6'2"	MCA	Lecturer	Bhopal	Indresh Dixit	Bhopal	7000201357	
167	Nitish	Bhardwaj	Madhya	08.03.90	6'2"	B com MBA	Manager	Pune	VK Shukla	Pune	8806992260	
168	Oaj	Upmanyu	Madhy	20.04.90	6'3"	B.Com, MBA	Reliance	Mumbai	Mr Dubey	Indore	9424010082	
169	Pavan	Bhardwaj	Aadi	24.07.80	5'6"	MBA	MNC	Haidrabad	A.K.Shukla	Lucknow	9208720671	
170	Pawan	Upmanyu		24.04.84	5'7"	B.A.	Service	Jaunpur	O.P. Dewedi	Kannoj	9651587429	
171	Pourush	Upmanyu	Aadi	19.09.88	5'11"	BE, M.Tech	SBI	Durg	Arvind Awasthi	Bhilai	7409175092	
172	Prabhaat	Upmanyu		12.08.83	5'8"	M.BA.(ISB)	Working		A.K.Awasthi	Kanpur	9335523168	
173	Prakhar	Shandilya		26.03.91	5'9"	BBA	Self Employed	Kanpur	Meena Dixit	Kanpur	9044098331	
174	Pranjali	Kashyap	Antya	25.04.88	5'7"	B.Tech	HP	Bengaluru	Prakash Tiwari	Unnao	9450020858	
175	Prashant	Bhardwaj		27.07.90	5'11"	Graduate		SBI life	Narendra kumar	Kanpur	8450951647	
176	Prashant	Upmanyu	Aadi	11.03.84	5'10"	B.Tech.,MBA	Astt Mngr	Delhi	H.C.Awasthi	Kanpur	9936714491	
177	Prashant	Upmanyu	Antya	05.01.88	5'9"	M.Sc.(BITS Pilani	Oracle	Banglore	S.K.Awasthi	Kanpur	8720053266	
178	Prashant	Sawarn		22.12.83	5'8"	MCA	IBM	Gurugram	J.N.Tiwari	Kanpur	9415133084	
179	Prashant	Upmanyu		27.09.89	5'9"	B Com, MBA	Service	Delhi	A Awasthi	Lucknow	9450652296	
180	Prateek	Katyam	Aadi	26.10.89	5'11"	B.TECH, MBA	MNC		Beena Mishra	Kanpur	9347529454	
181	Prateek	Upmanyu	Madhy	01.04.87	5'11"	B.COM(DU), MBA(Aus)	Working	Australia	Vishnu Bajpai	Jaipur	7060253719	
182	Pritesh	Sankrit	Aadi	24.12.90	5'6"	B Tech	Company	Delhi	A Shukla	Kanpur	9454087264	
183	Pushpendra	Shandilya	Antya	13.06.84	5'8"	B.Tech.,(CSE)IT	IT Engg	USA	D.K.Dixit	Kanpur	9569193230	
184	Pushpendra	Kashyap		02.07.91	5'11"	B Tech	Govt.itnruction	Kanpur	Rajesh Tripathi	Kanpur	7510086965	
185	Rachit	Bhardwaj	Aadi	04.08.88	5'8"	B.Tech	HCL	Delhi	R K Upadhyaya	Fatehpur U.P	9810607978	
186	Raghav	Shandilya	Aadi	08.08.90	5'7"	M Tech	Analytics	Mumbai	S.K.MISHRA	Kanpur	9415590749	
187	Rahul	Kashyap	Madhy	16.11.83	5'11"	B. Tech, MBA	E Value Serve	Gurugram	Anand Tripathi	Etawah	9411993442	
188	Rahul	Kaushik	Antya	06.01.86	5'11"	B.COM, MBA	Self Employed	Sagar	S.G.Dubey	Sagar	8889022999	
189	Rahul	Katyam	Antya	04.09.89	5'11"	MBA	Parvite	Barily	B.K. mishra	bareilly	8126565600	
190	Raj Kishore	Katyayan	Aadi	04.05.70	5'9"	M.Com LL.B	Advocate	Hyderabad	G Mishra	Hyderabad	9848560876	
191	Rajan	Bhardwaj	Antya	12.01.90	5'9"	BE	Soft. Engg.	Pune	C Chaturvedi	BHOPAL	9406903868	
192	Rajiv	Katyam		19.06.90	5'10"	B Tech	MNC	Gurugram	N K Mishra	Kanpur	7275990253	
193	Ram	Sankrit		08.03.77	5'10"	B.Com	INVEST. ADVO.	Kanpur	G.S.Shukla	Kanpur	9889526808	
194	RamPrakash	Katyam	Aadi	26.07.88	5'9"	B.Tech, MS(USA)	WOrking	USA	M.P.Mishra	Raibarely	9793467216	
195	Ranaveer	Severn		28.08.85	5'10"	B.Tech.,	Oracle	Banglore	J.N.Tiwari	Kanpur	9415133084	

यह तो वह जानकारी है, जो हम अपने परिचितों व रिश्तेदारों को देते रहे हैं। आज हम समाज को भी दे रहे हैं। आप स्वयं भी समझें-बूझें। पत्रिका को ही जिम्मेदार न बनायें। 'कान्यकुञ्ज मंच' कानपुर

Sr. No.	Name	Gotra	Naadi	DOB	HEIGHT	EDUCATION	PROF.	SERV	LOCN.	PARENT	NAME	HOMETOWN	MOBILE NO.
196	Raval Sagar	Bharadwaj	Aadi	10.11.89	5'3"	10th, ITI	Business	Dist. Su.Nagar	Prabhansankar	Gujarat	8200989584		
197	Ravi	Bhardwaj		27.11.86	5'6"	B.Tech.,	HCL	Noida	A.K.Pandey	Lucknow	9451002606		
198	Ravi	Shandilya	-	13.09.87	6'2"	B.Sc	Manager Bank	Karnal	M.M. Mishra	Kanpur	9695666443		
199	Ravi	Kashyap		17.09.91	5'4"	B.Sc	Bank P.O	Raigarh	Santosh Tiwari	Kanpur	9005300831		
200	Rishee	Bhardwaj		07.11.88	5'11"	B.Tech	MNC	Banglore	Y.K.Pandey	Jaipur	9929115628		
201	Rishi	Kaundanya	Madhy	23.02.88	6'3"	B.E, M.Tech	Govt. Service	Jabalpur	Vinita Bajpai	Jabalpur	9755669043		
202	Ritam	Bhardwaj	Madhy	07.06.92	5'8"	B Tech	Amazon.com	Seattle	Pranav Shukla	Kanpur	9839212801		
203	Robin	Katyam	Madhy	24.08.86	5'9"	B.Tech	Asst. Manager	Mumbai	S.C.Agnihotri	Lucknow	9451063051		
204	Rohan			18.04.86	5'10"	LLM MBA	Manager	Mumbai	V Sharma	Amrawati	9370930777		
205	ROHIT	Upmanyu	Madhy	08.09.86	5'7"	B. Com	Service	Nasik	R.M Bajpai	Nasik	9623962111		
206	Rohit	Bhardwaj		16.06.92	5'6"	B COM	Business	Kanpur	O P Shukla	Kanpur	7860419999		
207	Rohit	Upmanyu	Antya	01.05.87	5'8"	BE, MS	Working	California	D.M Dubey	Solapur	9370422380		
208	Rohitash			09.05.85	5'8"	B.Sc,MBA	Working	Ghaziabad	S N Mishra	Barabanki	9451529439		
209	Saket	Kashyap		21.03.82	5'6"	BE ,	Govt Service	Maharastra	R K Tiwari	Narsigpur	9522616617		
210	Salil	Bhardwaj	Aadi	15.11.88	5'5"	B.TECH	Oracle	Chennai	A.K Dixit	Agra	9758935949		
211	Sandeep	Bhardwaj	Madhya	26.11.85	5'10"	B.E. (IT), M.Tech.(IT)	Assistant Professor	Nasik	P.G Shukla	Pansemal	9407492929		
212	Sanjay	Kashyap		08.06.71	5'4"	BA	Working	Raibereley	H.S.Tiwari	Raibarely	5352211555		
213	Sarvesh	Katyam		24.03.87	5'3"	BSc	Working	Kanpur	J.S. Mishra	Kanpur	9807878501		
214	Saurabh	Upmanyu	Aadi	16.09.89	6'	B Sc	Central Govt	New Delhi	A Dwivedi	Jhansi	9236923675		
215	Saurabh	Katyam	Antya	24.04.88	5'6"	MBA	Telenor	Lucknow	Arvind Mishra	Lucknow	9120110396		
216	Saurabh	Bhardwaj	Madhy	07.12.82	6'	M.Com .	Govt Service	Kota	R.K.Shukla	Kota	9414938823		
217	Saurabh	Bhardwaj	Aadi	01.06.84	5'6"	Diploma	VOLTAS	Kanpur	A.P.Shukla	Kanpur	9335121850		
218	Saurabh	Bhardwaj	Antya	19.12.91	5'9"	B com PGDCA	Civil		D Shukla	Raipur	9425205383		
219	SAURABH	Gargeya	Antya	16.06.91	5'10"	B.Tech, MBA	Colgate Palmolive	Chennai	L.K Pandey	Allahbad	9424120637		
220	Saurabh	Upmanyu	Aadi	27.08.88	5'7"	B.Tech, MBA	Asst. Manager	Lucknow	T.N Dwivedi	Lucknow	9936101701		
221	Shailendra	Shandilya	Madhy	23.07.83	6'	MBBS	Pursuing MD		R.C.Dixit	Unnao	9793261855		
222	Sharad	Upmanyu	Manglik	19.08.86	5'3"	MBA	MNC	Lucknow	S.K Awasthi	Lucknow	9696944128		
223	Sharad			26.10.85		BCA	Sales officer	Mumbai	S P Tiwari	Kanpur	9628835452		
224	Shashank	Kashyap		28.12.86	5'6"	B.Sc ,MBA	Working	USA	Umesh Tiwary	Delhi	9818707398		
225	Shashank	Bhardwaj		12.06.89	5'7"	B.Tech, BTC	Business	Kanpur	S.K Shukla	Kanpur	8793089751		
226	Shashwat	Bhardwaj		25.09.87		B.Tech,MBA		Dubai	R Pandey	Kanpur	9415733447		
227	Sheel	Kashyap	Antya	28.12.78	5'8"	M.Sc, MBA	Lecturer	Lucknow	G.H.Awasthi	Lucknow	9415794589		
228	Shilpesh	Katyam		19.05.90	6'2"	B.Tech,IIM	MNC	Pune	Mr.Mishra	Indore	8319627534		
229	Shishir	Bhardwaj	Antya	28 YRS.	5'8"	B Tech	MNC	Bengaluru	A K Trivedi	Shuklaganj	9451548120		
230	Shivam	Kashyap		01.02.88	5'9"	MCA	Working	Kanpur	R.K Tripathi	Kanpur	8381824446		
231	Shivam	Kashyap		24.12.90	5'8"	M Com,MBA	Head Cashier	Indore	Gaurav Tiwari	Indore	9827088489		
232	Shivam	Kashyap	Aadi	10.01.90	5'6"	MCA	TCS	Indore	VK Tripathi	Lucknow	9260969436		
233	Shivam	Bharadwaj	Madhya	23.08.92	5'11"	MBA (IIM)	Manufacturing	Business	H Shukla	Gujrat	9824155611		
234	Shobhit	Sankrit		04.03.93	5'8"	B.TECH	Automobile Engg	Banglore	V.P Mishra	Lucknow	9454835232		
235	Shounak	Bharadwaj	Aadi	10.07.89	5'11"	MBA	ICICI Pru	Lko	R N Pandey	Kanpur	9935430724		
236	Shreesh	Bhardwaj	Aadi	20.05.86	5'8"	B.Tech	Service	Jaipur	D.C.Pandey	Lucknow	9454455723		
237	Shrey	Sankrit	Madhy	23.12.82	5'9"	B Tech	TCS	Lucknow	S N Shukla	Lucknow	7846786559		
238	Shreyas	Kasyap	Aadi	31.10.88	5'7"	B Tech NIT	Business		A Trivedi	Maharastra	9820211630		
239	Shubham	Vats	Madhy	13.02.88	5'10"	B.Tech	Feam Industries LTD	Ahmedabad	Anil Tiwari	Etawah	9415409967		
240	Shubhendru	Upmanyu		09.11.86	6'	MS, PHD(USA)	Research Ast	Chicago	M.L.Trivedi	Pune	9096257755		
241	Shubrat	Kashyap	Aadi	17.06.83	5'8"	M.Com,MBA	Genpact	Gurugram	Ravi Tripathi	Kanpur	7275508227		
242	Siddhaartha	Kashyap		01.05.86	5'8"	B.Tech(IIT) M.Tech USA	Delloite	USA	Ashok Tripathi	Mumbai	9029020548		
243	Siddhaartha	Upmanyu		31.08.90	5'11"	B.Tech	Microsoft	Bengaluru	S.K.Awasthi	Kanpur	8423080830		
244	Sidharth	Bhardwaj	Madhy	17.07.88	5'7"	B Tech	Working	Pune	R K Pandey	Kanpur	9415210728		
245	Sonu	Bhardwaj	Aditya	11.11.85	5'7"	M Tech	Working	Noida	S K Pandey	Gwalior	9407015945		

आप भी अपने पुत्र/ पुत्री की जानकारी इस स्तम्भ के माध्यम से देना चाहते हैं, तो हमें निर्दिष्ट प्रारूप के साथ ई-मेल/ क्वाट्सअप करें या पत्र लिखें। ई-मेल kkmanch@gmail.com/ 9310111069

Sr. No.	Name	Gotra	Naadi	DOB	HEIGHT	EDUCATION	PROF.	SERV	LOCN.	PARENT	NAME	HOMETOWN	MOBILE NO.
246	Sonu	Bhardwaj	Aadi	24.11.85	5'9"	M Tech	MNC	noida	S K Pandey	Gwalior	9407465886		
247	Suchitan	Upmanyu	Madhy	29.11.86	5'11"	MBA	Lecturer	Kanpur	S.N.Trivedi	Kanpur	9839300303		
248	Sulabh	Sankrit	Antya	28.01.88	5'8"	MA, MBA	Share Broker	Kanpur	Sushil Mishra	Kanpur	9305488849		
249	Sunny	Shandilya	Antya	19.09.87	5'11"	B Tech NIT	Tata Motors	Mumbai	G Dixit	Gwalior	9425338155		
250	Suraj	Kasyap	Antya	06.03.89	5,7	MBA	Service	Durg	B Tiwari	Durg {C.G.}	9827190303		
251	Sushant			26.11.85	6'1"	B.Sc.MBA	Working	Delhi	H.D.Chaubey	Rajgarh	9939484830		
252	Suyash	Upmanyu	Antya	20.01.88	5'11"	B.Com.	Marketing Executive	Rajnandgaon	Sunil Bajpai	Kanpur	9301737555		
253	Udayan	Shandilya		22.11.86	5'5"	M.sc MBA	Govt. Ltd	Gwalior	Y D Mishra	Gwalior	9826297917		
254	Uma Kant	Upmanyu	Madhy	07.08.93	5'7"	B.Tech.,			B.P.Awasthi	Lakhimpur	9871706111		
255	Utkarsh	Shandilya		22.02.88	5'11"	M.Tech.(BITS)	MNC	Banglore	P.K.Mishra	Kanpur	7275743955		
256	Utkarsh	Katyam	Antya	05.06.86	5'9"	MBA	Medical Biz	Lakhimpur	D.C.Misra	Lakhimpur	9451687980		
257	Vaibhav	Garg	Madhy	16.06.91	6'1"	B.TECH	Bank(PO)	Merath	H.K Chaturvedi	Kanpur	9792877087		
258	Vaibhav	Bhardwaj		22.08.87	5'6"	B.Tech.,	Ericsson	Gurugram	K.K.Shukla	Kanpur	9958281964		
259	Vaibhav	Shandilya	Antya	04.06.90	5'6"	B.Com, MBA	AXIS Bank	New Delhi	V K Mishra	Pilibhit	9410626492		
260	Vaibhav	Upmanyu	Antya	30.07.90	5'9"	B.Tech	Power Plant	M.P	S.K. Bajpai	Merath	9358350093		
261	Vaibhav	Kashyap		27.01.88	6"	CS LLB	Working	Delhi	M Tiwari	Ghaziabad	8932072346		
262	Varun	Katyayan	Madhya	26.08.92	5'11	M.tech	Prism Cement	Noida	Nikita Chaturvedi	Gwalior	9975951479		
263	Ved Vikas	Shandilya	Antya	05.03.91	5'8"	M.SC. B.ED	Teacher	Ahmedabad	A.K Dixit	Unnao	9913200388		
264	Vijay	Kashyap	Madhya	01.01.91	5'4"	BSc (math), ITI	Self Employed	Bhopal	Aju Tiwari		7000069991		
265	Vikaas	Bhardwaj	Antya	26.10.82	5'4"	MCA	S.W Engg	Noida	K.K.Bhardwaj	Kanpur	9793821021		
266	Vikash	Kashyap	Antya	11.08.80	5'8"	MBA	Working	Ahmedabad	ROHINI	BHOPAL	9911005470		
267	Vikash	Upmanyu		10.10.82	5'10"	M COM	Private	Kanpur	V K Awasthi	Kanpur	6393239247		
268	Vimal	Kashyap	Aadi	10.01.88	5'7"	B.Tech.	Service	Pune	K Tiwari	Kanpur	9561478019		
269	Vinay	Upmanyu		02.12.76	5'8"	MA. LLB	Govt Service	Burhanpur	Mrs Awasthi	Burhanpur	9165311846		
270	Vinay	Upmanyu		08.11.89	5'8"	B Tech	Infosys	Hyderabad	K L Awasthi	Lucknow	9450458064		
271	Vinod	-	-	15.02.82	5'9"	-	Biz.	Kanpur	S N Diwedi	Kanpur	7398163285		
272	Vipresh	Upmanyu	Madhy	13.12.85	5'10"	B Tech. MBA	Working	Lucknow	Rajesh Dewedi	Kanpur	9450936845		
273	Vishaal	Garg		27.12.87	5'10"	BCA MBA	MNC	Delhi	R.K.Shukla	Lucknow	9936977763		
274	Vishal	Upmanyu		29.02.92	5'11"	B. S.C	Airforce	Hyderabad	G Bajpai	Kanpur	9889315397		
275	Vishal	Sandley	Antya	10.11.92	5,9"	M A	R Jio	Lucknow	S Mishra	Lucknow	9935832287		
276	Vishesh	Kaushik		30.04.92	6'2"	M.Com	Sr. Consultant	Melbourne	Vipin Dubey	Bhopal	8109838010		
277	Vishesh	Upmanyu	Madhy	15.01.90	5'7"	B. E	Hallmark aqua equipment	Raipur	D Dwivedi	Durg	9893462414		
278	Vivek	Upmanyu	Aadi	06.02.88	5'8"	B.TECH	Barclays	Pune	J.K Awasthi	Lucknow	9415547363		
279	Vivek	Bhardwaj	Aadi	07.11.84	5'10"	B.Tech.,	S.W Engg	Delhi	R.C.Pandey	Kanpur	9450327506		
280	Vivek	Kashyap		22.03.76	5'8"	B.Com	Service	Lucknow	S.K.Sharma	Lucknow	9450112576		
281	Vivek	Kashyap		10.07.73	5'6"	Double MA	Service	Kanpur	H.S.Tiwari	Kanpur	9455753557		
282	Vivek	Upmanyu		04.12.90	5'11"	MCA	Sofft. Engg.	Gurgaon	R S Tiwari	Kanpur	9839475032		
283	Yash	Bhardwaj		23.03.85	5'8"	B.Tech	Working	Delhi	P.Trivedi	Delhi	9868941052		
284	Yash	Shandilya	Madhya	12.01.89	5'8	Graduate	Sales	Delhi	A Mishra	Delhi	9718166678		
285	Yogendra	Bhardwaj	Antya	31.10.78	5'4"	B.A, L.L.B.	Lecturer	Kanpur	Y.K.Pandey	Kanpur	9455373843		
286	Yogesh	Bhardwaj		30.03.91	5'7"	B.Tech.,	Astt Mngr	Chennai	S.C.Pandey	Kolkata	9903633761		
287	Yogesh	Kashyap	Aadi	26.12.89	5'3"	M.com, MA, LLB	Advocate	Philibhit	Mrs Pathak	Bithra	9759718916		



वैवाहिक विवरण

युवती वर्ग



Sr. No.	Name	Gotra	Naadi	DOB	HEIGHT	EDUCATION	PROF.	SERV	LOCN.	PARENT NAME	HOMETOWN	MOBILE NO.
1	Aanchal	Upmanyu	Antya	05.07.97	5'4"	B.Arch	Student	Prayag	Alka Bajpai	Prayagraj	9451740652	
2	Aanima	Katyam	Aadi	21.07.84	5'5"	B.Com	Analyst	Lucknow	A Mishra	Unnao	9453830651	
3	Aarchi	Kashyap		16.03.94	5"	M.COM	PSU Bank	Lucknow	V.S Tiwari	Lucknow	9415471458	
4	Aarti	Katyam	Antya	22.10.86	5'2"	B.A	Working	New Delhi	S Mishra	New Delhi	9891444569	
5	Aditi	Katyam		10.07.90	5'6"	B E	MNC	Delhi	Mr. Mishra	Gurugram	9425808631	
6	Aditi	Bharadwaj	Antya	17.06.92	5'4"	B.Tech	MNC	Pune	S Pandey	Chandrapur	9822701972	
7	Aditi	Shaushravas		19.02.91	5'5"	B Tech IT	Working	T P Chaturvedi	Bhawani Mandi	9602914290		
8	Agrani	Bharadwaj	Antya	05.05.91	5'5"	B.tech MBA	MNC	Benglore	A Mishra	Bihar	9824119055	
9	Aishvarya	Shandilya	Aadi	06.10.89	5'6"	BE, MBA	Working	Indore	K C Mishra	M P	9826399568	
10	Aishvarya	Kashyap	Manglik	20.01.93	5'1"	B.Tech(CS)	Infosys	Pune	M Tripathi	Kanpur	9839803340	
11	Aishwarya	Shandilya	Aadi	10.06.89	5'6"	B E , MBA	MNC	Gurugram	C P Mishra	Indore	9926358889	
12	Akanksha	Kashyap	Madhya	29.10.83	5'4"	M. A	Service	Near Delhi	A Tripathi	Sitapur	9919114107	
13	Akanksha	Bharadwaj	Antya	09.04.87	5'4"	MBA	Working	New Delhi	R.B Pandey	Dehradun	9412047931	
14	Akanksha	Bhardwaj	Antya	06.09.89	5'	M.COM ,B Ed			Rajesh Shukla	Yamuna N.	9729537603	
15	Akanksha	Upmanyu		02.11.93	5'4"	Designing	Pursuing	Mumbai	A.P.Agnihotri	Jaipur	9829068476	
16	Akanksha	Bhargava	Antya	26.10.92	5'5"	B.E.(IT),	IBM	Pune	Manish Vyas	Nrsinhgarh	9039387942	
17	Akanksha	Upmanu	Aadi	08.08.92	5'4"	M Pharma	Manager,	Jaipur	S Agnihotri	Rajasthan	8239811234	
18	Akankshi	Bharadwaj	Aadi	09.11.88	5'1"	MA, B.ED			S.C Shukla	Unnao	9415919896	
19	Alka	Kashyapa	Aadi	28.04.84	5'3"	Double M A	Not working	N.A	R Tiwari	Madhoganj	8896078157	
20	Alpana	Kashyap		15.07.94	5'4"	B.Tech			R.C Tripathi	Kanpur	9450125156	
21	Alpika	Bhardwaj	Antya	35 YRS.	5'3"	M SC, M Ed	Teacher	Lucknow	P S Shukla	Lucknow	9451247895	
22	Amrita	Upmanyu	Aadi	15.06.86	5'3"	M.SC.B.ED.	Teacher	Hardoi	S.D.Awasthi	Hardoi	9415175655	
23	Amrita	Kashyap	Aadi	26.06.86	5'4"	MBA	INT. Designer	Delhi	H.K.Tripathi	Kanpur	9415740855	
24	Anamika	Bhardwaj		16.01.89	5'2"	BCA	Pursuing LLB		H.N. Pandey	Delhi	9312000133	
25	Anamika	Upmanyu	Madhy	12.09.90	5'4"	MBA	ICICI Bank		V N Bajpai		8931029856	
26	Anima	Shandilya	Aadi	01.12.89	5'5"	MCA			Rohit Mishra	Noida	9650060422	
27	Anjali	Upmanyu		20.08.89	5'5"	BE, M.Tech	MNC	Indore	Y Dubey	Indore	9926019465	
28	Anjali	Upmanyu	Aadi	01.02.78	5'3"	MA, B ED	Teacher	Kanpur	Geeta Bajpai	Kanpur	9450337411	
29	Anjusha	Kashyap		26.11.76	5'6"	MA , B Ed	Teacher	Lucknow	G N Awasthi	Lucknow	9415794589	
30	Ankita	Katyam	Madhy	18.08.88	5'4"	B.A.(GOLD)	Army Captain	Rajori	K.K.Mishra	Lucknow	9454523684	
31	Ankita	Bhardwaj	Madhy	17.05.85	5'2"	M A , NTT			P S Shukla	Lucknow	9451247895	
32	Ankita	Upmanyu	Madhy	28.05.90	5'2"	B.Tech	Working	Lucknow	Rakesh Bajpai	Lucknow	9451533833	
33	Ankita	Gautam	Antya	20.04.88	5'8&5.5"	B.tecM .tec	G I S develope	Hyderabad	S Mishra	Allahabad	9335932948	
34	Ankita	Sandilya	Antya	25.03.87	5'4"	M.sc.	Instructor	Korba	A.K Mishra	Banda	9907905612	
35	Anshita	Kashyap		23.05.93	5'2"	BE	Teacher		P Joshi		9893570774	
36	Anshul	Bharadwaj	Antya	18.07.89	5'7"	B.Com, MBA			Bhopal	Ashish Shukla	Unnao	9713426365
37	Anubhuti	Upmanyu		28.03.90	5'6"	B.TECH, LLB			Mr Agnihotri	Lucknow	9454382089	
38	Anupama	Kashyap		26.09.87	5'3"	B.D.S	Working	Faridabad	K.K.Tiwari	Faridabad	9811554485	
39	Aparajita	Bhardwaj	Aadi	24.12.88	5'2"	B Tech	S/w Engg	Pune	R K Pandey	Bhopal	9691999321	
40	Apoorva	Upmanyu		05.04.92	5'3"	B.TECH	PURSUING M	USA	S Dwivedi	Lucknow	8879600650	
41	Apoorva	Bharadwaj	Aadi	13.12.91	5'5"	B.Tech	No	No	C.K.Shukla	DURG	9827113544	
42	Aradhika	Shandilya		05.01.85	5'3"	BA	SBI(P.O)	Shahjahanpur	P.D Dixit	Lucknow	9807477078	
43	Arpita	Bharadwaj	Aadi	23.09.91	5'4"	BCA,M Tech	Wipro	Banglore	R K Shukla	Kanpur	9450455278	
44	Arti	Sabaran	Madhya	11.12.87	5'5"	M Ed PhD	Proff.	Indore	J Pandey	Indore	9303536152	
45	Asha	Katyayan	Aadi	26.12.89	5'4"	Msc B.ed	Lecturer		R Mishra	Nanded	8237448841	

आप भी अपने पुत्र/ पुत्री की जानकारी इस स्तम्भ के माध्यम से देना चाहते हैं, तो हमें निर्दिष्ट प्रारूप के साथ ई-मेल/ क्वाट्सअप करें या पत्र लिखें। ई-मेल kkmanch@gmail.com/ 9310111069

Sr. No.	Name	Gotra	Naadi	DOB	HEIGHT	EDUCATION	PROF.	SERV	LOCN.	PARENT NAME	HOMETOWN	MOBILE NO.
46	Astha	Shandilya	-	13.11.89	5.1'	B.Tech	PSU Bank	-	B.R. Mishra	Lakhimpur	8090688028	
47	Ashtha	Bhardwaj		18.10.91			Keliforniya	USA	R Pandey	Kanpur	9415733447	
48	Atoshi	Kashyap		30.07.94	5'3"	B Tech(CS)	Working	Banglore	M Tiwari	Kanpur		
49	Avantika	Bharadwaj		26.08.92	5'	PG Nutrition	VLCC	Delhi	S.M Pandey	Lucknow	9711602217	
50	Barkha	Kashyap	Antya	17.09.84	5'5"	BA	Working	Delhi	Mohit Tiwari	Delhi	9211232373	
51	Bhavana	Katyayan	Aadi	13.04.88	5'4"	MBA	Service	Pune	P Mishra	Pune	9765602161	
52	Bhavna	Katyayan		13.04.88	5'4"	BBA,MBA	Working	Pune	P Mishra	Pune	9823281661	
53	Chaaru	Upmanyu	Antya	14.11.89	5'5"	BTECH	Working	Noida	A.N.Dixit	Ghaziabad	9968941554	
54	Charitra	Katyayan	Aadi	02.08.89	5'2"	MA B.Ed.	Teaching	Hardoi	S Mishra	Hardoi	8896361961	
55	Charu	Bhardwaj	Aadya	12.08.86	5'4"	MCA MSC			U Sharma		9837031965	
56	Deepika	Upmanyu		24.10.86	5'3"	M.SC.PHD	Post Doctorate	USA	S.C.Awasthi	Kanpur	9451425376	
57	Devahuti	Shandilya		09.05.82	5'3"	B.A.,Journalism			D.D.Mishra	Kanpur	9621488942	
58	Dhaarana	Upmanyu	Madhy	20.12.87	5'4"	M.A.BSC.	POST OFFICE	Kanpur	R.K.Vajipai	Kanpur	9889058375	
59	Disha	Bharadwaj	Madhy	07.11.91	5'3"	B.COM, Inter CA	Tax Exc	Lucknow	R Shukla	Lucknow	8174097778	
60	Divya	Kashyap	Antya	23.02.86	5'2"	B.TECH.	Working	Canada	R.P.Tiwari	Kanpur	9451287700	
61	Divya	Bharadwaj	Aadi	12.02.95	5'2"	B.Sc, ITI	LMRC	Lucknow	Rajesh Tiwari	Jhansi	9451131195	
62	Divya	Sandilya		12.01.94	5'3"	BTC , B Ed		Etawah	G Dixit	Etawah	9627549800	
63	Dr Jyoti	Bhardwaj	Aadi	21.11.85	5'1"	MSc PhD	Research Offic	Patna	P Mishra	Patna	9934296441	
64	Garima	Shandilya		10.09.89	5'3"	M.COM, MBA			R.S Mishra	Kanpur	9918475086	
65	Garima	Bhardwaj		01.10.83	5'4"	MBA	Working	Lucknow	K.K.Pandey	Kanpur	9336998383	
66	Garima	Katyayan		15.01.85	5'2"	B E	SAP	Pune	C S Mishra	Khandwa M.P.	9425928788	
67	Garima	Kashyap		08.11.79	5'3"	MA, Bed			S.K. Tripathi	Bareilly	9897049336	
68	Garima	Upmanyu	Antya	12.12.88	5'5"	MBA	MNC	Gurugram	A.K Dixit	Lucknow	9451975400	
69	Geetanjali	Katyayan		15.07.75	5'2"	MA			S.K Mishra	Lucknow	9415003476	
70	Hemalata	Katyayan	Aadi	23.07.79	5"	M.sc Mba.	Working	Banglore	R Mishra	Unnav	9848759749	
71	Hemapriya	Shandilya	Madhy	05.05.87	5'2"	BA,LLM	Central govt.	Mumbai	G.K.Mishra	Lucknow	9412554697	
72	Hitakshi	Katyayan		21.11.88	5"	Graduate			N Trivedi	Kanpur	9839550809	
73	Indu	Katyayan	Madhy	20.04.88	5'3"	PG	ASSTT.MGR.	Lucknow	L.M.Mishra	Lucknow	9335915813	
74	Ira	Kashyap	Madhy	25.09.89	5'5"	BTECH, MS	Engineer	USA	Dr. M Tiwari	Kanpur	8130144400	
75	Ishita	Vats		23.11.88	5'2"	B Tech HTBI	Govt. job	Delhi	P Dubey	Kanpur	9450939433	
76	Itisha	Kashyap	Antya	17.01.83	5'2"	Diploma	Jwel Design		R.N.Tripathi	Lucknow	9453437464	
77	Jaahnavee	Katyayan		18.03.93	5'	B.SC.			Ai Mishra	Kanpur	9451013644	
78	Jaya	Upmanyu	Manglik	17.07.92	5'4"	BBA, CS			Umesh Bajpai	Kolkata	9433387217	
79	Jaya	Katyayan	Antya	24.07.89	5'3"	M Tech	MNC	Bangalore	A Mishra	Kanpur	9450635424	
80	Jhanvi	Bhardwaj	Aadi	15.08.88	5'3"	M.SC, M.PHIL	Pursuing PHD		R.B. Pandey	Sitapur	7376103009	
81	Kanak	Upmanyu	Divorcee	08.06.87		MA	Teaching	Bahraich	A Awasthi	Bahraich	9140487985	
82	Kanchan	Bharadwaj	Antya	29.07.82	5'5"	BA			C.P Shukla	Lucknow	9793027166	
83	Kanchan	Upmanyu		28.05.92	5'1"	MA	Teacher	Bahraich	A Awasthi	Bahraich	9140487985	
84	Kanchan	Kilawat		14.11.92	5'2"	BCA			V Vaishnav	Bhopal	9425091637	
85	Kavita	Upmanyu		24.06.87	5'6"	M.C.A MNIT	Soft. EngG.	Delhi	R.K.Awashti	Kanpur	9936213811	
86	Keerti	Bhardwaj		18.11.89	5'6"	M.SC.PHD.	FELLOWSHIP	Australia	K.N.Pandey	New Delhi	9971530438	
87	Khushbu	Bharadwaj	Antya	22.05.88	5'1"	MA, B.Ed	Working	Lucknow	M.K Shukla	Lucknow	7071329112	
88	Kriti	ghalaria	Aadi	15.11.92	5"	MCA	IT MNC	Noida	V Sharma	Mathura	9709550141	
89	Kritika	Upmanyu	Aadi	03.05.91	5'2"	M Tech Phd IIT	Asst.	Dhanbad	J K Awasthi	Lucknow	9415547363	
90	Kritika	Kashyap		27.07.92	5'6"	M.Tech			Arun Tiwari	Banda	9453283648	
91	Krtika	Bhardwaj		28.01.88	5'4"	MA(ENGLISH)	Journalist	New Delhi	K.N.Pandey	New Delhi	9971530438	
92	Krtika	Shandilya	Aadi	09.09.87	5'5"	B.SC.MBA	SBI	Kanpur	M Mishra	Kanpur	9695666443	
93	Laxmi	Kashyap	Aadi	06.08.83	5'2	B SC, MBA			S K Tripathi	Lucknow	9415584168	
94	Madhu	Upmanyu	Madhya	02.09.89	5'2"	BE	Software engin	Bangalore	R B Pathak	Ballia	9774009524	
95	Madhulika	Kashyap		03.08.80	5'1"	MA, B Ed , TET			Mrs Dixit	Lucknow	9455508981	

यह तो वह जानकारी है, जो हम अपने परिचितों व रिश्तेदारों को देते रहे हैं। आज हम समाज को भी दे रहे हैं। आप स्वयं भी समझें-बढ़ों। पत्रिका को ही जिम्मेदार न बनायें। 'कान्यकुञ्ज मंच' कानपुर

Sr. No.	Name	Gotra	Naadi	DOB	HEIGHT	EDUCATION	PROF.	SERV	LOCN.	PARENT	NAME	HOMETOWN	MOBILE NO.
96	Mahima	Shandilya	Antya	10.12.84	5'1"	BE	Soft. EngG.	Bangalore	R Mishra	GWALIOR MP	9425609290		
97	Malini	Upmanyu		01.04.77	5'2"	M.SC.,MED,PHE	Teacher		C.P.Awasthi	Lucknow	9452133470		
98	Mamata	Upmanyu		06.08.84	5'4"	MA .BED.	Teacher	Sitapur	G.K.Vajpai	Sitapur	9838303442		
99	Mandvi	Katyayan		13.12.95	5'1"	B.Com, MBA	Pursuing	Kanpur	G S Mishra	Kanpur	9839206130		
100	Mani	Bharadwaj		14.09.89	5'3"	MA, B.ED			R.K Pandey	Allahabad	9415612663		
101	Mansi	Shandilya	Madhy	30.12.87	4'11"	MBA	HR Manager	Delhi	A.K. Dixit	Lucknow	9451712383		
102	Meenoo	Katyayan	Antya	14.08.82	5'3"	M.SC.B.ED.			A.K.Mishra	Jhansi	9452919509		
103	Megha	Upmanyu		01.07.94	5'3"	MA	Teaching	Kanpur	R Awasthi	Kanpur	9311718232		
104	Monika	Shandilya	Madhy	16.12.89	5'6"	B.Com,MBA			B.N.Mishra	Amirpur	9450834983		
105	Monika	Bharadwaj	Antya	05.07.87	5"	Ph.D	Scientist	King George	Anita Pandey	Lucknow	8004747360		
106	Monika	Kashyap	Madhya	15.08.85	5'3"	B. Tech	Fash. Design	Delhi	G Tiwari	Udaipur	9414238854		
107	Naina	Bharadwaj		29.04.90	5'3"	B.TECH, MBA	Yes Bank	Mumbai	R.S Pandey	Lucknow	9044326357		
108	Namita	Bhardwaj		16.06.80	5'3"	M.A.(ENGLISH)	INT. Designer		S.P.Shukla	Lucknow	9415424508		
109	Namrta	Upmanyu	Aadi	11.01.81	5'6"	M.A.,Music			P Dubey	Kanpur	9839443316		
110	Neelam	Bhardwaj	Aadi	09.09.91	5'2"	M.Sc.			R.P.Shukla	Kanpur	8954084510		
111	Nidhi	Upmanyu		15.11.83	5'4"	M.A.(MUSIC)	Teacher		V.D.Awasthi	Lucknow	9415172212		
112	Nidhi	Upmanyu	Madhy	09.01.89	5'1"	M.sc.,B.Ed.	Working	Seoni	Mrs. Dubey	Seoni	9425843155		
113	Nidhi	Shandilya	Antya	19.02.79	5'2"	MA NIT			A Mishra	Allahabad	8318600210		
114	Nidhi	Kashyap	Madhya	21.03.89	5.3	M C A.	H D F C bank	Seoni. M.P.	K Dixit	Nainpur m.p.	9174681688		
115	Niharika	Upmanyu	Aadi	26.07.95	5'4"	Bcom, MA			Harda	Meena Dubey	9893228150		
116	Nikita	Kashyap		21.10.90	5'3"	BBE,MBA	IBM	Gurugram	S.S. Tiwari	Delhi	9899723609		
117	Nikita	Shandilya	Aadi	24.04.94	5'5"	B.tech	Saft.Eng.	Bangalore	P Mishra	Lucknow	6394743035		
118	Nilakshi	Katyayan	Antya	16.05.90	5'1"	B.COM,	CS(Pursuing)		N.C.Mishra	Lucknow	9415543919		
119	Nimisha	Shandilya		12.03.86	5'2"	Mass Com	Business	GOA	A.K. Mishra	Sitapur	9823173266		
120	Palak	Kashyap	Madhy	01.06.82	5"	MBA			Nairobi	Mrs Tiwari	Ahmedabad	7733803200	
121	Pallav	Sankrit	Aadi	21.01.87	5"	M tech, PhD	Service	New Delhi	S Shukla	Delhi	9811484078		
122	Pallavee	Kashyap		08.03.85	5'3"	BSC, B.ED	Govt. Teacher	Lucknow	Prashant Mishra	Lucknow	9415466226		
123	Pallavee	Sankrit		21.01.87	5'	M.TECH.(IIT)PHD.			S Shukla	Delhi	9811483078		
124	Pooja	Bhardwaj	Aadi	28.08.89	5'5"	M.B.A.			P N Trivedi	Unnao	9415987702		
125	Poornima	Upmanyu	Antya	12.08.80	5'5"	B.SC.MCA	S.F ENGG.	Bengaluru	S Awashti	Kanpur	9450125877		
126	Poorva	Kashyap		22.05.90	5'5"	B Tech MBA	Business		A Dubey	Raipur	9300201654		
127	Prachi	Bhardwaj	Aadi	17.02.87	5'5"	PGDMC MPA			R.K.Shukla	Lucknow	8081782725		
128	Prachi	Shandilya	Aadi	20.05.88	5'3"	MCA			A Mishra	Delhi	9311601401		
129	Prachi	Kashyap		01.06.85	5'5"	B.TECH.(IIT)	SBI(P.O)	Lucknow	Deepti Dixit	Lucknow	9838610666		
130	Pragati	Upmanyu		07.01.87	5'4"	MBA	MNC	Noida	D.S.Bajpai	Lucknow	9454644228		
131	Pragati	Shandilya	-	24.06.92	5.3'	B-Tech	-	-	Dr. V.P. Dixit	Allahabad	9415283021		
132	Pragya	Kashyap		30.07.90	5'6"	BSc, MA, Bed	Teacher	Urai	R.K. Dixit	Urai	9453554259		
133	Pragya	Bhardwaj	Aadi	06.04.87	5.2'	B-Tech	MNC	Bengaluru	B.K. Shukla	Kanpur	9450130799		
134	Pramita	Katyayan		29.06.81	5'1"	M.A,PHD,MPHIL	Working	Delhi	P.N.Mishra	Delhi	9013201099		
135	Pratiksha	Katyayan	Madhy	17.08.88	5'11	B SC, M C A	Working	Pune	Ashok Mishra	Kanpur	9839248275		
136	Pratiti	Upmanyu	Antya	10.12.91	5'4"	B tech	Accenture	Noida	Sunit trivedi	Lucknow	9415546277		
137	Preeti	Kashyap	Aadi	22.12.90	5'5"	MBA	Working	Mumbai	Avinash Tripathi	Mumbai	9320981363		
138	Preeti	Shandilya	Madhy	15.08.94	5'3"	MSc Bed.			D N Dixit	Kanpur	8932007700		
139	Prekshee	Bhardwaj	Aadi	26.11.88	5'6"	M.A.B.ED.(DU)	Teacher	Noida	A.R.Shukla	Noida	9818648629		
140	Priya	Bhardwaj	Aadi	26.08.91	5'5"	B.Corn, S.W			P N Trivedi	Unnao	9415987702		
141	Priya	Bharadwaj	Madhy	02.02.89	5' 7"		Assistant veter	Gwalior	Rajeev Shukla	Gwalior	9926292469		
142	Priyam	Upmanyu		20.07.88	5'3"	MBA	MNC	Pune	A.K.Awasthi	Kanpur	8604956305		
143	Priyanka	Bharadwaj	Madhy	17.11.94	5'5"	B.COM,BTC			D.D Shukla	Unnao	9451149985		
144	Priyanka	Bhardwaj		16.08.88	5'2"	BDS	Pursuing MBS		A.K.Pandey	Jaipur	9829094797		
145	Priyanka	Bhardwaj		27.09.87	5'4"	B.TECH.MBA	TCS	Mumbai	A. Shukla	Kanpur	9935590475		

आप भी अपने पुत्र/ पुत्री की जानकारी इस स्तम्भ के माध्यम से देना चाहते हैं, तो हमें निर्दिष्ट प्रारूप के साथ ई-मेल/ क्वाट्सअप करें या पत्र लिखें। ई-मेल kkmanch@gmail.com/ 9310111069

Sr. No.	Name	Gotra	Naadi	DOB	HEIGHT	EDUCATION	PROF.	SERV	LOCN.	PARENT NAME	HOMETOWN	MOBILE NO.
146	Priyanka	Upmanyu	Aadi	15.10.82	5'4"	B.COM.MBA	Working	Noida	J.N.Bajpai	Kanpur	8978480521	
147	Priyanka			29.08.84	5'4"	B.SC,MBA			Shri.Pandey		9838959360	
148	Priyanka	Kashyap		05.11.81	5'8"	BDS	Working	Kanpur	Rajesh Tiwari	Kanpur	9839163346	
149	Priyanka	Upmanyu	Antya	22.03.88	5'4"	MCA	S.W ENGG.	Noida	M Agnihotri	Kanpur	8052408397	
150	Priyanka	Vats	Antya	02.01.89	5'5"	BE, MBA	MNC	Mumbai	Ravi Tiwari	Raipur	9425207900	
151	Priyanka	Bharadwaj	Madhy	20.11.85	5'8"	MA CSJMU	Teacher	Unnao	Manju Trivedi	Unnao	9807314054	
152	Priyuttama	Katyam	Madhy	12.05.88	5'4"	M.A.B.ED.PHD.			K Mishra	Lakhimpur	9452040268	
153	Pushpanjali	Bharadwaj	Aadi	12.05.92	5'2"	B.Tech, BTC	BTC Training	Jhansi	Rajesh Tiwari	Jhansi	9451131195	
154	Pushpika	Katyam	Aadi	20.09.90	5'1"	MCA	Wipro	Pune	R P Mishra	Kanpur	7703091096	
155	Raashi	Shandilya	Madhy	10.09.77	5'3"	M.Sc.(Mass Com)	Asstt Prof.	Lucknow	G.K.Mishra	Lucknow	9412554697	
156	Rachana			15.01.81	5'	MBA	JP CEMENT	Noida	R.S.Mishra	Kanpur	9935349163	
157	Ragini	Bhardwaj	Antya	10.02.88	5'4"	BHMS	P.G.	Pune	Girish Shukla	Kanpur	9839105203	
158	Ragini	Bharadwaj	Antya	02.10.88	5'4"	BHMS	Private	Pune	G Shukla	Kanpur	8960362415	
159	Rajni	Upmanyu	Antya	14.07.92	5"	Mtech	Not working	No	Mrs D Pathak	Farrukhabad	9999667148	
160	Rajni	Upmanyu		15.07.92	5'	M Tech	Pursuing	Delhi	A Pathak	Delhi	9811131680	
161	Rashmi	Vats	Madhy	12.08.87	5'1"	CS, LLB	Practice	Noida	Rajesh Tiwari	Delhi	9910507601	
162	Rashmi	Upmanyu	Antya	12.06.90	5'4"	B.COM, MBA	MNC	Lucknow	R.K.Awashti	Lucknow	9457203523	
163	Rashmi	Upmanyu	Madhya	25.09.76	5'2"	BSC, PGDCA	nil	nil	T R Pathak	Jabalpur	9754346532	
164	Rashmi	Sankrit		30.07.86	5'4"	B Sc MBA	MNC	Noida	Mrs Mishra	Kanpur	7752946783	
165	Rashmi	Bhardwaj	Madhya	14.08.86	5'2"	BA	Teaching	Saharanpur	M Shukla	Saharanpur	9456272806	
166	Ratna	Bharadwaj	Madhy	15.01.86	5'6"	MBA	HDFC Bank	Bangalore	R.K Dixit	Durg	7987456198	
167	Ratna	Kashyap	Aadi	06.08.87	5.5"	BSC (BIO)	-	-	R K Mishra	Lucknow	9450672302	
168	Reema	Upmanyu		30.11.94	5'3"	B.Com	Pursuing MBA		Pushplata Awasthi	Hyderabad	7093757018	
169	Reena			01.07.83	5'6"	MA NTT	Teaching	Jhansi	R Bajpai		7275586913	
170	Renu	Bhardwaj	Aadi	10.08.81	5'6"	B.A.NTT	Teacher	Jhansi	Aruna Shukla	Jhansi	9450978618	
171	Renu	Sankrit	Aadi	05.02.87	5'3"	MA	Working	Delhi	M K Mishra	Delhi	9971356179	
172	Richa	Katyam	Antya	24.07.90	5'2"	B.SC	BSNL	Lucknow	M.B Mishra	Lucknow	8957039739	
173	Richa	Shandilya	Madhy	30.09.91	5'3"	B.COM,MBA			K.S Mishra	Lucknow	9415469103	
174	Richa	Upmanyu	Aadi	24.07.82	5'1"	M.A.SOCIO.	Teacher	Lucknow	G.P.Dwivedi	Lucknow	9453691616	
175	Richa	Katyam		15.03.84	5'4"	M.TECH.MBA	ASST.PROF.	Kanpur	Sunil Mishra	Kanpur	9453045754	
176	Richa	Bhardwaj	Madhy	20.12.84	5'2"	B Sc, B Ed, TET			Mrs Shukla	Hardoi	9026399895	
177	Richa	Bhardwaj		20.03.90	5'2"	M.Com	CS	Kolkata	B.K. Shukla	Kolkata	9433725630	
178	Richa	Upmanyu	Madhy	06.04.85	5'7"	B.Com, M.Com, MBA			R.L Dwivedi	Lucknow	9919127170	
179	Richa	Kashyap	Madhya	03.07.85	5'3"	M.Sc (BHU)	HSBC	Sydney	S K Tripathi	Unnao	8299676613	
180	Rita	Swarna		27.12.86	5'2"	BA(DU)	Working	Delhi	Mr Mishra	Delhi	8527525001	
181	Ritambhara	Bhardwaj	Aadi	28.03.90	5'3"	MBBS	MD	Kanpur	D.S.Shukla	Kanpur	9358352758	
182	Rubi	Upmanyu	Madhy	04.09.89	5'2"	MA	Teacher	Unnao	S.K. Dwivedi	Unnao	9451875789	
183	Ruby	Shandilya	Antya	20.03.84	5'5"	B.TECH.	Working	Noida	R.C.Dixit	Kanpur	9369019377	
184	Ruhi	Upmanyu	Aadi	01.07.92	5'4"	M.TECH			Rajiv Dubey	Gwalior	7999578530	
185	Saakshi	Sandilya		15.02.90	5'5"	B. ED	MNC		R Sharma	Bilaspur	9644229911	
186	Sachi	Bhardwaj	Antya	12.02.91	5'4"	B.Com, CA	CA Final Yr.	Lucknow	Naveen Shukla	Bareilly	9415966739	
187	Sakshi	Shandilya	Madhy	27.03.89	5'2"	MCA	GOVT.Working	Lucknow	S.N.Dixit	Lucknow	8765677207	
188	Samvedana	Upmanyu	Aadi	17.03.87	5'8"	B.Tech, MBA	Working	Chicago	R.N Agnihotri	Jaipur	7355619597	
189	Sarika		Antya	03.08.82	5'4"	MBBS DGO DNE DOCTOR			V.B.Pandey	Manpuri	9411936187	
190	Saroj	Upmanyu	Madhy	20.10.89	5'9"	MA	Reacher	Ghatkopar	Indira Trivedi	Raebareilly	9167644809	
191	Sashi	Katyam	Madhya	30.12.84	5'3"	B.Sc PGDCA,	Hospital	Nasik	A Mishra	Sitapur	7972186431	
192	Saumya	Upmanyu	Antya	09.12.92	5'4"	B. Tech	Asst. Manage	NCR	Vivek Bajpai	Lucknow	9415011433	
193	Saumya	Bharadwaj	Aadi	22.05.87	5'3"	MBA	Govt. Bank(PC	Lucknow	M Shukla	Lucknow	9161099365	
194	Saumya	Katyam	Aadi	07.01.91	5'4"	BSC			K.K Mishra	Lucknow	7905134117	
195	Savita	Upmanyu	Antya	22.08.86	5'	BSC, ADCA	Teacher	Telibagh	Pankaj Dwivedi	Lucknow	9455871884	

यह तो वह जानकारी है, जो हम अपने परिचितों व रिश्तेदारों को देते रहे हैं। आज हम समाज को भी दे रहे हैं। आप स्वयं भी समझें-बढ़ों। पत्रिका को ही जिम्मेदार न बनायें। 'कान्यकुञ्ज मंच' कानपुर

Sr. No.	Name	Gotra	Naadi	DOB	HEIGHT	EDUCATION	PROF.	SERV	LOCN.	PARENT	NAME	HOMETOWN	MOBILE NO.
196	Savita	Upmanyu		13.03.90	5'4"	BA	working	Delhi	A Dubey		Delhi		8587824125
197	Seema	Upmanyu	Madhy	30.08.91	5'7"	MA (Hindi)	Working	Lucknow	V K Bajpai		Sitapur		9453632175
198	Seema	Upmanyu	Antya	21.10.83	5'3"	B. ED	Private teacher	Lucknow	Ashok awasthi		Lucknow		8318401171
199	Shailesh	Katyam	Madhy	27.09.80	5'1"	M.SC.PHD.	Asstt Prof.		S.S.Mishra		Kanpur		9450120999
200	Shailja	Upmanyu		29.03.86	5'2"	MA, Bed			R.P. Dubey		Kanpur		9415134056
201	Shalini	Katyam		18.04.85	5'3"	M.A.ENG.			U.C.Mishra		Kannauj		9838336002
202	Shalini	Shandilya		01.09.82	5'4"	PHD.(HISTORY)	Working	Lucknow	Mishra		Lucknow		9415562096
203	Shalini	Upmanyu	Antya	28.02.91	5'4"	MA, Bed	Teacher		S.K Dwivedi		Etawah		9411637376
204	Shatakshi	Shantanu	Aadi	08.05.85	5'4"	MBA	MNC	Gurugram	S.Tiwari		Lucknow		9897672982
205	Shikha	SHRAVAN	Aadi	09.02.93	5'5"	M.SC(IT)	MNC	Ahemdabad	K.C. Pandey		Ahemdabad		9825069461
206	Shikha	Bharadwaj	Madhya	05.02.92	5'8"	Bcom MBA	Working	Pune	R Tiwari		Amravati		9766219316
207	Shipra	Upmanyu		27.07.88	5'5"	BPT	Fortis Hospital	New Delhi	H Awasthi		Kanpur		8896151617
208	Shipra	Bhardwaj		10.06.88	5'5"	B.COM.(DU)	CPA	USA	J.S.Shukla		Lucknow		9838896043
209	Shivangi	Katyayan	Antya	26.01.90	5'2"	B.A. , M.A	Studying	NO	B Mishra		Farukhbad		9452261234
210	Shivani	Bharadwaj		14.12.90	5'2"	B.TECH			S.K Pandey		Lucknow		8687858087
211	Shivani	Bharadwaj	Madhya	26.09.91	5'4"	MBA	Sr HR Executiv	Gurgaon	R N Pandey		Lucknow		9452841545
212	Shiwani	Vtsa	Madhya	03.06.89	5'3"	MBA	Manager	Barabanki	K Mishra		Lucknow		9415083311
213	Shraddha	Upmanyu	Aadi	13.05.86	5'5"	B.TECH	MNC	Coimbatore	S Trivedi		Telangana		8121717563
214	Shreyasi	Shandilya	Madhy	26.10.94	5'6"	B.Tech	Engineer	Mumbai	R.K. Dixit		Kanpur		7376692193
215	Shrushti			08.10.85		BA MBA	Asst. Professo	Kanpur	V Bajpai		Kanpur		8187923891
216	Shruti	Upmanyu	Aadi	10.06.88	5'7"	B.SC.MBA	Working	Hyderabad	S.K.Trivedi		Hyderabad		8121717563
217	Shruti	Katyam		09.12.78	5'3"	B.COM,CA.	Working	Mumbai	A.K.Mishra		Lucknow		9336506078
218	Shruti	Upmanyu	Aadi	30.06.90	5'4"	B.TECH, M.TECI	Asst. Professo	Delhi	Mukul Awasthi		Delhi		9810323466
219	Shubhee	Kashyap		23.06.86	5'3"	DIP. ELEC.COM	Working	Delhi	D.K.Dubey		Delhi		9582628003
220	Shubhra	Shandilya	-	04.09.89	5.1'	M.Sc ,	B E Pursuing	Kanpur	K K Dixit		Raibareli		9336233987
221	Shveksha	Sankrit		25.01.86	5'4"	BTC	Teacher	Etawa	D.K.Dixit		Etawah		9410487189
222	Shweta	Upmanyu	Antya	30.11.86	5'3"	B.SC.	Web Designer		B.N.Bajpai		Kanpur		9450325085
223	Shweta	Upmanyu	Antya	25.08.84	5'	B H M S	Doctor	Kanpur	A K Awasthi		Kanpur		9532098695
224	Shweta	Bharadwaj		03.04.89	5'3"	MBA	Working	Etah	S Pandey		Mainpuri		7520323248
225	Shweta	Kashyap		12.05.87	5'5"	MS(USA)	Biz Analyst	USA	S Tiwari		Hyderabad		9293765791
226	Shweta	Vashisht		06.04.88	5'3"	B.COM, MBA	Teacher	Kanpur	O.K. Sharma		Kanpur		9889736208
227	Shweta	Katyam	Madhy	28.12.83	5'6"	B Sc	DO, LIC	Kanpur	A K Mishra		Kanpur		9838792102
228	Shweta	Bharadwaj	Madhya	09.05.86	5'1"	B Sc, B Ed			Geeta Dixit		Gwalior		9406581038
229	Smriti	Upmanyu	Antya	30.06.91	5'4"	MBBS	Working	Lucknow	B.D Bajpai		Lucknow		9532276081
230	Sonal	Gautam		10.12.81	5'5"	M.A.MBA.			B.D.Malwi		Kanpur		9451845631
231	Sonal	Upmanyu		04.05.90	5'3"	B Tech	Accenture	Bangalore	R K Bajpai		Kanpur		9415477656
232	Sonal	Upmanyu	Madhya	04.04.90	5'2"	B Tech			Usha Dubey		Lucknow		9936573750
233	Sonali	Bhardwaj	Aadi	14.02.86	5'5"	B.TECH.	S.W ENGG.	Hyderabad	A.N.Pandey		Kanpur		9415483587
234	Soumya	Katyam	Madhya	24.06.90	5'4"	BCA MS	MNC	Hyderabad	G D Mishra		Kanpur		9452496423
235	Soumya	Katyam		24.07.90	5'2"	M A			R K Mishra		Lucknow		7905134117
236	Srishti	Upmanyu	Madhya	11.04.92	5'6"	B. Arch	Manager	Mumbai	Vijay Bajpai		Nagpur		9422140541
237	Stuti	Kashyap	Antya	19.11.89	5'	B.Tech	Bank of India	Lucknow	Amal Dixit		Lucknow		7052969469
238	Stuti	Garg	Madhya	15.06.91	5'4"	MBA	Oyo	Gurgaon	A K Chaturvedi		Kanpur		9415478711
239	Suchi	Katyam	Aadi	16.06.92	5'5"	B.TECH	PSU	Gurugram	R.S Mishra		Lucknow		9415752075
240	Suchi	Bhardwaj	Aadi	24.02.82	5'3"	M SC, B ED	GOVT Teacher	Unnao	R N Trivedi		Unnao		9452347648
241	Suchita	Bhardwaj		02.05.91	5'5"	B Tech MBA	MNC	Bangalore	S C Shukla		Kanpur		9868590585
242	Sudha	Sankrat	Madhy	02.01.88	5.3"	MSc , Bed	Teacher	Lucknow	S C Dwivedi		Lucknow		8127797926
243	Suman	Kashyap	Aadi	03.05.91	5'6"	M.COM, BED			Akhilesh Tiwari		Kolkata		6294217393
244	Sunaina	Upmanyu	Aadi	22.11.93	5'1"	M. Sc	Pursuing BEd		A.K Agnihotri		Shahjahanpur		9458323288
245	Surbhi	Kaushik	Madhy	31.07.89	5'2"	Bpharma, MBA	Pharma	Amravati	S Kauskiya		Amravati		8411837994

आप भी अपने पुत्र/ पुत्री की जानकारी इस स्तम्भ के माध्यम से देना चाहते हैं, तो हमें निर्दिष्ट प्रारूप के साथ ई-मेल/ क्वाट्सअप करें या पत्र लिखें। ई-मेल kkmanch@gmail.com/ 9310111069

Sr. No.	Name	Gotra	Naadi	DOB	HEIGHT	EDUCATION	PROF.	SERV	LOCN.	PARENT NAME	HOMETOWN	MOBILE NO.
246	Surbhi	Kashyap	Aadi	29.08.90	5'4"	BDS, MPH	Associate	Puducherry	Sudha Dixit	Ujjain	9826816266	
247	Swapna	Shandilya	Madhy	02.12.89	5'2"	MBA			P.D.Dixit	Indore	9425152103	
248	Swarnim	Upmanyu	Madhya	27.07.92	5'6"	B.B.A, MBA	Working	All over India	P Bajpai	KANPUR	9889613890	
249	Swati	Bhardwaj		20.06.89	5'6"	MA.M.PHIL	Studying		A.C.Shukla	Kanpur	9415428625	
250	Swati	Shandilya	Antya	1.1.86	5'4"	B.SC.MBA	MNC	Bengaluru	B.L.Mishra	Bhopal	9826277688	
251	Sweta	Kashyap	-	14.10.83	5'6"	M.SC	Labour Officer	Kanpur	S J Tripathi	Kanpur	9936857835	
252	Sweta	Bhardwaj		03.04.89	5'3"	MBA	Working	Etawa	S Pandey	Mainpuri	7520323248	
253	Tanushree	Upmanyu	Manglik	22.04.89	5'4"	MA, B.ED	Teacher	Lucknow	U.S Pathak	Lucknow	7379163000	
254	Urvashi	Upmanyu	Antya	05.10.91	5'4"	M.Com	Govt Serv		D k Dubey	Gwalior	9826258558	
255	Vaibhavi	Shandilya	Manglik	30.12.90	5'4"	BBA, PGDM			Arun Mishra	Delhi	9873329133	
256	Vandana		Aadi	03.11.83	5'3"	MA, Bed	Principal	Ghaziabad	D Mishra	Delhi	9268332289	
257	Vartika	Upmanyu	Antya	13.02.90	5'2"	BCA, MBA	Working	Lucknow	S Dubey	Lucknow	9335907020	
258	Vidya	Katyayan	Antya	04.01.85	5'2"	M.A.B.ED.TET			K.K.Mishra	Kanpur	9792180122	
259	Yamini	Bhardwaj	-	01.11.95	5'	MBA	HR Mgr	Kanpur	S K Pandey	Kanpur	9451283887	
260	Yashashvi	Kashyap	Divorcee	13.05.81	5'10"	BBA,MBA	MNC	Mumbai	P Shukla	Allahabad	9545599345	

यह तो वह जानकारी है, जो हम अपने परिचितों व रिश्तेदारों को देते रहे हैं। आज हम समाज को भी दे रहे हैं। आप स्वयं भी समझें-बूझें। पत्रिका को ही जिम्मेदार न बनायें। 'कान्यकुञ्ज मंच' कानपुर

कान्यकुञ्ज मंच के आगामी अंक में विवाह योग्य युवक-युवतियों का वैवाहिक विवरण प्रकाशित करने हेतु इंटरनेट ब्राउजर में

<http://goo.gl/farms/fcoZfkPcU9> टाइप कर रजिस्टर करें।

प्रेम और विवाह

- सौरभ अवस्थी, मुम्बई

- प्रेम वह सामूहिक चेतना है जिस पर सारे मानवीय सम्बन्ध आधारित हैं।
- प्रेम सम्बन्ध पारस्परिक सेवा और उत्साह के सुअवसर के अतिरिक्त और कुछ नहीं है।
- प्रेम बन्धन में बंधने वाले दोनों साथियों में आत्मसम्मान की थिस बुद्धि तथा सुविकसित सामाजिक भावना होनी चाहिए।
- दोनों ही को एक-दूसरे को नीचा दिखाकर अधिक प्रतिष्ठा प्राप्त करने की विकृत प्रतिद्वन्द्विता से मुक्त होना चाहिए।
- अनेक दम्पति जो आरम्भ में सब प्रकार से सूखी होते हैं, बाद में दुखी रहने लगते हैं। क्योंकि मनुष्यों का मानसिक और आध्यात्मिक विकास विभिन्न गतियों से होता है।
- विवाह-बंधन सारे अभावों की दूर करने की रामबाण ओषधि नहीं, वरन् एक ऐसा कर्तव्य है जो वर्षों में पूरा किया जा सकता है और वह भी किसी जादू की लकड़ी के स्पर्श से नहीं बल्कि सतत परिश्रम और सहानुभूतिपूर्ण सहयोग से।
- विवाह सम्बन्धित सारी बातों को अच्छी तरह समझ लीजिए तथा जिस समाज में आप रहते हैं उसकी सर्वश्रेष्ठ मान्यताओं

के अनुसार जितना सहयोग आप कर सकते हैं, उसमें कुछ भी उठा न रखें।

- मत भूलिए विवाहित जीवन के आनंद को स्थाई बनाये रखने के लिए कभी-कभी पति-पत्नी को अलग रहना भी आवश्यक है।
- परिग्रहवृत्ति, ईर्ष्या, प्रतिद्वन्द्विता, या आवश्यकता से अधिक प्रेम प्रदर्शन ये सभी भावात्मक अपरिपक्तता के द्योतक हैं। पुरुष का द्वेष उसकी हैं भावना का परिचायक है तथा अपने साथी को हमेशा बांध रखने की परिग्रहवृत्ति असुरक्षिता की भावना प्रकट करती है।
- विस्तृत एवं उदार मानवीय प्रकृति तथा सहयोग के आधार पर आगे बढ़ने, कष्ट उठाने और सुख-दुख में भाग लेने की अन्तरप्रेरणा - ये ही दिन प्रतिदिन की प्रेम समस्याओं को सफलतापूर्वक सुलझाने के मूलमंत्र हैं।
- अंतर्जातीय विवाह से देश का विकास होगा और महिलाओं की स्थिति बेहतर होगी, यह बात सही नहीं है। सारी जवाबदेही लड़की की बना दी जाती है। वह किसी से किसी भी तरह की शिकायत नहीं कर सकती। जबकि सामाज्य विवाहों में कम से कम एक परिवार तो दर्द में साथ देने के लिए तैयार रहता ही है।
- भारतीय समाज में विवाह दो व्यक्तियों के बीच नहीं होता, दोनों से जुड़े माहौल के बीच होता है। जिसमें दोनों के परिवार, उनके परिवेश, उनकी कल्पना और विश्वास सभी कुछ शामिल हैं।

- 7021992438

मृत्यु से साक्षात्कार

- जीवित रहते हुए ही मृत्यु का बोध व्यक्ति का काल से परिचय है। काल जिसका मित्र या पथप्रदर्शक बन जाये, काल जिसको अपने साथ के चले, उसको भला किसी अनिष्ट, अघटन का क्या भय।
- बालक स्कूल जाते समय रोता है, चिन्हाता है। कारण स्पष्ट है उसे दो प्रकार की चिंताएँ- प्रथम परिचित जगह एवं माता-पिता, भाई-बहन से दूर होना तथा द्वितीय अपरिचित, अज्ञात स्थान और वहां के रीतिविवाजों से एवं साथियों से अपरिचित होना। ठीक उसी भाँति मृत्यु के समय भी डर लगता है। कारण- अज्ञात स्थान तथा अपरिचित संगी साथी। अज्ञात स्थान का अज्ञातत्व दूर कर दें, अज्ञात को ज्ञात करलें तो भय मिट जाएगा।
- मृत्यु से होकर ही अमरत्व मिलता है। कालजयी वही होता है, जो काल के भय से मुक्त हो गया। जहां जरा-मरण ब्यापै नहीं, मूव न मुड़िये कोई। चल कबीर तँह देसँडे, जहां वैद विधाता होई। वह कौन सा देश है? वह हैं आत्मा का देश। आत्मा शरीर, मन, बुद्धि से परे है। इन तीनों को मारकर ही आत्मा में स्थित हुआ जा सकता है। यह आत्म साक्षात्कार ही मृत्यु से साक्षात्कार है।
- इसी अनुभव को कठोपनिषद् इस प्रकार रखता है- ‘न जायते म्रियते वा विपश्चनायं कुतश्चित्र बभूव कश्चित्। अजो नित्यं शाश्वतोयं पुराणो, न हन्यते हन्यमाने शरीरे।’ ‘वह नित्य है, शाश्वत है, शरीर के मरने से वह मरता नहीं। उसे वही जान पाता है, जो स्वयं में स्थित हो जाता है। स्वयं में स्थित होना ही परमात्मा में स्थित होना है।’
- लोभी मृत्यु के भय से चिंतित रहता है परन्तु योगी निश्चिंत। जो पाना चाहता है, उसे खोने के भय का सामना भी तो करना पड़ेगा। जो कुछ पाना नहीं चाहता उसके पास खोने को कुछ नहीं होता, इसलिए भय किस बात का। ‘चाह गयी चिंता मिटी मनुआ बेरपवाह, जिनको कछु न चाहिए वे साहन के साह।’
- नई समस्याओं को हल करने के लिए नए स्नायु संस्थान, नई बौद्धिक क्षमता, नया मस्तिष्क चाहिए, यह मृत्यु से ही सम्भव है। मृत्यु का स्वागत ही चिर कल्याण का मार्ग है।
- मृत्यु शब्द काल के पर्याय के रूप में प्रयुक्त होता आया है। मृत्यु से ही संसार में सुंदरता है, प्रेम है, समरसता है।
- मृत्यु की अनुपस्थिति में परिवर्तन तथा विकास रुक जाएगा। मृत्यु की अनुपस्थिति में धरती पर प्राप्त सारी विविधता एवं नूतनता समाप्त हो जाएगी। मनुष्य का जीवन उदासीनता से भर जाएगा।
- मृत्यु के कारण ही संसार का क्रम व्यवस्थित चल रहा है। मृत्यु तत्व के फलस्वरूप ही सबको जीवन निर्वाह के साधन मिल रहे हैं।
- मृत्यु है अतः आनन्द है, मृत्यु न हो तो आनन्द भी नहीं होगा। बालक-बृद्ध, मूर्ख-बुद्धिमान, स्त्री-पुरुष, ग्रामीण-शहरी, शिक्षित-अशिक्षित सभी को मृत्यु का डर लगता है। कोई भी मृत्यु की कामना नहीं करता। परन्तु मृत्यु संसार की न टलने वाली घटना है।
- प्रेमचन्द्र के अनुसार- मनुष्य को मौत को धोखा देने में आनंद आता है। सांसारिक कार्यों में लिप्स रहने से मनुष्य मृत्यु को भूल जाता है।
- मृत्यु तो प्राणी का विशेषाधिकार है। अंग्रेजी साहित्य के कवि कीट्स ने इसे वरदान माना है। मृत्यु ही मनुष्य को इस धरती पर एक निश्चित अवधि तक रहने का, जीवन और मृत्यु के बीच के समय को सारपूर्ण बनाने का अवसर देती है।
- शरीर की नश्वरता और आत्मा की अमरता में अडिग विश्वास भारतीय चिंतन का केंद्रीय सारतत्व है।
- जन्म से ही मृत्यु की यात्रा आरम्भ हो जाती है। मृत्यु जीवन की अंतिम गति है जिसे चिरनिद्रा की संज्ञा दी जाती है। मृत्यु ही एकमात्र जीवन के अंत की सुखद अनुभूति है।
- महाभारत के अनुसार ब्रह्माजी मनुष्य के गर्भ में ही पांच वस्तुएँ लिख देते हैं- ‘आयुः कर्म च वित्तं च विद्या निधनमेव च। पत्रचेतानि तु सृजयन्ते गर्भस्थत्येव देहनिः।’
- मुस्लिम धर्म में मृत्यु का लम्बी नींद या चिरनिद्रा के रूप में विवेचन किया गया है। चिरनिद्रा लेने वाले व्यक्ति का शयनकक्ष कब्र मानी गयी है।
- मृत्यु की ओर प्रसन्नता से देखो और सद्कार्यों को याद करो, परमेश्वर न्यायकर्ता है। यदि गलतियां की हैं, अपराध हुए हैं तो प्रसन्नतापूर्वक सजा के लिए तैयार रहो। ऐसा, विश्वास तथा साहस के साथ प्रकट कीजिये, मृत्यु भयावह नहीं रहेगी। □



भारतीय प्रशासनिक सेवा के अवकाशप्राप्त अधिकारी डॉ रमेश नारायण त्रिवेदी नहीं रहे। 71 वर्ष की उम्र में भी कोई यूं ही चला जाता है। कान्यकुञ्जियत संस्कारों से ओतप्रोत, राष्ट्रीयता की उदात्तता से सराबोर, गरीब-उपेक्षित वर्ग की पीड़ा को महसूस करने वाले त्रिवेदीजी की वाणी, व्यवहार में कानपुर की सोंधी महक महसूस की जाती रही है। कानपुर की पीली कोठी में उनके दर्शन का सौभाग्य मिल जाता था। प्रशासनिक व्यस्तताओं के बीच भी वे मिलने वालों के लिए समय निकाल ही लिया करते थे। 2 जनवरी 2005, गोविंद नगर, कानपुर में कान्यकुञ्ज मंच के ‘माँ वासन्ती पाण्डेय स्मृति महिला सम्मान’ आयोजन के मुख्य अतिथि थे। ‘कान्यकुञ्ज मंच’ पत्रिका के नियमित पाठक थे। किंदवई नगर कार्यालय में संस्थापक सम्पादक कीर्तिशेष बालकृष्ण पाण्डेय के साथ उनकी चर्चा आज भी याद है।

विधि का विधान है, लेकिन त्रिवेदी जी का जाना बहुतों को अच्छा नहीं लगा। त्रिवेदी जी को जानने वाले उन्हें टुकड़े-अशों में जानते थे। बचपन में वे होनहार छात्र थे, कान्यकुञ्जियत व संस्कार सम्पन्न युवा थे, कृशल प्रशासक थे, साहित्य प्रेमी थे, लेखक थे, क्रिकेट के शौकीन थे, इतिहास के जानकार थे, समाजसेवी थे, अच्छे पाठक और श्रोता थे। पत्रकार, साहित्यकार, सामाजिक कार्यकर्ता, राजनेता, व्यवसायी, श्रमिक नेता उनके चाहने वालों की लंबी फ़ौज थी। हर कोई त्रिवेदीजी से अपनी निजता, घनिष्ठता की बात करते नहीं थकता। वे कानपुर की गंध में समाए हुए थे। सेवा से अवकाशप्राप्त के बाद साहित्य सदन की बैठकों, सामाजिक-साहित्यिक बैठकों-समारोहों में उनकी उपस्थिति रहती। सोशल मीडिया, फेसबुक में सक्रिय रहते। पिछले कुछ समय से फेसबुक में अपने संस्मरणों को नियमित लिख रहे थे। 402 एपिसोड तक के संस्मरणों के प्रिंटआउट मेरे पास मौजूद हैं। एपिसोड के बहाने त्रिवेदी जी ने अपने संस्मरणों में देश की स्वतंत्रता पूर्व व पश्चात, श्रमिक आंदोलनों का इतिहास, कानपुर की विकास यात्रा के साथ परिवारिक पृष्ठभूमि में लोकसंस्कृति की खुशबू समाई रहती। भारतीय क्रिकेट के फर्श से अर्श पर आने का



कानपुर की तहसील घाटमपुर (भीतरगांव) तिवारीपुर निवासी, कान्यकुञ्ज विद्या प्रचारिणी सभा, इंदौर के उपसभापति श्री दुर्गानारायण तिवारी की 98 वर्षीय माता श्रीमती विद्या (पत्नी स्व. देवनारायण तिवारी) का 11 जून, 2019 को दुखद निधन।

आर.एन. त्रिवेदी नहीं रहे

विश्लेषण होता। इंदौर बिटिया नेहा के पास जाकर भी इस क्रम को तोड़ा नहीं। जस्काना गुरु पर लिखा उनका एपिसोड उनकी अनुमति से ‘मंच’ के पिछले अंक में प्रकाशित हुआ था। त्रिवेदीजी के लिखे एपिसोड शोधार्थियों, जिज्ञासुओं के लिए अमूल्य निधि साबित हो सकते हैं। मैंने उन एपिसोड्स को पुस्तकाकार रूप में प्रकाशित करने की सलाह भी दी थी। साथ ही अंशों में उनका प्रकाशन ‘कान्यकुञ्ज मंच’ में करने की अनुमति भी पा ली थी।

खैर, अब यादें शेष हैं। उनका जाना बहुतों को टीस दे गया। वे सबके थे, सब उनके थे। अभा कान्यकुञ्ज प्रतिनिधि सभा के इतिहास ग्रंथ (सम्पादक : स्मृतिशेष देवीशंकर मिश्र) के पृष्ठ 239-240 पर छापा पं. रमेशनारायण त्रिवेदी का परिचय आज भी मेरी लायब्रेरी में सुरक्षित है। गांधीवादी विचारधारा के समर्थक, कांग्रेस के मध्यमार्गी सिद्धांतों को मानने वाले त्रिवेदीजी ने 5 अगस्त, 2019 को अपने फेसबुक पोस्ट में राज्यसभा में केंद्रीय गृहमंत्री अमितशाह के कशमीर पर दिए भाषण की प्रशंसा करते हुए बधाई दी थी। सम्भवतः ये उनकी अंतिम पोस्ट रही हो। रायबरेली के एसडीएम रहते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के विकासकार्यों को बखूबी बढ़ाने में उनका योगदान अविस्मरणीय है। मृत्यु एक अटल सत्य है। यह जानते हुए भी ‘त्रिवेदी जी अब हमारे बीच नहीं हैं’, विश्वास कर पाना मुश्किल हो रहा है। अशुपूरित श्रद्धांजलि।□

नहीं रहे घोड़े वाले दीक्षित जी

पिछली सदी के मध्यकाल में कानपुर ही नहीं, देश-विदेश तक धमक जमाने वाले भगवतीप्रसाद दीक्षित का 1 अक्टूबर को 92 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। रोबिनहुड के नाम से चर्चित घोड़े वाले दीक्षित जी ने कानपुर, रायबरेली, अमेरी, चिकमंगलूर से इंदिराजी, राजीवजी के सामने लोकसभा के चुनाव लड़े। ग्राम प्रधान से लेकर राष्ट्रपति पद तक के लिए पर्व दाखिल किया। कानपुर नगरमहापालिका में अधिकारी रहे दीक्षितजी ने विभाग में व्यास भ्रष्टाचार, अनियमताओं का विरोध करते हुए नौकरी से त्यागपत्र देकर चुनावी राजनीति में कदम रखा था। सिर पर हैट, हाथ में छड़ी, ‘एकला चलो’ का झँड़ा और कमर में बिजुल, ब्रिटिश सैनिकों की वेषभूषा में घोड़े पर सवार, धुन के पक्के दीक्षितजी छात्रों के बीच खासे लोकप्रिय थे। सरकारी की गलत नीतियों के विरोध प्रदर्शनों के अगुवा रहते। सत्ताधारियों में इस अकेले सैनिक का खौफ़ था। 1961 में उपर के तत्कालीन मुख्यमंत्री चन्द्रभानु गुप्त का विरोध करने पर पहले जेल और फिर आगरा पांगलखाने भेज दिए गए। मेडिकल स्टिफिकेट लेकर बाहर आये। ईमानदारी का दीवाना अब एक कहानी भर रह गया। उनकी स्मृति को विनम्र श्रद्धांजलि।□

- मुकेश भारद्वाज

भारतीय राजनीति में अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व में वह फक्कड़पन और कबीर का भाव था जो सत्ता के साथ संवेदना को जोड़ता है। राजनीतिक, आर्थिक और विदेश नीतियों की गाथा के इतर उनका वह मानवीय पक्ष ज्यादा प्रबल है जो सत्ता का मनुष्यता से संबंध बनाता है। राजनीति को जिम्मेवारी मानने वाले वाजपेयी भारतीय परिदृश्य में उस रामराज्य वाली राजनीति के दूत थे, जिससे भारत का जनमानस जुड़ा है। इनके साथ हिंदुत्व की राजनीति में राम और रामायण का वह लोकपक्ष जुड़ा है जो सहज, सरल और करुणामय है।

‘सत्ता का खेल तो चलेगा, सरकारें आएंगी-जाएंगी मगर यह देश रहना चाहिए’ कहने वाले अटल बिहारी के लिए सत्ता में आना या जाना कोई मायने नहीं रखता। सत्ता पाने की कभी लालसा भी नहीं दिखाई और पाने के बाद उसे बनाये रखने की होड़ भी नहीं लगाई। उनके लंबे राजनीतिक जीवन में गीता का संदेश परिलक्षित होता था- ‘कर्मण्येवाधिकारस्ते’।

‘हार नहीं मानूंगा, रार नहीं ठानूँगा’ महज कवि के उद्गार नहीं, पूरा राजनीतिक जीवन दर्शन है। बात जीतने की नहीं बल्कि हार नहीं मानने की है। हारने के बावजूद यदि आप रार नहीं

ठनते तो जो कुछ भी हासिल है वह जीत जैसा जगमग ही है।

वाजपेयी जी वर्तमान राजनीति के अजातशत्रु रहे तो उसका एक बड़ा कारण उनका रचनाकार होना है, साहित्य के प्रति संवेदना है। साहित्य व्यक्ति में सहजता और करुणा का भाव लाता है। साहित्य के साथ ने ही अटल की राजनीति में सम्वेदनाओं के भाव विकसित किये, सभावनाओं के नहीं। वादों और इरादों से निर्मोही हुआ यह योद्धा बस समय के साथ चलता गया और कहता रहा- ‘पार पाने का कायम मगर हौसला, देख तेवर तूफां का तेवरी तन गयी’। वाजपेयीजी के साथ उस दौर के नेताओं का अंत हुआ जो राजनीतिक लाभ-हानि से परे मर्यादा की लक्षण रेखा खींचते हैं। बोट और कुर्सी के इतर भी एक राजनेता ऐसा था, जिसके लिए विपक्षी दल भी कहते रहे कि एक सही व्यक्ति गलत पार्टी में है। आज अगर हम किसी ऐसे नेता की तस्वीर लगाना चाहें जो सबको मंजूर हो तो उस फेम में अटलबिहारी वाजपेयी की ही तस्वीर आती है। उनके जाने के बाद जिस तरह उनकी समग्रता की राजनीति को याद किया गया, उससे लगता है कि वे देश को अपने प्रति अटल भरोसा दे गए हैं। काल के कपाल पर भारतीय राजनीति में जिन संस्कारों, जिस संस्कृति का बीजारोपण अटल जी ने किया है वह वर्तमान और भावी राजनीतिज्ञों के लिए एक पाठशाला है। □

पत्रिका हेतु सहयोग राशि ‘संपादक-कान्यकुञ्ज मंच’ के पक्ष में बैंक ऑफ बड़ोदा की सीबीएस शाखा में IFSC:BARB0KIDKAN में जाकर हमारे खाता संख्या 19640100008067 में जमा कर इसकी सूचना पूरा नाम पता व पिन कोड सहित मोबाइल 09450332385 पर एसएमएस द्वारा या पत्रिका के ईमेल पर दें।

संरक्षक: ₹11000 ● विशिष्ट: ₹5100 ● आजीवन: ₹2100	\$200	\$100	\$40
--	--------------	--------------	-------------

पत्रिका प्राप्ति स्थान

कानपुर - गुप्त मैगजीन सेंटर, एलआईसी बिल्डिंग के सामने, फूल बाग चौराहा, कानपुर। मो.-8896229786

- पाण्डेय बुक सेलर, के-ब्लॉक, निकट आरबीआई कॉलोनी, किंदवर्ड नगर, कानपुर। मो.-9336121757
- कृष्णा फार्म सेंटर, निकट साकेत गेस्ट हाउस, विकास नगर, कानपुर। मो.-9336029994

लखनऊ - शुक्रल मैगजीन सेंटर, हनुमान के निकट, हजरतगंज, लखनऊ। मो.-9473897006

- 1/206, विकास नगर, लखनऊ। मो.-9554096508
- 3/19 सेक्टर-जे, जानकी पुरम, लखनऊ। मो.-9450362385

नोएडा - शुक्रल मैगजीन सेंटर, ब्रह्मपुत्र कॉम्प्लेक्स, सेक्टर 29, नोएडा। मो.-9210135448

दिल्ली - तिवारी ब्रादर्स, 73, एमएम मार्केट, कनॉट सर्कस, नई दिल्ली-110001, फोन-011 23413313-23411764

भोपाल - श्री के.एन. मिश्र, 58, सागर स्टेट कॉलोनी, अयोध्या नगर, भोपाल-462041, मो.-7224882166

इंदौर - श्री दुर्गानारायण तिवारी, 33, बिजासन रोड, इंदौर-452005, मो.-9827791616

फरीदाबाद - 264, सेक्टर-3, फरीदाबाद 121004, मो. 8800377066



Kailash Hospital & Heart Institute

(A Unit of Kailash Healthcare Ltd.)

Phone: +(91)-(120)-2444444 / 2445566 Fax: 2552323 H-33, Sector- 27, Noida, 201301

E-mail: kailash.noida@kailashhealthcare.com

Website: kailashhealthcare.com



NABH ACCREDITATION

Highest National Recognition For Hospitals



NABL ACCREDITATION

Highest National Recognition For Laboratory Services

24 X 7 SERVICES

- Emergency
- Chemist Shop
- Blood Bank
- Laboratory Services

WE ACCEPT HIGH RISK PATIENTS
325 Beds Superspeciality Hospital

FACILITIES

Cardiology

Cardio-thoracic Surgery

Intensive Care

Gastroenterology

Arthroscopy

Joint Replacement Surgery

Neurosurgery / Neurology

Minimal Access Surgery

Neonatology / Paediatric Surgery

Bone Densitometry - Dexa Scan

Mammography

MRI / CT Scan / Color Doppler

Plastic Surgery /

Cosmetic Surgery

Endocrinology

Oncology

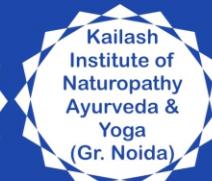
Nephrology

Urology

Gynaecology

Advance Gynae Endoscopic Center

Advance Fetal Medicine Unit



अक्टूबर-दिसम्बर 2019

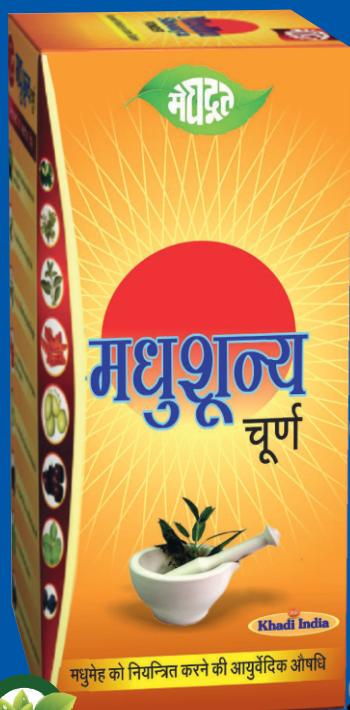
क्या आपको DIABETES है?

RNI: 46226/87

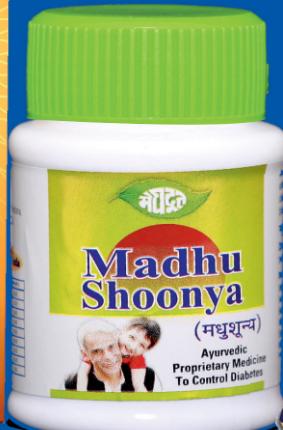
यह औषधि मधुमेह को नियंत्रित करने के साथ ही अनियमित रक्तचाप और हृदय दुर्बलता को नियंत्रित कर शरीर में स्फूर्ति प्रदान करता है।

मधुशून्य चूर्ण

..आज जिन्दगी में भरिये
खुशियों की मिठास



NOW
AVAILABLE
IN TABLETS



Madhu Shoonya

Ayurvedic
Proprietary Medicine
To Control Diabetes



Helpline: +91- 9235623142 | www.meghdootherbal.com